खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । शनिवार, 21 मार्च, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-77

कल के लिए आज

नयी दिशा देने 3.24 लाख करोड़ का बजट

हैदराबाद, 20 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री और वित्त मंत्री भट्टी विक्रमार्क मल्लू ने शुक्रवार को राज्य विधानसभा में वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 3,24,234 करोड़ रुपये का कर-मुक्त बजट पेश किया। इसी दौरान सिंचाई और नागरिक आपूर्ति मंत्री कैप्टन एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने इसे विधान परिषद में प्रस्तुत किया।

कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के बाद यह उसका चौथा बजट है। इसमें कुल राजस्व व्यय 2,34,406 करोड़ रुपये और पूंजीगत व्यय 47,267 करोड़ रुपये अनुमानित है। बजट में महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा, 500 रुपये में गैस सिलेंडर और 200 यूनिट मुफ्त बिजली जैसी कल्याणकारी योजनाओं को भी जारी रखा गया है। बजट में सरकार ने जून 2026 से 1.15 करोड़ परिवारों के लिए पांच लाख रुपये के कवर वाली इन्दिराम्मा परिवार जीवन बीमा योजना की घोषणा की है।

श्री विक्रमार्क ने अपने बजट भाषण में कहा कि विरासत में मिले कर्ज और वित्तीय दबाव के बावजूद सरकार ने राजकोषीय अनुशासन बहाल किया है और डॉ. बी.आर. अंबेडकर के आदर्शों के अनुरूप संतुलित विकास के लिए प्रतिबद्ध है।

राज्य की आर्थिक स्थिति पर चर्चा करते हुए वित्त मंत्री ने बताया कि तेलंगाना की जीएसडीपी 17,82,198 करोड़ रुपये है, जिसकी विकास दर 10.7 प्रतिशत है जो राष्ट्रीय औसत से अधिक है। वहीं राज्य में प्रति व्यक्ति आय 4,18,931 रुपये तक पहुंच गई है।

सरकार ने वर्ष 2034 तक एक ट्रिलियन डॉलर और 2047 तक तीन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। 'तेलंगाना राइजिंग ग्लोबल समिट' के माध्यम से 5.75 लाख करोड़ रुपये के निवेश आकर्षित किए गए हैं। इसके अलावा सरकार ने रोजगार को प्राथमिकता देते हुए 67,763 उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र जारी किए हैं।

क्षेत्रवार आवंटन के तहत शिक्षा के लिए 26,674 करोड़ रुपये, चिकित्सा और स्वास्थ्य के लिए 13,679 करोड़ रुपये, ऊर्जा के लिए 21,285 करोड़ रुपये और कृषि व किसान कल्याण के लिए 23,179 करोड़ रुपये निर्धारित किए गए हैं।

सामाजिक न्याय सुनिश्चित करने के लिए अनुसूचित जातियों के लिए 11,784 करोड़, अनुसूचित जनजातियों के लिए 7,937 करोड़, पिछड़ा वर्ग के लिए 12,511 करोड़ और अल्पसंख्यकों के लिए 3,769 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। बुनियादी ढांचे के विकास के लिए पंचायत राज और ग्रामीण विकास को 33,688 करोड़, सिंचाई को 22,615 करोड़ और शहरी विकास को 17,907 करोड़ रुपये दिए गए हैं।

तेलंगाना के वित्त वर्ष 2026-27 के बजट में औद्योगिक विकास और बुनियादी ढांचे पर विशेष जोर दिया गया है। बजट के तहत आईटी क्षेत्र के लिए 875 करोड़ रुपये, उद्योगों के लिए 3,490 करोड़ रुपये और हथकरघा क्षेत्र के लिए 258 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इसके अतिरिक्त, श्रम कल्याण के लिए 998 करोड़ रुपये और महिला एवं बाल कल्याण विभाग के लिए 3,143 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। राज्य की सुरक्षा और न्याय व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से गृह विभाग को 11,907 करोड़ रुपये और कानून विभाग को 2,367 करोड़ रुपये दिए गए हैं। पर्यटन क्षेत्र के विकास के लिए 1,224 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है, जिसमें से 500 करोड़ रुपये विशेष रूप से 'गोदावरी पुष्करालु' के आयोजन के लिए आवंटित किये गए हैं। बजट में शहरी परिवर्तन, ग्रीन मोबिलिटी, सिंचाई विस्तार और कौशल विकास पर भी ध्यान केंद्रित किया गया है। ▶10 पर

विफल, भ्रामक : भाजपा

तेलंगाना भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव ने शुक्रवार को पेश किए गए वर्ष 2026-27 के राज्य बजट को विफल, झूठा और फैंसी बजट करार देते हुए कहा कि यह जनता की वास्तविक जरूरतों को पूरा करने में पूरी तरह असमर्थ है।

श्री राव ने संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि यह बजट आंकड़ों की बाजीगरी है और इसमें किसी भी नई पहल का अभाव है और यह पिछले वर्ष के अनुमानों की नकल मात्र है। उन्होंने कहा कि दो साल से अधिक समय तक सत्ता में रहने के बावजूद, सरकार के पास ठोस विकास के नाम पर दिखाने के लिए कुछ भी नहीं है।

श्री राव ने शिक्षा क्षेत्र को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि ऐसे तो आवंटन बढ़ा हुआ प्रतीत होता है, लेकिन कुल बजट में इसकी हिस्सेदारी लगभग आठ प्रतिशत ही बनी हुई है। उनके दावे के अनुसार अन्य राज्यों की तुलना में काफी कम है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने शिक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए ठोस कदम उठाए बिना केवल बड़े-बड़े दावे किए हैं।

बजट एक धोखा : बीआरएस

तेलंगाना विधानसभा में शुक्रवार को उस समय भारी हंगामा देखने को मिला, जब विपक्षी दल भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के विधायकों ने उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क के वर्ष 2026-27 का बजट पेश करने के दौरान सदन से यह कहते हुए बहिर्गमन किया कि यह बजट एक धोखा है।

वित्त मंत्री ने जैसे ही अपना भाषण शुरू किया, बीआरएस सदस्यों ने कांग्रेस सरकार पर अपने चुनावी वादों, विशेष रूप से छह गारंटियों को लागू करने में विफल रहने का आरोप लगाते हुए नारेबाजी शुरू कर दी। प्रतीकात्मक विरोध के रूप में विधायकों ने अपने कानों के पीछे फूल लगा रखे थे-जो धोखे का संकेत देने वाला एक मुहावरा है। बाद में वे सदन से बाहर चले गए। बीआरएस सदस्यों ने बजट के प्रति भारी असंतोष व्यक्त करते हुए एक तोला सोने का वादा धोखा है! दो लाख नौकरियों का वादा धोखा है! और यह बजट एक धोखा है! जैसे नारे लगाए। विधायकों ने बहिर्गमन के बाद विधानसभा के प्रवेश द्वार पर धरना दिया, जिससे कुछ समय के लिए परिसर में तनावपूर्ण वातावरण बना रहा।

ईरान युद्ध की आँच

भारत में रसोई से बाजार तक तबाही

नई दिल्ली, 20 मार्च (एजेंसियां)।

ईरान युद्ध को शुरू हुए 21 दिन गुजर चुके हैं। 28 फरवरी 2026 के बाद दुनिया पहले जैसी नहीं रही। भारत समेत दुनिया के बड़े देश इस युद्ध से प्रभावित हुए हैं। इस जंग ने ग्लोबल एनर्जी मार्केट, व्यापार मार्ग और अर्थव्यवस्थाओं को हिला दिया है। भारत जो मध्य पूर्व से 85% से अधिक कच्चा तेल और गैस का बड़ा हिस्सा आयात करता है, इस युद्ध से सबसे ज्यादा प्रभावित देशों में से एक है। जिस स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से रोजाना 100 से ज्यादा तेल टैंकर गुजरते थे और इस तेल की वजह से देशों की जिंदगानी और कहानी चलती थी, अब वह होर्मुज लगभग ठप पड़ा है। इसकी वजह से कच्चे तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंच गई हैं, जिससे मुद्रास्फीति, रुपये की कमजोरी और सप्लाई चेन में गंभीर दिक्कत पैदा हो रही है।

ऊर्जा संकट और महंगाई की मार

युद्ध की वजह से कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल हुआ है। युद्ध से पहले ब्रेंट क्रूड की कीमतें 70 से 73 डॉलर प्रति बैरल थीं, जो अब 108 से 110 डॉलर प्रति बैरल के आसपास पहुंच गई हैं। इससे भारत का तेल आयात बिल प्रभावित हुआ है। मिडिल ईस्ट में जंग के बीच भारत में प्रीमियम पेट्रोल की कीमत प्रति लीटर 2.30 रुपये बढ़ गई है, जबकि तेल कंपनियों ने इंडस्ट्रियल डीजल की कीमतों में 22 रुपये प्रति लीटर की भारी बढ़ोतरी की है।

रसोई गैस की किल्लत भी गहरा गई है। भारत अपनी गैस खपत का ज्यादातर हिस्सा गल्फ से मंगाता है, लेकिन जंग की वजह से स्ट्रेट ऑफ होर्मुज बाधित है और गैस फील्ड पर ईरान हमले कर रहा है। कई खाड़ी के देशों ने भारत को गैस की सप्लाई बंद कर दी है। एलएनजी कीमतों में उछाल, आपूर्ति बाधाएं और शिपिंग लागत बढ़ने की वजह से भारत में गैस की किल्लत हो गई है। 7 मार्च 2026 से घरेलू सिलेंडर 60 रुपये महंगा हुआ है, वहीं कमर्शियल सिलेंडर की कीमत में 115 रुपये का इजाफा हुआ है।

गैस सप्लाई में किल्लत की वजह से दिल्ली-मुंबई, लखनऊ जैसे बड़े शहरों में चाय, समोसे जैसे खाने-पीने की खुदरा चीजों की कीमतें बढ़ गई हैं। ऑनलाइन खाना मंगाना भी महंगा हुआ हैजोमैटो ने 20 मार्च 2026 से प्लेटफॉर्म फीस 12.50 से बढ़ाकर 14.90 रुपये प्रति ऑर्डर कर दी है। दुनिया भर में यूरिया की जितनी बिक्री होती है, उसमें से अकेले कतर पूरी दुनिया की सप्लाई के 10 फीसदी हिस्से का उत्पादन करता है, लेकिन ईरानी हमलों की वजह से कतर के कई प्लांट बंद हैं। इस वजह से कुछ दिनों बाद भारत में भी खाद की किल्लत हो सकती है।

अर्थव्यवस्था और पूंजी बाजार में हाहाकार

ईरान युद्ध के 21वें दिन भारतीय रुपया डॉलर के मुकाबले तेजी से ढलान पर है। ▶10 पर

प्रीमियम पेट्रोल दो रुपये प्रति लीटर महंगा

नयी दिल्ली, 20 मार्च (एजेंसियां)। तेल विपणन कंपनियों ने शुक्रवार से प्रीमियम पेट्रोल के दाम दो रुपये प्रति लीटर बढ़ा दिये हैं, जबकि खुदरा (सामान्य) पेट्रोल और किसी भी तरह के डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। देश की सबसे बड़ी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन से प्राप्त जानकारी के अनुसार, दिल्ली के इरविन रोड सर्विस स्टेशन पर आज से प्रीमियम पेट्रोल 'एक्सपी95' की कीमत 101.89 रुपये प्रति लीटर हो गयी है। पहले इसकी कीमत 99.89 रुपये प्रति लीटर थी। सामान्य पेट्रोल की कीमत 94.77 रुपये प्रति लीटर और डीजल की 87.67 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर है। प्रीमियम डीजल एक्सजी की कीमत भी 91.49 रुपये प्रति लीटर पर अपरिवर्तित रखी गयी है। इंडियन ऑयल के अलावा दूसरी कंपनियों भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम ने भी कीमतों में लगभग इतनी ही बढ़ोतरी की है। लंबे समय बाद किसी भी तरह के पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़े हैं।

अब बड़े भाई की चलेगी

बिहार में भाजपा का सीएम होगा

नयी दिल्ली, 20 मार्च (एजेंसियां)।

बिहार की राजनीति में बड़ा फेरबदल लगभग तय माना जा रहा है, जहां सत्ता का संतुलन बदलने की तैयारी है। नए समझौते के तहत जेडीयू और बीजेपी के बीच भूमिकाएं उलटने जा रही हैं। अब तक जेडीयू नेतृत्व में चल रही सरकार में बीजेपी 'बड़े भाई' की भूमिका में आएगी और मुख्यमंत्री पद उसके खाते में जाएगा। सूत्रों के अनुसार, इस नई व्यवस्था में जेडीयू को दो उपमुख्यमंत्री पद दिए जाएंगे। सत्ता परिवर्तन की प्रक्रिया जल्द शुरू होने की संभावना जताई जा रही है। इससे राज्य की मौजूदा राजनीतिक संरचना में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। वहीं, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार 10 अप्रैल से राज्यसभा सदस्य के रूप में अपना नया कार्यकाल शुरू करेंगे। इससे पहले वे मुख्यमंत्री पद और विधान परिषद की सदस्यता छोड़ देंगे। जेडीयू सूत्रों का कहना है कि वे केंद्र सरकार में मंत्री बनने के बजाय राज्यसभा सदस्य के रूप में सक्रिय रहेंगे।

नई सरकार का फॉर्मूला और मंत्रालयों का बंटवारा

गठबंधन के नए फॉर्मूले के तहत सरकार की संरचना में बदलाव किया जाएगा। बीजेपी के पास मुख्यमंत्री पद के साथ 15 मंत्री पद होंगे, जबकि जेडीयू को दो उपमुख्यमंत्रियों समेत 16 मंत्री पद दिए जाएंगे। गृह मंत्रालय बीजेपी के पास ही रहेगा और विधानसभा अध्यक्ष का पद भी बीजेपी को मिलेगा। ▶10 पर

यूएनआई में पुलिस बल, परिसर सील

नयी दिल्ली, 20 मार्च (एजेंसियां)।

स्वतंत्र भारत के मीडिया के इतिहास में एक अप्रत्याशित घटनाक्रम में शुक्रवार देर शाम देश की प्रतिष्ठित समाचार एजेंसी यूनाइटेड न्यूज ऑफ इंडिया के परिसर को दिल्ली पुलिस और अर्धसैनिक बलों के भारी अमले की तैनाती कर बिना किसी पूर्व नोटिस के जबरन खाली करा लिया गया। समाचार एजेंसी का पिछले कई दशकों से 09 रफी मार्ग पर स्थित परिसर से संचालन हो रहा है।

आज अचानक कुछ सरकारी अधिकारी दिल्ली पुलिस और अर्धसैनिक बलों के करीब 300 जवानों तथा अधिकारियों और कुछ वकीलों के साथ परिसर में घुस आये और कर्मचारियों से तुरंत न्यूजरूम खाली कर परिसर से बाहर जाने का दबाव डालने लगे। उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई न्यायालय के आदेश से की जा रही है, लेकिन वे कोई लिखित आदेश नहीं दिखा सके। ▶10 पर

नेपाल में नई सरकार के गठन के लिए आरएसपी में बैठकों का दौर जारी

काठमांडू, 20 मार्च (एजेंसियां)।

राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) के शीर्ष नेताओं ने नई सरकार के गठन के लिए आंतरिक चर्चा और तैयारियां शुरू कर दी हैं।

निर्वाचन आयोग द्वारा प्रतिनिधि सभा चुनाव 2026 की रिपोर्ट राष्ट्रपति कार्यालय को प्रस्तुत कर देने के बाद आरएसपी के शीर्ष नेताओं के बीच नई सरकार गठन को लेकर बैठकों का दौर जारी है।

आरएसपी के अध्यक्ष रवि लामिछाने ने अपने दोनों उपाध्यक्ष स्वर्णिम वाग्ले और डीपी अर्याल के साथ गुरुवार शाम बालेन्द्र शाह के साथ बैठक कर नई सरकार में शामिल होने वाले मंत्रियों की सूची पर चर्चा की है। बताया गया है कि बालेन्द्र और रवि की टीम के बीच समन्वय कर नई सरकार में सहभागी कराया जाएगा।

इस बैठक के बाद उपाध्यक्ष वागले ने कहा कि पार्टी ने नई सरकार बनाने के लिए आंतरिक तैयारी शुरू कर दी है, और सरकार के 28 मार्च को गठन होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि पार्टी के सभी क्षेत्रों के प्रतिनिधित्व के साथ ही सांसदों को विशेषज्ञता के आधार पर सरकार के भूमिका दी जाएगी।

नेपाल के संघीय संसद सचिवालय ने सभी सांसदों के शपथ ग्रहण समारोह को 26 मार्च के लिए निर्धारित किया है। इसके दो दिन बाद, पार्टी नेताओं के अनुसार, वरिष्ठ नेता बालेन शाह प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लेने की तैयारी कर रहे हैं। हालांकि, उससे पहले पार्टी को बालेन शाह को संसदीय दल का नेता नियुक्त करने के लिए अपने विधान में संशोधन करना होगा।

इस उद्देश्य से आरएसपी ने शनिवार को पार्टी बैठक आयोजित करने की तैयारी कर रही है, जिसमें विधान संशोधन और संसदीय दल के नेता का चयन किया जाएगा। रास्वपा के महासचिव कविन्द्र बुर्लाकोटी ने जानकारी दी है कि 18 सदस्यीय मंत्रिपरिषद के गठन के प्रयास जारी हैं। उन्होंने कहा, हम यथासंभव कम सदस्यों वाली मंत्रिपरिषद बनाने की कोशिश कर रहे हैं। इसे लगभग 18 के आसपास रखने के लिए तैयारी चल रही है।

उनके अनुसार, इस दौरान कुछ मंत्रालयों को आपस में मिलाने या मंत्रियों को दोहरी जिम्मेदारी देने के विषय पर भी चर्चा हो रही है। उन्होंने कहा, मंत्रालयों की संख्या और मंत्री बनने वालों की सूची अभी तय नहीं हुई है, लेकिन हम इसे 18 या उससे कम रखने के लिए चर्चा कर रहे हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

नेशनल इंटेलिजेंस की डायरेक्टर तुलसी गबार्ड ने सीनेटरों को बताया, ईरान की सैन्य और रणनीतिक क्षमताएं काफी कम हुई

वाशिंगटन। अमेरिकी खुफिया अधिकारियों ने सीनेटरों को बताया कि हाल के अमेरिकी अभियानों से ईरान की सैन्य और रणनीतिक क्षमताएं काफी कम हुई हैं, लेकिन ईरान में सरकार अभी बनी हुई है और अमेरिकी हितों और इलाके की स्थिरता के लिए गंभीर खतरा है। नेशनल इंटेलिजेंस की डायरेक्टर तुलसी गबार्ड ने कहा कि ईरानी शासन कमजोर हुआ है, लेकिन खत्म नहीं हुआ है। उन्होंने सीनेट सिलेक्ट इंटेलिजेंस कमेटी को बताया, आईसी (इंटेलिजेंस कम्युनिटी) का अंदाजा है कि ईरान में सैन्य क्षमताओं पर हमलों की वजह से यह काफी हद तक कमजोर हुआ है। इसकी पारंपरिक सैन्य शक्ति दिखाने की क्षमता काफी हद तक खत्म हो गई है, जिससे विकल्प कम रह गए हैं। लेकिन अमेरिकी खुफिया अधिकारियों ने चेतावनी दी कि तेहरान के पास समय के साथ अपनी सैन्य ताकत को फिर से बनाने का इरादा और क्षमता दोनों हैं। उन्होंने कहा, आईसी का अंदाजा है कि अगर कोई दुश्मन शासन (ईरानी सरकार) बचता है, तब वह शायद अपनी सैन्य, मिसाइलों और यूएवी फोर्स को फिर से बनाने के लिए सालों तक चलने वाली कोशिश शुरू करेगा। सीआईए डायरेक्टर जान रैटक्लिफ ने बताया कि ईरान लंबे समय से खतरा बना हुआ है। उन्होंने सीनेटरों से कहा, मुझे लगता है कि ईरान लंबे समय से अमेरिका के लिए लगातार खतरा रहा है और इस समय भी यह तुरंत खतरा बन गया है।

नेपालः प्रतिनिधि सभा के सदस्यों से शपथ ग्रहण समारोह में पारम्परिक वेशभूषा में पहुंचने का आग्रह

काठमांडू। संघीय संसद सचिवालय ने नवनिर्वाचित प्रतिनिधि सभा के सदस्यों के शपथ ग्रहण समारोह के संबंध में एक अधिसूचना जारी की है। इसके अनुसार, शपथ ग्रहण समारोह 26 मार्च को दोपहर दो बजे शुरू होगा। सभी नवनिर्वाचित सांसदों से आग्रह किया गया है कि वो अपने सांस्कृतिक और पारम्परिक वेशभूषा में शपथ ग्रहण समारोह में उपस्थित हों। सचिवालय ने सभी नव निर्वाचित सांसदों से अनुरोध किया है कि वे सिंहदरबार स्थित निर्माणाधीन संघीय संसद भवन के बहुउद्देश्यीय सभाहल में दोपहर 2 बजे आयोजित समारोह में अनिवार्य रूप से उपस्थित हों। सांसदों को निर्देश दिया गया है कि वे समारोह शुरू होने से कम से कम दो घंटे पहले स्थल पर पहुंच जाएं। सचिवालय ने सांसदों से यह भी अनुरोध किया है कि वे निर्वाचन आयोग नेपाल द्वारा जारी प्रमाणपत्र साथ लेकर समारोह में उपस्थित हों। इसके अलावा नेपाली नागरिकता का प्रमाण पत्र और साथ में दो पासपोर्ट साइज फोटो भी लाया गया है। संसद सचिवालय ने सभी नवनिर्वाचित सांसदों से शपथग्रहण के दौरान अपनी अपनी मातृभाषा को प्राथमिकता देने को कहा गया है। सूचना में यह उल्लेख किया गया है कि जो भी सांसद अपनी मातृभाषा में शपथ लेना चाहते हैं वो इसकी जानकारी शपथग्रहण समारोह से तीन दिन पूर्व तक दे सकते हैं ताकि शपथ पत्र को उनकी अपनी मातृभाषा में अनुवाद कर उपलब्ध कराया जा सके।

चीन में पुलिस ने रोबोट को डर फैलाने के आरोप में रोका

बीजिंग। हाल ही में चीन से सामने आई एक अनोखी घटना ने रोबोट के इस्तेमाल और उनकी सुरक्षा को लेकर नई बहस छेड़ दी है। यहां एक ह्यूमनाइड रोबोट को कथित तौर पर डर फैलाने के आरोप में पुलिस ने रोक लिया, जिसके बाद यह मामला सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया। यह घटना चीन के विशेष प्रशासनिक क्षेत्र मकाउ के पटाने इलाके में स्थित लोक येंग फा यून नामक आवासीय परिसर के पास हुई। जानकारी के अनुसार शाम के समय करीब 70 वर्ष की एक बुजुर्ग महिला वहां टहल रही थीं। उसी दौरान वह अपने मोबाइल फोन में व्यस्त थीं। इसी बीच उनके पीछे एक ह्यूमनाइड रोबोट आकर खड़ा हो गया। जैसे ही महिला ने पीछे मुड़कर देखा, वह अचानक घबरा गईं और जोर-जोर से चिल्लाने लगीं। बताया जा रहा है कि महिला ने इससे पहले कभी इतने करीब से ऐसा रोबोट नहीं देखा था, इसलिए वह डर गईं। घबराहट में उन्होंने रोबोट से नाराजगी जताते हुए कहा कि वह उनका दिल तेजी से धड़काने लगा है और ऐसा व्यवहार क्यों कर रहा है। यह पूरा घटनाक्रम वहां मौजूद कुछ लोगों ने अपने मोबाइल फोन में रिकार्ड कर लिया।

ईरान ने अमेरिकी एफ-35 लड़ाकू विमान को बनाया निशाना, इजराइल की रिफाइनरी पर की बमबारी

तेल अवीव, 20 मार्च (एजेंसियां)।

अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच छिड़ा युद्ध 21वें दिन और व्यापक हो गया। इस जंग में संभवतः पहली बार अमेरिका की सैन्य क्षमता को तगड़ी चोट लगी है। ईरान ने दावा किया है कि उसने अमेरिकी एफ-35 लड़ाकू विमान (फाइटर जेट) को नुकसान पहुंचाया है। इसके अलावा इजराइल की रिफाइनरी पर ईरान ने बमबारी कर उसे उड़ाने की कोशिश की है। ईरान ने अमेरिकी एफ-35 फाइटर जेट पर हमले का वीडियो भी जारी किया है।

सीएनएन, अल जजीरा और अन्य कुछ देशों के संचार माध्यमों की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कार्प्स (आईआरजीसी) ने एफ-35 पर हमले का वीडियो फुटेज तो जारी किया है, लेकिन इसकी पुष्टि नहीं हो पाई है। यह जरूर है कि अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने स्वीकार किया कि एक एफ-35 जेट को ईरान के ऊपर मिशन के दौरान इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। विमान को मिडिल-ईस्ट के किसी देश में उतारा गया है।

कमांड के प्रवक्ता कैप्टन टिम हाकिन्स के मुताबिक, विमान की इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई है और पायलट सुरक्षित है। घटना की जांच जारी है। हालांकि अमेरिका ने सीधे तौर पर ईरानी हमले की पुष्टि नहीं की है। रिपोर्ट के अनुसार, एफ-35 दुनिया के सबसे एडवांस लड़ाकू विमानों में गिना जाता है और इसकी कीमत 100 मिलियन डालर से अधिक होती है।

ईरान ने कहा है कि उसने इजराइली हमलों का जवाब देते हुए तेल अवीव में रिफाइनरी पर जोरदार बमबारी की है। इस बीच कतर एनर्जी ने कहा कि ईरानी हमलों की वजह से कतर की लिक्विफाइड नेचुरल गैस एक्सपोर्ट क्षमता का 17 प्रतिशत हिस्सा ठप हो गया है। इससे सालाना राजस्व में अनुमानित 20 अरब डालर का नुकसान हुआ है और यूरोप तथा एशिया को होने वाली आपूर्ति पर खतरा मंडरा रहा है।

उधर, इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने संवाददाता सम्मेलन आहूत किया। वह पत्रकारों के सामने आए और कहा वह जंग जीत रहे हैं। वह अभी जिंदा हैं। ईरान बर्बादी की ओर बढ़ रहा है। हमने 20 दिनों के युद्ध में सफलता हासिल की है। इस बीच हिजबुल्लाह ने दावा किया है कि उसने हाल के घंटों में उत्तरी इजराइल के मार्गलियोट कस्बे पर मिसाइल दागी हैं। इसके अलावा नबातियेह प्रांत के मारौन अल-रास इलाके में मौजूद इजराइली सैनिकों के समूह को भी निशाना बनाया।

इस बीच ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने कहा है कि अगर अंतरराष्ट्रीय समुदाय इस संकट के खिलाफ मजबूती से खड़ा नहीं होता, तो इसका असर कई देशों पर पड़ेगा। यह स्थिति आगे चलकर और बड़े संकट को जन्म दे सकती है। एक रिपोर्ट के अनुसार, यूएई के राष्ट्रपति मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच फोन पर बातचीत हुई। इस बातचीत में क्षेत्र की स्थिति और उसके वैश्विक शांति पर असर को लेकर चर्चा की गई।

यूएई की सरकारी समाचार एजेंसी के अनुसार, दोनों नेताओं ने ईरान पर आरोप लगाया कि वह यूएई और क्षेत्र के अन्य देशों में नागरिकों, इमारतों और बुनियादी ढांचे को निशाना बना रहा है, जो अंतरराष्ट्रीय कानून और इन देशों की संप्रभुता का उल्लंघन है। रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप ने इन हमलों की निंदा की और यूएई तथा क्षेत्र के अन्य देशों के साथ अमेरिका की एकजुटता जताते हुए उनकी सुरक्षा और स्थिरता के समर्थन की बात कही। इस बीच बताया गया है कि फ्रांस के विदेशमंत्री जीन-नोएल बारो शुक्रवार को इजराइल का दौरा करेंगे। यह दौरा अचानक तय किया गया है और इससे पहले वह लेबनान की राजधानी बेरूत गए थे, जहां उन्होंने युद्धविराम की कोशिशों पर चर्चा की। फ्रांस के विदेश मंत्रालय के अनुसार, इस दौरे के दौरान बारो इजराइल के नेताओं से क्षेत्रीय सुरक्षा, मानवीय सहायता और मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव को कम करने के मुद्दों पर बातचीत करेंगे।

लुम्बिनी में तीसरा अंतरराष्ट्रीय शांति सम्मेलन शुरू

काठमांडू, 20 मार्च (एजेंसियां)।

लुम्बिनी में तीसरा अंतरराष्ट्रीय शांति सम्मेलन शुरू हो गया है। शुक्रवार से यहां शांति सम्मेलन के साथ-साथ तीसरा अंतरराष्ट्रीय ध्यान दिवस भी आरंभ हुआ है। यह आयोजन नेपाल सरकार के पर्यटन तथा संस्कृति मंत्रालय, नेपाल पर्यटन बोर्ड, लुम्बिनी विकास कोष और नेपाल ओलंपिक समिति ने संयुक्त रूप से किया गया है। इस अवसर पर संस्कृति, पर्यटन तथा नागरिक उड्डयन मंत्री अनिल कुमार सिन्हा ने कहा कि अव्यवस्थित और चुनौतियों से भरे के विश्व में शांति ही एकमात्र प्रमुख विकल्प है।

उन्होंने कहा कि वर्तमान अनिश्चित और अस्थिर परिस्थितियों में शांति ही मानव जाति की साझा आकांक्षा और सभ्यता का मूल आधार है। उन्होंने यह भी कहा कि लुम्बिनी से पूरे विश्व में शांति का संदेश फैलाया जा सकता है।

मंत्री सिन्हा ने कहा, लुम्बिनी विश्व शांति का स्रोत और मानवता की साझा धरोहर है। यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल यह स्थल अशोक स्तंभ के माध्यम से विश्वभर में बौद्ध धर्म और शांति का संदेश फैलाता रहा है। अशांति से भरी दुनिया में भगवान बुद्ध की करुणा और अहिंसा का संदेश शांति प्रदान कर सकता है।

उन्होंने कहा कि लुम्बिनी केवल एक धर्म का केंद्र नहीं, बल्कि मानव सभ्यता की यात्रा में शांति का एक महत्वपूर्ण प्रतीक है। इस बार का लुम्बिनी अंतरराष्ट्रीय शांति महोत्सव ध्यान, संगीत कार्यक्रम और मैराथन जैसे विभिन्न माध्यमों के जरिए शांति, विकास, समानता, न्याय, लोकतंत्र और स्वतंत्रता जैसे साझा मूल्यों पर दुनिया भर के लोगों को एकजुट करेगा। उन्होंने कहा कि यदि मन शांत होगा तो देश भी शांत रहेगा, मन सुरक्षित होगा तो सभी प्राणी सुरक्षित होंगे, और मन में समानता होगी तो पूरा विश्व भी समान और संतुलित रहेगा।

मौत के बाद भी शव को यहां सालों तक रखा जाता है घर में

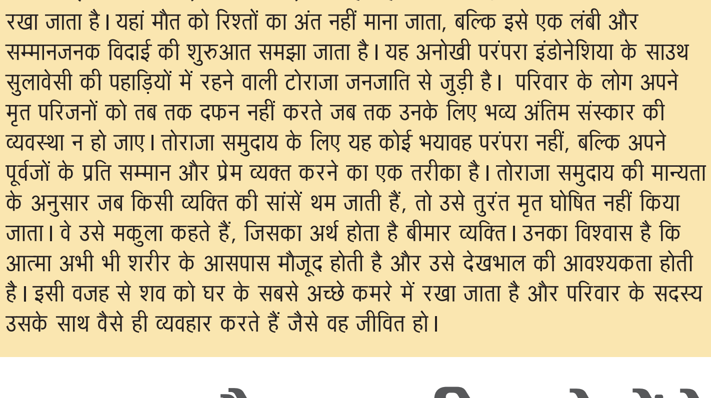

जकार्ता। इंडोनेशिया की एक जनजाति ऐसी भी है जहां मौत के बाद भी शव को वर्षों तक घर में रखा जाता है। यहां मौत को रिश्तों का अंत नहीं माना जाता, बल्कि इसे एक लंबी और सम्मानजनक विदाई की शुरुआत समझा जाता है। यह अनोखी परंपरा इंडोनेशिया के साउथ सुलावेसी की पहाड़ियों में रहने वाली टोराजा जनजाति से जुड़ी है। परिवार के लोग अपने मृत परिजनों को तब तक दफन नहीं करते जब तक उनके लिए भव्य अंतिम संस्कार की व्यवस्था न हो जाए। तोराजा समुदाय के लिए यह कोई भयावह परंपरा नहीं, बल्कि अपने पूर्वजों के प्रति सम्मान और प्रेम व्यक्त करने का एक तरीका है। तोराजा समुदाय की मान्यता के अनुसार जब किसी व्यक्ति की सांसें थम जाती हैं, तो उसे तुरंत मृत घोषित नहीं किया जाता। वे उसे मकुला कहते हैं, जिसका अर्थ होता है बीमार व्यक्ति। उनका विश्वास है कि आत्मा अभी भी शरीर के आसपास मौजूद होती है और उसे देखभाल की आवश्यकता होती है। इसी वजह से शव को घर के सबसे अच्छे कमरे में रखा जाता है और परिवार के सदस्य उसके साथ वैसे ही व्यवहार करते हैं जैसे वह जीवित हो।

अमेरिका ने दिया ईरानी तेल पर प्रतिबंध हटाने का संकेत

वाशिंगटन/दुबई, 20 मार्च (एजेंसियां)।

अमेरिका-इजराइल के हमलों के जवाब में ईरान के खाड़ी देशों के ऊर्जा ठिकानों को श्रृंखलाबद्ध निशाना बनाने से हड़कंप मचा हुआ है। इससे कच्चे तेल की कीमत और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर जबरदस्त प्रभाव पड़ा है। कतर की रास लफान इंडस्ट्रियल सिटी पर हुए ईरानी हमले से वाशिंगटन तक अपनी रणनीति बदलने पर मजबूर होता दिख रहा है। अमेरिका ने ईरानी तेल पर प्रतिबंध हटाने का संकेत दिया है। रिपोर्ट के अनुसार, इस हलचल के बीच अमेरिका प्रतिबंधों में ढील देने पर विचार कर रहा है। ट्रेजरी सेक्रेटरी स्काट बेसेंट ने कहा कि ट्रंप प्रशासन उस ईरानी तेल पर से प्रतिबंध हटा सकता है, जो पहले से ही जहाजों में लोड हो चुका है। इसकी वजह यह है कि फारस की खाड़ी के पार ऊर्जा इंफ्रास्ट्रक्चर पर ईरान के बढ़ते हमलों से बड़े ऊर्जा संकट की आहट आनी शुरू हो गई है। हालांकि रास लफान इंडस्ट्रियल सिटी पर हमले के बाद ट्रंप ने धमकी दी कि अगर ईरान ने दोबारा कतर पर हमला किया, तो वह ईरान के साउथ पार्स गैस भंडारों को उड़ा देगा। उल्लेखनीय है कि रास लफान इंडस्ट्रियल सिटी में दुनिया की सबसे बड़ी लिक्विफाइड नेचुरल गैस (एलएनजी) सुविधा है। ट्रेजरी सेक्रेटरी स्काट बेसेंट ने कहा कि ट्रंप प्रशासन ईरान के लगभग 140 मिलियन बैरल तेल पर से प्रतिबंध हटा सकता है। यह जहाजों में लोड हो चुका है। अमेरिका ऐसा पहले रूसी तेल के साथ भी कर चुका है। प्रशासन ने कहा कि इस कदम से केवल उस कच्चे तेल का रास्ता बदलेगा जिसे ईरान पहले से ही चीन को रियायती दर पर बेच रहा है। इससे वह बाजार मूल्य पर एशिया के अन्य देशों तक पहुंच सकेगा। बेसेंट ने माना कि अगर अमेरिका ईरानी तेल पर से प्रतिबंध हटाता है तो उसकी कीमत बाजार मूल्य तक पहुंच जाएगी और वह चीन के अलावा अन्य जगहों पर बिकेगा।

12 अरब और इस्लामिक देशों के विदेश मंत्रियों ने ईरान से जंग रोकने की अपील की

रियाद, 20 मार्च (एजेंसियां)।

इजरायल और ईरान के बीच जारी तनाव अब पूरे मिडिल ईस्ट में फैलता दिख रहा है। हालात इतने गंभीर हैं कि कई देशों की हवा बारूद और धुएं से प्रभावित हो रही है। इसी बीच 12 अरब और इस्लामिक देशों के विदेश मंत्रियों ने ईरान से हमले तुरंत रोकने और अंतरराष्ट्रीय कानून का सम्मान करने की अपील की है।

इसके पहले संयुक्त बैठक रियाद में आयोजित हुई, जहां सऊदी अरब सहित कई देशों के प्रतिनिधि शामिल हुए। बैठक के बाद जारी बयान में सऊदी अरब, कतर, संयुक्त अरब अमीरात, मिस्त्र, जार्डन, कुवैत, लेबनान, पाकिस्तान, सीरिया, तुर्किए, बहरीन और अजरबैजान के विदेश मंत्रियों ने एकजुट होकर ईरान की सैन्य कार्रवाई की निंदा की। विदेश मंत्रियों ने आरोप लगाया कि ईरान ने हाल के हमलों में रिहायशी इलाकों और नागरिक ढांचे को निशाना बनाया। इसमें तेल और गैस प्लांट, एयरपोर्ट, डीसेलिनेशन प्लांट, रेजिडेंशियल बिल्डिंग और राजनयिक ठिकाने शामिल हैं। उनका कहना है कि इस तरह के हमले न सिर्फ अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन हैं, बल्कि क्षेत्रीय स्थिरता के लिए भी बड़ा खतरा हैं।

यह बयान तब आया है जब इजरायल द्वारा ईरान के सबसे बड़े गैस प्रोजेक्ट साउथ पार्स गैस फील्ड पर हमले के बाद ईरान ने जवाबी कार्रवाई करते हुए खाड़ी देशों के ऊर्जा ढांचे को निशाना बनाया। ईरान के हमलों से रास लाफान इंडस्ट्रियल सिटी में आग लगने की खबरें आईं, जबकि सऊदी अरब में बैलिस्टिक मिसाइलों को इंटरसेप्ट किया गया। संयुक्त बयान में विदेश मंत्रियों ने स्पष्ट किया कि भविष्य में ईरान के साथ संबंध इस बात पर निर्भर करेंगे कि वह अन्य देशों की संप्रभुता का कितना सम्मान करता है। उन्होंने चेतावनी दी कि किसी भी देश के आंतरिक मामलों में दखल देना या सैन्य शक्ति का इस्तेमाल कर उन्हें धमकाना स्वीकार्य नहीं होगा। इसके साथ ही मंत्रियों ने लेबनान पर इजरायली हमलों की भी निंदा की और क्षेत्र की सुरक्षा, स्थिरता और अखंडता बनाए रखने के लिए समर्थन जताया। यानी इस बयान में दोनों पक्षों से संयम बरतने की अपील की गई है।

दूसरी ओर, कतर ने अपने यहां हुए हमले पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। कतर ने रास लाफान क्षेत्र को निशाना बनाए जाने को अपनी संप्रभुता का उल्लंघन बताया। कतर सरकार ने ईरानी दूतावास के कुछ अधिकारियों को पर्सोना नान ग्राटा घोषित करते हुए 24 घंटे के भीतर देश छोड़ने का आदेश दिया। यह कदम किसी भी देश द्वारा बेहद सख्त राजनयिक कार्रवाई माना जाता है। कतर के विदेश मंत्रालय ने कहा कि वह शुरू से ही इस संघर्ष से दूर रहने की नीति पर चल रहा था, लेकिन इसके बावजूद उसे निशाना बनाया गया। मंत्रालय के अनुसार, इस तरह की कार्रवाई क्षेत्रीय शांति और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा पैदा करती है।

इस पूरे घटनाक्रम से यह साफ है कि मिडिल ईस्ट में तनाव तेजी से बढ़ रहा है। ऊर्जा ठिकानों पर हमलों से न सिर्फ आर्थिक नुकसान हो रहा है, बल्कि वैश्विक स्तर पर तेल और गैस आपूर्ति भी प्रभावित हो रही है। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय समुदाय की अपील है कि सभी पक्ष संयम बरतें और कूटनीतिक समाधान की दिशा में आगे बढ़ें, ताकि बड़े संकट को टाला जा सके।

सीएसआईआर जिज्ञासा एपिक हैकाथॉन: युवा नवोन्मेषकों ने गाड़े सफलता के झंडे

विकसित भारत 2047 की ओर बढ़ते कदम

हैदराबाद, 20 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। युवाओं में वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देने के महत्व पर जोर देते हुए, सीएसआईआर-भारतीय रासायनिक प्रौद्योगिकी संस्थान (सीएसआईआर-आईआईसीटी) के निदेशक डॉ. डी. श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि 'एपिक हैकाथॉन' जैसे मंच अगली पीढ़ी के उन नवोन्मेषकों को तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जो वास्तविक दुनिया की चुनौतियों का समाधान कर सकें और ज्ञान-संचालित भारत के निर्माण में योगदान दे सकें।

काउंसिल ऑफ साइंटिफिक एंड इंडस्ट्रियल रिसर्च (सीएसआईआर) ने सीएसआईआर-आईआईसीटी, हैदराबाद में आयोजित एपिक (एम्पावरिंग प्यूपिल इनोवेशन एंड क्रिएटिविटी) हैकाथॉन ड्ढ चरण-2 के ग्रैंड फिनाले में भारत के उभरते छात्र नवोन्मेषकों की प्रतिभा और रचनात्मकता का जश्न मनाया। इस कार्यक्रम का आयोजन सीएसआईआर-मानव संसाधन विकास समूह (एचआरडीजी) और सीएसआईआर-आईआईसीटी द्वारा संयुक्त रूप से किया गया, जिसे कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के तहत सिप्ला फाउंडेशन का सहयोग प्राप्त हुआ।

वैज्ञानिक जिज्ञासा और नवाचार को बढ़ावा देने की प्रमुख पहल

एपिक हैकाथॉन 'सीएसआईआर जिज्ञासा' कार्यक्रम के तहत एक प्रमुख पहल है, जिसका उद्देश्य स्कूली छात्रों को वास्तविक वैज्ञानिकों और प्रयोगशालाओं से जोड़कर उनमें वैज्ञानिक जिज्ञासा और नवाचार को विकसित करना है। कार्यक्रम के दूसरे चरण के तहत, चयनित छात्रों ने प्रमुख सीएसआईआर प्रयोगशालाओं में दो महीने की मेंटरशिप और इंटर्नशिप पूरी की। इस दौरान, उन्होंने अपने वैचारिक विचारों को कार्यात्मक वैज्ञानिक प्रोटोटाइप में बदला, जो वास्तविक दुनिया की समस्याओं का समाधान करते हैं।

ग्रैंड फिनाले में आठ फाइनलिस्ट टीमों ने हिस्सा लिया, जिन्होंने हैकाथॉन के दौरान विकसित अपने अभिनव मॉडल और प्रोटोटाइप का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में एक प्रदर्शनी और इंटरैक्टिव सत्र आयोजित किए गए, जहाँ छात्रों ने वैज्ञानिकों, विशेषज्ञों, गुरुओं और आगंतुकों को अपने प्रोटोटाइप दिखाए। इसके बाद एक विशेषज्ञ जूरी के सामने अंतिम पिच प्रेजेंटेशन हुआ।

टी-वर्क्स का दौरा और कौशल विकास सत्र

फाइनलिस्ट टीमों ने भारत के सबसे बड़े प्रोटोटाइप केंद्र 'टी-वर्क्स' , हैदराबाद का दौरा किया, जहाँ उन्हें उन्नत प्रोटोटाइपिंग सुविधाओं से परिचित कराया गया। इस दौरे के बाद 'पिच डेक' तैयार करने पर एक व्यावहारिक प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया, जिससे छात्रों को अपने नवाचारों को प्रभावी ढंग से प्रदर्शित करने के लिए अपने प्रस्तुतिकरण और संचार कौशल को निखारने में मदद मिली।

समापन सत्र की शुरुआत सीएसआईआर-आईआईसीटी के वैज्ञानिक-डी और एपिक हैकाथॉन समन्वयक डॉ. संजीब कुमार पॉल के स्वागत भाषण से हुई। इस अवसर पर डॉ. आर. पार्थसारथी (प्रमुख, सीएसआईआर-एचआरडीजी और जिज्ञासा), डॉ. डी. शैलजा (प्रमुख, बीडीडीजी, सीएसआईआर), जोगिंदर तानिकेला (सीईओ, टी-वर्क्स), श्री संजोग सोनिस (सीएसआर प्रबंधक, सिप्ला फाउंडेशन) और डॉ. रामजी पलेल्ला (वरिष्ठ सलाहकार, आईएसबीए) जैसे गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। उन्होंने प्रतिभागियों को सामाजिक चुनौतियों के समाधान के लिए नवाचार जारी रखने हेतु प्रोत्साहित किया।

पुरस्कार वितरण और सम्मान समारोह

कार्यक्रम का समापन पुरस्कार वितरण, विजेताओं के अभिनंदन और मेंटर्स (मार्गदर्शकों) की मान्यता के साथ हुआ। अंत में डॉ. के. श्रीधर ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। यह आयोजन न केवल छात्रों की सफलता का प्रतीक रहा, बल्कि विकसित भारत 2047 के सपने को साकार करने की दिशा में एक सशक्त कदम साबित हुआ।

हैदराबाद में 24 मार्च को धूमधाम से मनाया जाएगा बिहार स्थापना दिवस

हैदराबाद, 20 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। बिहार स्थापना दिवस के अवसर पर 24 मार्च को बोयनपल्ली स्थित मल्ला रेड्डी गार्डन में भव्य समारोह आयोजित किया जाएगा। इस संबंध में आयोजित कार्यकारिणी बैठक में कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा की गई। महासचिव प्रभास कुमार द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति को मीडिया प्रभारी दिलीप कुमार ने साझा किया।

समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल के उपस्थित रहने की संभावना है। कार्यक्रम में प्रसिद्ध भोजपुरी कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दी जाएंगी।

उल्लेखनीय है कि 22 मार्च 1912 को बिहार एक स्वतंत्र राज्य के रूप में अस्तित्व में आया था। अपनी गौरवशाली ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक विरासत के लिए बिहार देशभर में विशेष पहचान रखता है।बैठक में बिहार फाउंडेशन हैदराबाद चैप्टर के अध्यक्ष मानवेंद्र मिश्रा, सचिव उत्तम यादव, बिहार एसोसिएशन के अध्यक्ष हरे राम सिंह, कोषाध्यक्ष विनोद गुप्ता, उपाध्यक्ष अशोक प्रसाद सिंह, रविशंकर सिंह, भरत सिंह, राम विनोद झा, दिनेश सिंह, अखिलेश सिंह, चंदन यादव, हरे राम यादव, बालकृष्ण यादव, राजू राय, ए.के. मौर्य, धर्मेंद्र सिंह, दीपक यादव, जितेंद्र गुप्ता, पवन सिंह राजपूत सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

आयोजकों ने सभी प्रवासी बिहारियों एवं नागरिकों से कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने का आह्वान किया है।

तेलंगाना के पूर्व मंत्री और सनतनगर के विधायक तलसानी श्रीनिवास यादव के निवास स्थान पर आज उत्सव का माहौल रहा। हिंदू नववर्ष और दक्षिण भारतीय पर्व उगादि के शुभ अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों के गणमान्य व्यक्तियों और राजनीतिक कार्यकर्ताओं ने उनसे मुलाकात कर अपनी शुभकामनाएँ प्रेषित कीं। बीआरएस के वरिष्ठ नेता उत्तम सिंह राजपुरोहित के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने विधायक तलसानी श्रीनिवास यादव से शिष्टाचार भेंट की। नेताओं ने उन्हें फूलों का गुलदस्ता भेंट किया और नए साल में उनके उत्तम स्वास्थ्य एवं क्षेत्र की समृद्धि की कामना की।

एनके सिंह के निवास पर विधि-विधान से हुई कलश स्थापना, हिंदू नववर्ष और चैत्र नवरात्रि का भव्य शुभारंभ

हैदराबाद, 20 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हिंदू नववर्ष और चैत्र नवरात्रि के पावन पर्व का आज हर्षोल्लास के साथ शुभारंभ हुआ। इस शुभ अवसर पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता और एनकेएस ग्रुप के चेयरमैन श्री एन.के. सिंह के वनस्थलीपुरम स्थित श्रद्धा नगर कॉलोनी निवास पर विशेष धार्मिक अनुष्ठान का आयोजन किया गया।

नवरात्रि के प्रथम दिन माता के कलश की स्थापना विद्वान पंडित सुखेंद्र शास्त्री द्वारा पूर्ण विधि-विधान और मंत्रोच्चार के साथ की गई। शास्त्रोक्त पद्धति से पूजा-पाठ संपन्न होने के बाद माता की अखंड ज्योति प्रज्वलित की गई, जो नौ दिनों तक भक्तों की आस्था का केंद्र रहेगी।

कलश स्थापना के पश्चात माता की भव्य महा आरती की गई, जिसमें पूरा परिवार भक्ति भाव में डूबा नजर आया। इस मांगलिक अवसर पर श्री एन.के. सिंह के साथ श्रीमती मालती देवी, श्रीमती दीपिका सिंह, श्री नंदकिशोर सिंह और श्रीमती नेहा सिंह ने पूजा में भाग लिया।

इस धार्मिक कार्यक्रम में परिवार के अन्य सदस्य श्री अमरजीत सिंह, ज्योति सिंह, सूर्यांश सिंह, गायत्री सिंह, लक्ष्यजीत सिंह, छवि सिंह और देवांशी सिंह भी उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर जगत जननी माँ दुर्गा से सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। श्री एन.के. सिंह ने इस अवसर पर सभी क्षेत्रवासियों को हिंदू नववर्ष की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पर्व समाज में नई ऊर्जा और सकारात्मकता लेकर आएगा।

वानुआतू द्वीप समूह में 6.1 तीव्रता का भूकंप

बीजिंग, 20 मार्च (एजेंसियां)। दक्षिण-पश्चिमी प्रशांत महासागर में स्थित वानुअतु द्वीप समूह में शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय समयानुसार सुबह 02:30 बजे 6.1 तीव्रता वाले भूकंप के झटके महसूस किए गए। यह जानकारी जर्मन भूविज्ञान अनुसंधान केंद्र जीएफजेड ने दी।

भूकंप का केंद्र गहराई में 10.0 किलोमीटर थी और शुरुआत में 19.47 डिग्री दक्षिणी अक्षांश और 168.19 डिग्री पूर्वी देशांतर पर निर्धारित किया।

जी-7 के छह सदस्यों सहित सात देशों ने होर्मुज जलडमरूमध्य से सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित करने में दिखाई तत्परता

नयी दिल्ली, 20 मार्च (एजेंसियां)। जी7 के छह सदस्य देशों जापान, कनाडा, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी तथा इटली और नीदरलैंड ने वाणिज्यिक जहाजों पर ईरानी हमलों की निंदा की है और कहा है कि वह होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों का सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित करने में योगदान देने के लिए तैयार हैं।सात देशों के नेताओं ने गुरुवार रात जारी एक संयुक्त बयान में कहा, हम खाड़ी में वाणिज्यिक जहाजों पर ईरान द्वारा किए गए हालिया हमलों, तेल एवं गैस प्रतिष्ठानों सहित नागरिक अवसंरचना पर हमलों और ईरानी बलों द्वारा होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करने की कड़ी निंदा करते हैं।'इन देशों ने बढ़ते संघर्ष पर गहरी चिंता व्यक्त की और ईरान से जलडमरूमध्य को वाणिज्यिक जहाजों के लिए अवरुद्ध करने के प्रयासों, धमकियों, बारूदी सुरंगों को बिछाने, ड्रोन एवं मिसाइल हमलों को तुरंत रोकने का आह्वान किया।

रूस ने ईरान युद्ध को तत्काल समाप्त करने का किया आह्वान

मास्को, 20 मार्च (एजेंसियाँ/शिन्हुआ)। रूसी विदेश मंत्रालय ने फारस की खाड़ी क्षेत्र में उत्पन्न स्थिति के संबंध में कहा कि मास्को अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान के खिलाफ बिना उकसावे वाले आक्रमण से उत्पन्न शत्रुता को तत्काल समाप्त करने का आह्वान करता है।

रूसी विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को कहा कि मॉस्को लगातार मित्र अरब देशों और ईरान के बीच शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं पड़ोसी देशों के साथ सहअस्तित्व वाली परिस्थितियां बनाने की आवश्यकता की वकालत करता है।

बयान में कहा गया, हम इस बात पर बल देते हैं कि इस दिशा में पहला कदम अमेरिका और इज़रायल द्वारा अपने सैन्य अभियान का तत्काल त्याग होना चाहिए।

मंत्रालय ने इस बात की पुष्टि की कि रूस इस क्षेत्र में दीर्घकालिक स्थायी स्थिरता प्राप्त करने के लिए, वहां स्थित सभी देशों के हितों को ध्यान में रखते हुए, राजनीतिक एवं राजनयिक माध्यमों से संघर्ष को सुलझाने और मौजूदा विवादों का समाधान खोजने में सहायता करने के लिए तत्पर है।

बयान में आगे कहा गया, हम पश्चिम एशिया में राजनीतिक एवं राजनयिक माध्यमों से संघर्ष सुलझाने और मौजूदा विरोधाभासों को दूर करने में रचनात्मक सहायता प्रदान करना जारी रखने के लिए तैयार हैं, जिसमें क्षेत्र के सभी देशों के वैध हितों को संतुलित करने के लिए एक स्थायी समाधान खोजने हेतु संयुक्त प्रयासों के लिए परिस्थितियां बनाना शामिल है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने किए प्रेमानंद महाराज के दर्शन, आध्यात्मिक उपदेशों से हुईं अभिभूत

मथुरा, 20 मार्च (एजेंसियाँ)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु अपने मथुरा दौरे के दूसरे दिन शुक्रवार को वृंदावन के परिक्रमा मार्ग स्थित श्री हित राधा केली कुंज आश्रम पहुँचीं। यहाँ उन्होंने प्रख्यात संत श्री प्रेमानंद महाराज जी से शिष्टाचार भेंट की और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।

आश्रम पहुंचने पर राष्ट्रपति का भव्य स्वागत किया गया। इसके उपरांत, उन्होंने पूज्य महाराज जी के साथ एकांत में वार्तालाप किया। राष्ट्रपति मुर्मु ने महाराज जी के द्वारा दिए जा रहे सत्संग और मानवता के कल्याण के लिए उनके द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। सूत्रों के अनुसार, राष्ट्रपति ने महाराज जी के उपदेशों और प्रवचनों को अत्यंत ध्यानपूर्वक सुना। उन्होंने महाराज जी से भक्ति मार्ग, मानसिक शांति और सेवा भाव जैसे विषयों पर चर्चा की।

भेंट के दौरान राष्ट्रपति जी की सादगी और महाराज जी के प्रति उनकी अटूट श्रद्धा स्पष्ट दिखाई दी। महाराज जी ने राष्ट्रपति को श्री राधा नाम की महिमा और निस्वार्थ कर्म के महत्व के बारे में बताया। पूज्य प्रेमानंद महाराज, जो अपने प्रखर विचारों और 'राधा वल्लभ' संप्रदाय की भक्ति परंपरा के लिए विश्वभर में जाने जाते हैं, ने राष्ट्रपति जी को मंगलमय जीवन और राष्ट्र की प्रगति के लिए अपना आशीर्वाद प्रदान किया।

राष्ट्रपति के आगमन को देखते हुए स्थानीय प्रशासन और पुलिस द्वारा सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। परिक्रमा मार्ग पर यातायात को कुछ समय के लिए डाइवर्ट किया गया था। इस भेंट के दौरान उत्तर प्रदेश सरकार के वरिष्ठ प्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी भी उपस्थित रहे।

यह मुलाकात न केवल आध्यात्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण रही, बल्कि इसने भारतीय संस्कृति में सत्ता और संत के बीच के गहरे जुड़ाव को भी रेखांकित किया।

चीन ने जापान से गलत रास्ते पर आगे बढ़ने से बचने का किया आग्रह

बीजिंग, 20 मार्च (एजेंसियाँ/शिन्हुआ)। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि चीन ने जापान से अपने गलतियों पर विचार करने और उन्हें सुधारने, अपना रुख बदलने और गलत रास्ते पर आगे बढ़ने से बचने का आह्वान करता है।

चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने गुरुवार को दैनिक प्रेस ब्रीफिंग में अमेरिकी खुफिया एजेंसियों द्वारा जारी एक रिपोर्ट के बारे में पूछे गए एक सवाल के जवाब में ये टिप्पणियां कीं। रिपोर्ट के अनुसार, ताइवान पर जापान के पहले के रुख में काफी बदलाव आया है। हालांकि, जापानी सरकार ने कहा कि अस्तित्व खतरा को निर्धारित करने के उसके तरीके में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है।

श्री लिन ने कहा कि जापानी प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची के ताइवान पर गलत बयान ने चीन के अंतरिक मामलों में खुलेआम हस्तक्षेप किया है, ताइवान मुद्दे में सशस्त्र हस्तक्षेप करने की जापान की महत्वाकांक्षा को उजागर किया है और चीन के खिलाफ बल के उपयोग की धमकी दी है। उन्होंने कहा कि चीन ने इस संदर्भ में बार-बार अपनी गंभीर स्थिति व्यक्त की है।

प्रवक्ता ने कहा कि रिपोर्ट से संकेत मिलता है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय सुश्री ताकाइची की टिप्पणियों की दुर्भावनापूर्ण प्रकृति एवं प्रभाव के बारे में तेजी से जागरूक हो रहा है और जापान की सक्रिय उकसावे वाली कार्रवाइयों को उजागर करने वाले खतरनाक कदमों के प्रति सतर्क बना हुआ है।

उन्होंने कहा कि जापान के लिए केवल यह दावा करके खुद को सही ठहराना और अपने एशियाई पड़ोसियों एवं अंतरराष्ट्रीय समुदाय का विश्वास जीतना मुश्किल है कि उसकी स्थिति में कोई बदलाव नहीं आया है।

श्री लिन ने कहा, चीन जापान से आग्रह करता है कि वह अपनी गलतियों पर विचार करे और उन्हें सुधारे, अपना रुख बदले और चीन एवं जापान के बीच हुए चार राजनीतिक दस्तावेजों को लागू करने के लिए ठोस कदम उठाए, अपनी प्रतिबद्धताओं पर कायम रहे, जापानी संविधान में निहित शांतिवादी प्रावधानों का पालन करे और गलत रास्ते पर और आगे न बढ़े।

सुप्रीम कोर्ट को दी गई जानकारी

एनसीईआरटी के विवादित अध्याय की समीक्षा के लिए गठित होगा विशेषज्ञ पैनल

नयी दिल्ली, 20 मार्च (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने उच्चतम न्यायालय को शुक्रवार को सूचित किया कि राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) की कक्षा आठ की एक पुस्तक में न्यायिक भ्रष्टाचार पर लिखे गए विवादित अध्याय की समीक्षा के लिए एक विशेषज्ञ समिति का गठन किया जायेगा।

समिति के प्रस्तावित सदस्यों में वरिष्ठ अधिवक्ता और पूर्व अटॉर्नी जनरल के.के. वेणुगोपाल, उच्चतम न्यायालय की पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति इंदु मल्होत्रा और राष्ट्रीय न्यायिक अकादमी के निदेशक एवं उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति अनिरुद्ध बोस शामिल हैं। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जायमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल पंचोली की पीठ को एक अन्य याचिका की सुनवाई के दौरान यह जानकारी दी।

यह विवाद पिछले महीने तब शुरू हुआ जब एनसीईआरटी की प्रस्तावित कक्षा आठ की सामाजिक विज्ञान की पुस्तक में न्यायिक भ्रष्टाचार पर एक अध्याय शामिल किया गया था। इस पर स्वत: संज्ञान लेते हुए उच्चतम न्यायालय ने पुस्तक पर प्रतिबंध लगाने का आदेश दिया, जिसके बाद एनसीईआरटी ने सार्वजनिक माफी मांगी और अध्याय वापस ले लिया।

न्यायालय ने तब चिंता व्यक्त की जब उसे पता चला कि एनसीईआरटी आगामी शैक्षणिक सत्र में इस अध्याय का संशोधित संस्करण फिर से पेश करने का इरादा रखती है। तब उसने निर्देश दिया कि किसी भी पुनर्गठित सामग्री की समीक्षा पहले केंद्र सरकार द्वारा गठित विशेषज्ञ समिति द्वारा की जानी चाहिए।

न्यायालय ने यह भी स्पष्ट किया कि समिति में एक पूर्व वरिष्ठ न्यायाधीश, एक प्रतिष्ठित शिक्षाविद और एक प्रसिद्ध कानूनी विशेषज्ञ शामिल होने चाहिए। इसके अलावा, न्यायालय ने मूल अध्याय लिखने वाले तीन शिक्षाविदों को सार्वजनिक संस्थानों की भविष्य के शैक्षणिक परियोजनाओं में भाग लेने से रोक दिया है।

मैं अपनी शर्तों पर जीती हूं, सिंगल रहना मेरी पसंद : दिव्या दत्ता

अभिनेत्री दिव्या दत्ता पर्दे पर जितने दमदार तरीके से हर एक किरदार को पेश करती हैं, वास्तविक जिंदगी में भी अपनी बेबाकी और सच्चाई से भरी बातों के लिए जानी जाती हैं। इसी कड़ी में दिव्या समाज की पुरानी और पितृसत्तात्मक सोच पर खुलकर बात करती नजर आईं। आईएएनएस से खास बातचीत में दिव्या ने सिंगल रहने, शादी और मातृत्व को लेकर समाज की अपेक्षाओं पर खुलकर अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि किसी भी इंसान की जिंदगी को एक ही तराजू में नहीं तोला जा सकता और हर किसी की कहानी अलग-अलग होती है। दिव्या से जब पूछा गया कि आज के समय में सिंगल रहना कितना मुश्किल है और क्या समाज अब भी मानता है कि कोई महिला शादी या बच्चे होने से ही 'पूरी' होती है, तो उन्होंने अपनी राय रखते हुए बताया, चाहे मेरे पास पार्टनर हो या मैं सिंगल हूं, मैं अपनी जिंदगी का मजा लेती हूं और यही सबसे ज्यादा मायने रखता है। मुझे लगता है कि हर इंसान की कहानी अलग होती है। यह आम राय बनाना कि पार्टनर होना अच्छा है या सिंगल रहना अच्छा है, यह किसी के लिए भी सही नहीं। जो आपके लिए सही काम करता है, वही सबसे बढ़िया है। मेरे लिए यह सही है और मैं इससे खुश हूं।

उन्होंने आगे कहा, मेरा स्पष्ट मानना है कि लोगों को दूसरों की जिंदगी के फैसलों पर राय नहीं बनानी चाहिए। अगर किसी को अच्छा पार्टनर मिल गया, तो उनके लिए सही है। अगर नहीं मिला, तो उन्हें जो सही लगे, वही करना चाहिए। आप किसी की जिंदगी को एक ही तराजू में नहीं तोल सकते। मेरी जिंदगी ऐसी ही रही है और मैं इसका मजा लेती हूं। इसलिए जो भी फैसले मैंने लिए, उन पर मुझे गर्व है।

समाज में आज भी मौजूद पितृसत्तात्मक सोच पर बात करते हुए दिव्या ने कहा, तरक्की के बावजूद ये पुरानी सोच बनी हुई है। शिक्षा का इससे कोई लेना-देना नहीं, यह बस एक सोच है। हर इंसान का सफर अलग होता है और उसका सम्मान किया जाना चाहिए, न कि तुलना।

धुरंधर 2 के क्रेज के बीच दिल्ली पुलिस का अनोखा संदेश

फिल्म के सीन से दी नशे को ना कहने की सीख

आज के समय में फिल्मों का प्रभाव सिर्फ मनोरंजन तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि वे समाज को जागरूक करने का एक मजबूत माध्यम भी बन चुकी हैं। बड़े पर्दे पर दिखाए गए किरदार, डायलॉग और सीन अक्सर लोगों के दिलो-दिमाग पर गहरी छाप छोड़ते हैं। यही वजह है कि कई सरकारी संस्थाएं और एजेंसियां भी फिल्मों के लोकप्रिय कंटेंट का इस्तेमाल सामाजिक संदेश देने के लिए करने लगी हैं। इसी कड़ी में दिल्ली पुलिस ने एक खास पहल करते हुए फिल्म 'धुरंधर' के एक सीन का इस्तेमाल लोगों को नशे से दूर रहने का संदेश देने के लिए किया। दरअसल, रणवीर सिंह की फिल्म 'धुरंधर' के सीक्वल 'धुरंधर-द रिवेंज' का क्रेज इस समय लोगों के सिर चढ़कर बोल रहा है। इसी लोकप्रियता का फायदा उठाते हुए पुलिस ने जागरूकता फैलाने का एक नया तरीका अपनाया है।

दिल्ली पुलिस ने इंस्टाग्राम पोस्ट में फिल्म का एक छोटा सा वीडियो क्लिप दिखाया है। इस सीन में रणवीर सिंह एक डायरी खोलते नजर आते हैं और उसमें एक खास केमिकल लगाते हैं। जैसे ही वह केमिकल पेज पर लगाया जाता है, उस पर छिपा हुआ मैसेज धीरे-धीरे उभरकर सामने आता है। यह सीन फिल्म में जासूसी और रहस्य से जुड़ा है, जहां छिपी हुई जानकारी को बाहर लाने का तरीका दिखाया गया है।

दिल्ली पुलिस ने इसी सीन को क्रिएटिव तरीके से एडिट किया और उसमें दिखने वाले मैसेज को बदलकर एक सामाजिक संदेश दे दिया। वीडियो में उभरते मैसेज की जगह 'से नो टू ड्रग्स', यानी 'नशे को न कहें', लिखा गया है। इस छोटे से बदलाव के जरिए पुलिस ने एक बड़ा संदेश लोगों तक पहुंचाने की कोशिश की।

इस पोस्ट के साथ दिल्ली पुलिस ने कैप्शन में लिखा, ''असली धुरंधर वही है जो 'नशे को ना, जिंदगी को हां' कहे।''

दिल्ली पुलिस की यह पहल सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है और लोग इसकी सराहना भी कर रहे हैं।

रेडियो पर बैन तो दूरदर्शन ने हटा दिया था गाना...

1971 में आई देवानंद के इस फिल्म के गाने पर जमकर बरपा था हंगामा

आजकल फिल्म इंडस्ट्री में अश्लील बोल और बोल्ड इशारों वाले गाने सुर्खियों में छाए रहते हैं। बादशाह का 'टटीरी' और नोरा फतेही-संजय दत्त का 'सरके चुनर' जैसे ट्रैक्स विवादों में घिरे, सोशल मीडिया पर आलोचना हुई और कई प्लेटफॉर्म्स से हटाए गए और पूर्ण रूप से बैन कर दिए गए लेकिन यह कोई नई बात नहीं है। हिंदी सिनेमा के इतिहास में भी ऐसे गाने आए हैं, जिन पर भारी हंगामा हुआ और प्रतिबंध लगा। सबसे चर्चित उदाहरण है 1971 की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'हरे रामा हरे कृष्णा' का आइकॉनिक गाना। जी हां! हम देवानंद और जीनत अमान पर फिल्माए गए 'दम मारो दम' गाने की बात कर रहे हैं। देव आनंद, जीनत अमान और मुमताज अभिनीत इस फिल्म में आशा भोसले की आवाज में 'दम मारो दम' गाना रिलीज होते ही विवादों में घिर गया। आरडी बर्मन का संगीत और आनंद बख्शी के बोल थे। गाने में जीनत अमान को हिप्पी स्टाइल में चिलम फूंकते हुए दिखाया गया था, जो नशे के कल्चर को एक तरह से ग्लैमराइज करने का तरीका था और इस पर गंभीर आरोप भी लगा। कई लोगों ने इसे भारतीय संस्कृति के खिलाफ और युवाओं में नशे को बढ़ावा देने वाला बताया। फिल्म 'हरे रामा हरे कृष्णा' की कहानी का मुख्य उद्देश्य उस समय देश में फैल रहे हिप्पी कल्चर और नशे (ड्रग्स) की बुरी आदत पर कटाक्ष करना था। कहानी में दिखाया भी गया है कि देव आनंद (प्रशांत) अपनी बहन को ढूंढते हुए काठमांडू पहुंचते हैं। वहां उनकी बहन जीनत अमान पूरी तरह हिप्पी लाइफस्टाइल में डूब चुकी होती है। वह दिन-रात चिलम-गांजा फूंकती है और नशे में बहकती है। वह अपने परिवार व असली पहचान तक भूल चुकी है। थीम सही होने के बावजूद गाने की वजह से विवादों का सामना करना पड़ा।

जानकारी के अनुसार, गाने को लेकर विवाद इतना बढ़ गया कि ऑल इंडिया रेडियो ने गाने पर प्रतिबंध तक लगा दिया। यही नहीं दूरदर्शन ने फिल्म के टीवी प्रसारण के दौरान इस गाने तक को काट दिया। जब फिल्म टीवी पर आई तो 'दम मारो दम' को पूरी तरह हटा दिया गया था।

गजब की बात यह है कि आशा भोसले को इस गाने के लिए बेस्ट प्लेबैक सिंगर फीमेल का अवॉर्ड भी मिला था। देवानंद ने फिल्म में इसे एंटी-ड्रग मैसेज के तौर पर रखा था लेकिन गाने की कैची धुन और बोल्ड विजुअल्स ने इसे अलग ही पहचान दे दी।

थ्रिलर जैसे जॉनर में काम करना आसान नहीं होता : स्नेहलता वसईकर

गुडी पड़वा का त्योहार महाराष्ट्र में धूमधाम से मनाया जाता है। यह त्योहार नए साल के स्वागत का प्रतीक है और नई उम्मीदें लेकर आता है। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक, हर कोई इस दिन की खुशियों का हिस्सा बनता है। इस कड़ी में अभिनेत्री स्नेहलता वसईकर ने बातचीत में गुड़ी पड़वा के महत्व और अपने निजी अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि यह त्योहार उनके दिल के बहुत करीब है। बचपन में सुबह जल्दी उठकर गुड़ी लगाने की परंपरा, पारिवारिक मिलन और त्योहार की तैयारियां उनकी सबसे प्यारी यादें हैं। स्नेहलता ने कहा, ''गुड़ी पड़वा मुझे नए साल की नई उम्मीदें देता है। इस साल मेरे लिए गुड़ी पड़वा और भी खास है, क्योंकि यह पेशेवर रूप से मेरे लिए एक नया चरण लेकर आया है। मैं जल्द ही थ्रिलर शो 'वशीकरणम' में मुख्य किरदार सुमन के रूप में नजर आने वाली हूं। यह किरदार मेरे लिए चुनौतीपूर्ण और रोमांचक दोनों है।'' स्नेहलता ने कहा, ''गुड़ी पड़वा की तरह हर नई शुरुआत जीवन में सकारात्मक बदलाव और नए अवसर लेकर आती है। इस उत्सव का संदेश सिर्फ खुशियों का नहीं, बल्कि आशा और नए अनुभवों को अपनाने का भी है। यही सोच मैं अपने पेशेवर जीवन में भी लागू कर रही हूं। 'वशीकरणम' मेरे लिए सिर्फ एक नया शो नहीं है, बल्कि एक नए दौर की शुरुआत है, जिसे मैं उत्साह और समर्पण के साथ निभा रही हूं।''

स्नेहलता ने आगे कहा, ''थ्रिलर जैसे जॉनर में काम करना आसान नहीं होता। इस तरह के शो में अभिनय करते समय भावनाओं और एक्सप्रेशन पर मजबूत पकड़ होना बेहद जरूरी है। हर सीन को खास बनाने के लिए अभिनेता को पूरी तरह उस पल में डूबना पड़ता है। इस तरह के अनुभव से अभिनय में गहराई आती है और दर्शकों के लिए किरदार ज्यादा विश्वसनीय बनता है।'' स्नेहलता वसईकर मराठी फिल्म और टीवी इंडस्ट्री में लंबे समय से एक जाना-माना नाम हैं। उन्होंने कई क्षेत्रीय फिल्मों और शो में काम किया है और अपने अभिनय की वजह से दर्शकों के बीच खास पहचान बनाई है। उनके लिए 'वशीकरणम' शो टीवी में डेब्यू प्रोजेक्ट है।

जब वर्दी में बॉलीवुड अभिनेत्रियों ने पर्दे पर शक्ति को दी नई परिभाषा

अधिकार, अनुशासन और जिम्मेदारी का प्रतीक रही वर्दी पर्दे पर हमेशा से दर्शकों को आकर्षित करती रही है, लेकिन जब इसे अभिनेत्रियां धारण करती हैं, तब उनकी गहराई, संवेदनशीलता और वास्तविकता इसे और ख़ास बना देती है। उनका ये प्रदर्शन सिर्फ बाहरी ताकत नहीं, बल्कि अंदरूनी मजबूती और मानवीय पहलुओं को भी सामने लाती हैं। तो आइए एक नजर डालते हैं उन अभिनेत्रियों पर, जिन्होंने वर्दी सिर्फ पहनी नहीं, बल्कि उसे पूरी तरह जिया है। रानी मुखर्जी – 'मर्दानी' 'मर्दानी' में रानी मुखर्जी ने शिवानी शिवाजी रॉय के रूप में एक निडर, दृढ़ और तेज-तर्रार अधिकारी का किरदार निभाया है। उनका आत्मविश्वास और सख्त नैतिकता इस किरदार को बेहद प्रभावशाली बनाती है। वह हर हाल में सही के लिए खड़ी रहती हैं, जो उन्हें और ख़ास और यादगार बनाता है।

शेफाली शाह – 'दिल्ली क्राइम'

'दिल्ली क्राइम' में शेफाली शाह ने वर्तिका चतुर्वेदी के रूप में बेहद संतुलित और वास्तविक अभिनय किया है। वह दिखाती हैं कि सच्चा नेतृत्व शोर में नहीं, बल्कि शांत और समझदारी भरे फैसलों में होता है। उनकी परफॉर्मेंस बेहद भरोसेमंद और प्रभावी लगती है।

यामी गौतम – 'दसवीं'

यामी गौतम ने जेल सुपरिंटेंडेंट ज्योति देसवाल के किरदार में एक शांत लेकिन सख्त अधिकारी को दर्शाया है। उनका नियंत्रित व्यवहार और संयमित संवाद यह साबित करता है कि ताकत हमेशा जोर से बोलने में नहीं होती।

मोना सिंह – 'कोहरा'

मोना सिंह का किरदार अपने संयम और सूक्ष्म अभिनय के लिए खास है। वह तनावपूर्ण परिस्थितियों में भी सहज रहती हैं और अपने हाव-भाव से बहुत कुछ कह जाती हैं। उनका प्रदर्शन दिखाता है कि असली ताकत अक्सर खामोशी में छिपी होती है।

कुब्रा सैत – 'संकल्प'

कुब्रा सैत ने डीसीपी परवीन शेख के किरदार में अपने बॉडी लैंग्वेज और स्थिरता के जरिए गहरी छाप छोड़ी है। उनका शांत और सतर्क व्यक्तित्व यह दर्शाता है कि वर्दी उनके लिए सिर्फ एक पोशाक नहीं, बल्कि उनकी पहचान का हिस्सा है।

सोनाक्षी सिन्हा – 'दहाड़'

'दहाड़' में सोनाक्षी सिन्हा यानी सब-इंस्पेक्टर अंजलि भाटी एक शांत, आत्मविश्वासी और समझदार अधिकारी हैं। छोटे शहर के माहौल में उनका अभिनय बेहद वास्तविक और जुड़ाव भरा लगता है।

भूमि पेडनेकर – 'दलदल'

भूमि पेडनेकर का किरदार एक सख्त, संघर्षशील और जमीनी पुलिस अधिकारी का है। वह लगातार दबाव में रहते हुए भी अपने कर्तव्यों से पीछे नहीं हटतीं। उनका अभिनय कच्चा, सच्चा और बेहद प्रभावशाली है। ऐसे में इन सभी प्रदर्शनों को खास बनाती है वर्दी के साथ उसमें छिपी इंसानियत। इन अभिनेत्रियों ने अपने किरदारों में गहराई, जटिलता और वास्तविकता जोड़कर यह साबित किया है कि असली ताकत केवल अधिकार में नहीं, बल्कि संवेदनशीलता और संतुलन में भी होती है।

बदला हो तो धुरंधर जैसा हो वरना न हो, सेकंड पार्ट देखकर आदित्य धर की दीवानी हुईं प्रीति जिंटा

रणवीर सिंह और संजय दत्त स्टारर फिल्म 'धुरंधर: द रिवेंज' 19 मार्च, यानि आज सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। फिल्म के प्री-प्रीव्यू के बाद सोशल मीडिया पर फिल्म से जुड़ी कई वीडियो वायरल हो रहे हैं, जिसमें 'नोटबंदी' से लेकर बड़े साहब (दाऊद इब्राहिम) तक को दिखाया गया है। फिल्म देखकर आईं एक्ट्रेस प्रीति जिंटा धुरंधर के हर किरदार की कायल हो चुकी हैं। उन्होंने फिल्म को 'धुरंधर' से ज्यादा शानदार बताया है। प्रीति जिंटा अपने दोस्त और 'धुरंधर: द रिवेंज' के मेजर इकबाल (अर्जुन रामपाल) के साथ फिल्म देखने पहुंचीं। अभिनेत्री के मुताबिक फिल्म में जिस तरीके से रणबीर सिंह ने बदला लिया है, वो वाकई ही बड़ा बदला है। उन्होंने फिल्म के हर एक किरदार की तारीफ की और रणवीर सिंह को फिल्म की जान बताया।

उन्होंने इंस्टाग्राम पर लिखा, मैंने कल रात धुरंधर 2 देखी और बस इतना ही कहना चाहती हूं कि बदला हो तो धुरंधर जैसा हो वरना न हो। निर्देशन, अभिनय, संगीत, संपादन, कहानी, कास्टिंग और हर विभाग जबरदस्त है। फिल्म देखने के बाद मम्मी ने सबसे पहले यही कहा कि वो इसे अपने दोस्तों के साथ थिएटर में दोबारा देखना चाहती हैं और मुझे भी बिल्कुल ऐसा ही लगता है।

प्रीति ने दर्शकों को इतनी अच्छी फिल्म देने के लिए आदित्य धर को दिल से धन्यवाद दिया। उनका कहना है कि दर्शकों

के अनुभव को मनमोहक बनाने का काम बहुत अच्छे से किया गया है, जबकि रणवीर सिंह को लेकर उन्होंने लिखा, आपने मेरा दिल जीत लिया। क्या शानदार प्रदर्शन था? क्या रेंज, क्या गहराई, क्या ईमानदारी। हर चीज को बारीकी से पर्दे पर पूरी गहराई के साथ उतारा गया है।

प्रीति ने आर. माधवन, सार और अर्जुन रामपाल की भी तारीफ की और सभी से फिल्म को देखने की गुजारिश की। एक्ट्रेस के मुताबिक फिल्म के हर हिस्से में इमोशन, साजिश और हिम्मत तीनों एक साथ देखने को मिलती हैं।

फिल्म के प्रेड-प्रीव्यू के बाद सोशल मीडिया पर फिल्म से जुड़े क्लिप्स वायरल हो रहे हैं। फिल्म के डायरेक्टर ने खुद फैंस से अपील की थी कि वे बाकी दर्शकों की एक्साइटमेंट को खराब न करें। सोशल मीडिया पर रणवीर सिंह के 'ल्यारी किंग' बनने का वीडियो भी वायरल हो रहा है।

आज अखण्ड सौभाग्य के लिए सुहागिन महिलाएं रखेंगी गणगौर का व्रत

गणगौर का पर्व राजस्थान और भारत की भूमि के लिए बड़ा ही पवित्र और सुखद त्यौहार माना जाता है। इस पर्व को भारत में अलग-अलग जगहों पर अलग-अलग नामों से भी जाना जाता है। यह पर्व मां पार्वती को समर्पित है और इस पर्व में उन्हीं की पूजा की जाती है। खास तौर से राजस्थान में गणगौर का बेहद ही महत्व है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि गणगौर का पर्व हर वर्ष चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को मनाया जाता है। इस बार यह तिथि 21 मार्च 2026 को है। गणगौर की पूजा चैत्र नवरात्रि के तीसरे दिन की जाती है। इस दौरान सुहागन और कुंवारी कन्याएं माता पार्वती और शिवजी की पूजा करती हैं और पति की लंबी उम्र के लिए कामना करती हैं। इस पर्व की खास रौनक राजस्थान में देखने को मिलती है। राजस्थान के अलावा उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा और गुजरात के कुछ इलाकों में भी यह पर्व मनाया जाता है। ये पर्व करवा चौथ जैसे ही मान्यता रखता है। इसके अनुसार कुंवारी कन्याएं और महिलाएं अच्छा पति पाने और पति के साथ सुखद जीवन व्यतीत करने के लिए इस व्रत का अनुसरण करती है। माना जाता है कि ऐसा करने से पति-पत्नी के बीच भगवान शिव और मां पार्वती जैसा ही सुखद दाम्पत्य संबंध बनता है।

21 मार्च को गणगौर पर्व मनेगा। ये त्योहार चैत्र महीने के शुक्ल पक्ष की तृतीया को मनाया जाता है। गणगौर पूजा चैत्र मास के कृष्ण पक्ष की तृतीया तिथि से आरम्भ की जाती है। इसमें कन्याएं और शादीशुदा महिलाएं मिट्टी के शिवजी यानी गण और माता पार्वती यानी की गौर बनाकर पूजन करती हैं। गणगौर के समाप्ति पर त्योहार धूम धाम से मनाया जाता है और झांकियां भी निकलती हैं। सोलह दिन तक महिलाएं सुबह जल्दी उठकर बगीचे में जाती हैं, दूब और फूल चुन कर लाती हैं। दूब लेकर घर आती है उस दूब से मिट्टी की बनी हुई गणगौर माता दूध के छीटें देती हैं। वे चैत्र शुक्ल द्वितीया के दिन किसी नदी, तालाब या सरोवर पर जाकर अपनी पूजी हुई गणगौरों को पानी पिलाती हैं। दूसरे दिन शाम को उनका विसर्जन कर देती हैं। जहां पूजा की जाती है उस जगह को गणगौर का पीहर और जहां विसर्जन होता है उस जगह को ससुराल माना जाता है।

गणगौर पूजा की कई रस्में होती हैं जिनमें से एक है सिंज-ारा। इस दिन महिलाएं अपने हाथों में मेहंदी लगाती हैं साथ ही अपनी पूजी हुई गणगौरों को किसी नदी, तालाब या सरोवर में जाकर पानी भी पिलाती हैं। इसके बाद दूसरे दिन शाम में

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

उनका विसर्जन किया जाता है। चैत्र कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा तिथि से शुरू हुए गणगौर पर्व का समापन चैत्र शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को होता है।

17 दिन तक मनाया जाता है यह पर्व

राजस्थान में गणगौर का त्योहार फाल्गुन माह की पूर्णिमा (होली) के दिन से शुरू होता है, जो अगले 17 दिनों तक चलता है। 17 दिनों में हर रोज भगवान शिव और माता पार्वती की मूर्ति बनाई जाती है और पूजा व गीत गाए जाते हैं। इसके बाद चैत्र नवरात्रि के तीसरे दिन महिलाएं सोलह श्रृंगार करके व्रत और पूजा करती हैं और शाम के समय गणगौर की कथा सुनते हैं। मान्यता है कि बड़ी गणगौर के दिन जितने गहने यानी गुने माता पार्वती को अर्पित किए जाते हैं, उतना ही घर में धन-वैभव बढ़ता है। पूजा के बाद महिलाएं ये गुने सास, ननद, देवरानी या जेठानी को दे देते हैं। गुने को पहले गहना कहा जाता था लेकिन अब इसका अपभ्रंश नाम गुना हो गया है।

उदया तिथि को मानते हुए गणगौर का पर्व 21 मार्च 2026 को मनाया जाएगा और इसी दिन चैत्र नवरात्रि का तीसरा दिन है।

पूजा का शुभ मुहूर्त

ब्रह्म मुहूर्त- सुबह 04:49 मिनट से सुबह 05:36 मिनट तक

अभिजित मुहूर्त- दोपहर 12:04 मिनट से दोपहर 12:52 मिनट तक

अविवाहित कन्या करती हैं अच्छे वर की कामना

गणगौर एक ऐसा पर्व है जिसे, हर महिला करती है। इसमें कुवारी कन्या से लेकर, शादीशुदा तक सब भगवान शिव और देवी पार्वती की पूजा करती हैं। ऐसी मान्यता है कि शादी के बाद पहला गणगौर पूजन मायके में किया जाता है। इस पूजन का महत्व अविवाहि त कन्या के लिए, अच्छे वर की कामना को लेकर रहता है जबकि, शादीशुदा महिला अपने पति की लंबी उम्र के लिए ये व्रत करती है। इसमें अविवाहित कन्या पूरी तरह से तैयार होकर और शादीशुदा सोलह श्रृंगार करके पूरे सोलह दिन विधि-विधान से पूजन करती हैं।

देवी पार्वती की विशेष पूजा

गणगौर पर देवी पार्वती की भी विशेष पूजा करने का विधान है। तीज यानी तृतीया तिथि की स्वामी गौरी हैं। इसलिए देवी पार्वती की पूजा सौभाग्य सामग्री से करें। सौलह श्रृंगार चढ़ाएं। देवी पार्वती को कुमकुम, हल्दी और मेंहदी खासतौर से चढ़ानी चाहिए। इसके साथ ही अन्य सुगंधित सामग्री भी चढ़ाएं।

गणगौर पर्व का महत्व

गणगौर शब्द गण और गौर दो शब्दों से मिलकर बना है। जहां 'गण का अर्थ शिव और 'गौर का अर्थ माता पार्वती से है। दरअसल, गणगौर पूजा शिव-पार्वती को समर्पित है। इसलिए इस दिन महिलाओं द्वारा भगवान शिव और माता पार्वती की मिट्टी की मूर्तियां बनाकर उनकी पूजा की जाती है। इसे गौरी तृतीया के नाम से भी जाना जाता है। मान्यता है कि इस व्रत को करने से महिलाओं को अखण्ड सौभाग्य की प्राप्ति होती है। भगवान शिव जैसा पति प्राप्त करने के लिए अविवाहित कन्याएं भी यह व्रत करती हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, माता पार्वती भगवान शिव के साथ सुहागन महिलाओं को अखंड सौभाग्य का आशीर्वाद देने के लिए भ्रमण करती हैं। महिलाएं परिवार में सुख-समृद्धि और सुहाग की रक्षा की कामना करते हुए पूजा करती हैं।

गणगौर पूजने का गीत

गौर-गौर गोमनी, ईसर पूजे पार्वती, पार्वती का आला-गीला,

गौर का सोना का टीका, टीका दे टमका दे रानी, व्रत करियो गौरा दे रानी।

करता-करता आस आयो, वास आयो।

खेरे-खाण्डे लाडू ल्यायो, लाडू ले वीरा न दियो,

वीरो ले मने चूंदड़ दीनी, चूंदड़ ले मने सुहाग दियो।

तीसरे दिन मां चंद्रघंटा की पूजा विधि और मंत्र, जानें सही तरीका

चैत्र नवरात्रि के तीसरे दिन मां दुर्गा के तीसरे स्वरूप मां चंद्रघंटा की पूजा की जाती है। यह दिन विशेष रूप से साहस, शांति और शक्ति की प्राप्ति के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है। धार्मिक मान्यता है कि इस दिन विधि-विधान से पूजा और मंत्र जाप करने से भय, कष्ट और नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है तथा आत्मविश्वास और बुद्धि में वृद्धि होती है।

मां चंद्रघंटा का स्वरूप और महत्व

मां चंद्रघंटा का स्वरूप अत्यंत दिव्य और प्रभावशाली है। उनके मस्तक पर अर्धचंद्र सुशोभित रहता है, जो शांति और संतुलन का प्रतीक है। सिंह पर सवार मां की दस भुजाएं हैं, जिनमें विभिन्न अस्त्र-शस्त्र होते हैं। उनका यह रूप जहां दुष्टों का नाश करता है, वहीं भक्तों को सुरक्षा, साहस और मानसिक शांति प्रदान करता है। नवरात्रि के तीसरे दिन उनकी उपासना करने से जीवन की बाधाएं दूर होती हैं और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

पूजा विधि

नवरात्रि के तीसरे दिन प्रातःकाल स्नान कर स्वच्छ वस्त्र धारण करें। इसके बाद पूजा स्थल को साफ कर लाल या सफेद वस्त्र बिछाएं और मां चंद्रघंटा की प्रतिमा या चित्र स्थापित करें। कलश स्थापना के बाद घी का दीपक जलाएं। मां को लाल या सफेद फूल, चंदन, रोली, अक्षत अर्पित करें और नैवेद्य में खीर, हलवा या फल चढ़ाएं। पूजा के दौरान मन को शांत और एकाग्र रखें, इसके बाद मां की आरती कर प्रसाद वितरित करें।

महामंत्र और बीज मंत्र

मां चंद्रघंटा का महामंत्र इस प्रकार है:
या देवी सर्वभूतेषु माँ चंद्रघंटा रूपेण संस्थिता।
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः।।

बीज मंत्र:

ऐं श्रीं ह्रीं क्लीं चंद्रघंटायै नमः।। या
ऐं श्रीं शक्तये नमः।।
इन मंत्रों का कम से कम 108 बार जाप करना शुभ माना जाता है। नियमित जाप से मन को शांति मिलती है और मां की कृपा प्राप्त होती है।

चंद्रघंटा स्तोत्र का महत्व

चंद्रघंटा स्तोत्र का पाठ करने से भक्तों को विशेष आशीर्वाद मिलता है। यह स्तोत्र मां के दिव्य स्वरूप का वर्णन करता है और साधक के जीवन में सकारात्मकता, साहस और सफलता लाता है। नवरात्रि के दौरान इसका पाठ विशेष फलदायी माना गया है।

उपासना मंत्र

पिण्डजप्रवरारूढा चण्डकोपास्त्रकैर्युता।
प्रसादं तनुते मह्यं चंद्रघंटेति विश्रुता।।
यह मंत्र मां चंद्रघंटा से कृपा और आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए अत्यंत प्रभावी माना जाता है।

पूजा में ध्यान रखने योग्य बातें

पूजा करते समय दिशा का विशेष ध्यान रखें और पूर्व या उत्तर दिशा की ओर मुख करके ही पूजा करें। मां को सफेद या लाल फूल अर्पित करना शुभ होता है। पूजा के दौरान मन में नकारात्मक विचार न लाएं और पूरी श्रद्धा के साथ मंत्र जाप करें। व्रत रखने वाले भक्त सात्विक भोजन या फलाहार करें।

मां चंद्रघंटा की सच्ची भक्ति से जीवन में निर्भीकता, शांति और सफलता का मार्ग प्रशस्त होता है। नवरात्रि के तीसरे दिन विधिपूर्वक पूजा और मंत्र जाप करने से सभी प्रकार की बाधाएं दूर होकर सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है।

नवरात्रि मे सिमटा है जीवन का हर पहलू

भारत में नवरात्रि को पर्व के रूप में मनाया जाता है। सबसे ज्यादा लोकप्रिय शारदीय नवरात्रि है, जोकि वर्तमान समय में पूरे देशभर में धूमधाम से मनाया जाता है। शायद ही किसी को पता हो कि एक वर्ष में 4 नवरात्रि होते हैं। प्रत्येक नवरात्रि के अलग-अलग महत्व होते हैं। देवी पुराण में ऐसा कहा गया है कि साल भर में मुख्य रुप से नवरात्र का त्योहार 2 बार आता है।

नवरात्र शब्द दो शब्दों से मिलकर बना है- नव और रात्र। नव का अर्थ है नौ और रात्र शब्द में पुनः दो शब्द निहित हैं: रा+त्रि। रा का अर्थ है रात और त्रि का अर्थ है जीवन के तीन पहलू- शरीर, मन और आत्मा।

इंसान को तीन तरह की समस्याएं घेर सकती हैं- भौतिक, मानसिक और आध्यात्मिक। इन समस्याओं से जो छुटकारा दिलाती है वह रात्रि है। रात्रि या रात आपको दुख से मुक्ति दिलाकर आपके जीवन में सुख लाती है। इंसान कैसी भी परिस्थिति में हो, रात में सबको आराम मिलता है। रात की गोद में सब अपने सुख-दुख किनारे रखकर सो जाते हैं

साल में दो बार नवरात्र रखने का विधान है। चैत्र मास में शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से नौ दिन अर्थात नवमी तक, ओर इसी प्रकार ठीक छह महीने बाद आश्विन मास, शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से नवमी तक माता की साधना और सिद्धि प्रारम्भ होती है। दोनों नवरात्रों में शारदीय नवरात्रों को ज्यादा महत्व दिया जाता है। नवरात्र के नौ दिनों में यज्ञ और हवन का सिलसिला चलता रहता है। ये यज्ञ संसार में दुख और दर्द के हर तरह के प्रभाव को दूर कर देते हैं। नवरात्रि के हर दिन का अपना महत्व और प्रभाव है और उस दिन के अनुरूप ही यज्ञ और हवन किए जाते हैं। जीवन में हमें बुरे और अच्छे दोनों तरह के गुण प्रभावित करते हैं।

नवरात्र हमें यह सिखाते हैं कि किस तरह इंसान अपने अंदर की मूलभूत अच्छाइयों से नकारात्मकता पर विजय प्राप्त कर सकता है और स्वयम् के अलौकिक स्वरूप से साक्षात्कार कर सकता है। जिस तरह मां के गर्भ में नौ महीने पलने के बाद ही एक जीव का निर्माण होता है ठीक वैसे ही ये नौ दिन हमें अपने मूल रूप, अपनी जड़ों तक वापस ले जाने में अहम भूमिका अदा करते हैं। इन नौ दिनों का ध्यान, सत्संग, शांति और ज्ञान प्राप्ति के लिए उपयोग करना चाहिए।

हिन्दू पंचाग के अनुसार चैत्र यानि मार्च-अप्रैल में मां दुर्गा के पहले नवरात्र पर 9 दिन आराधना जाती है, जिन्हें वासंतीय नवरात्र कहा जाता है। अश्विन मास यानि सितम्बर-अक्टूबर में आने वाले नवरात्र को मुख्य नवरात्र कहा जाता है, जिसे जनमानस शारदीय नवरात्र के नाम से जानता है। शारदीय नवरात्र के बाद से ही देश भर में त्योहारों की धूम मच जाती है। शारदीय नवरात्र के समापन पर ही दशहरे का त्योहार मनाया जाता है जो कि अधर्म पर धर्म की विजय का प्रतीक है। इसके अलावा एक वर्ष के भीतर 2 गुप्त नवरात्रि भी मनाई जाती है जो गृहस्थों के लिए नहीं होती है। यह दोनों नवरात्रि आषाढ़ यानि जून-जुलाई और दूसरा माघ यानि जनवरी-फरवरी में आते हैं।

इस प्रकार से साल में चार नवरात्रि आती हैं। जिसमें जनसामान्य के लिए बासंतिक और शारदीय नवरात्रि ही प्रमुख है। दो गुप्त नवरात्रों में ऋषि मनीषि साधना और आर-ाधना करते हैं। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि हिंदू पंचांग के अनुसार चैत्र मास की शुक्ल पक्ष प्रतिपदा तिथि 19 मार्च को सुबह 6:52 मिनट पर शुरू होगी और तिथि का समापन 20 मार्च की सुबह 4:52 मिनट पर होगा। इसलिए इस वर्ष चैत्र नवरात्रि की शुरुआत 19 मार्च को घटस्थापना के साथ होगी। उदया तिथि के अनुसार इस साल चैत्र नवरात्रि 19 मार्च से शुरू होगी और इसका समापन 27 मार्च को होगा। चैत्र नवरात्रि प्रतिपदा तिथि से ही नया हिंदू वर्ष प्रारंभ हो जाता है। शक्ति स्वरूपा मां दुर्गा की आराधना के लिए नवरात्रा सर्वोत्तम समय माना जाता है। भगवान राम ने नवरात्र में मां भगवती की आराधना से देवी को प्रसन्न कर विजयादशमी के दिन रावण का संहार किया था।

नौ दिन तक चलने वाले पर्व नवरात्रि के तीन-तीन दिन तीन देवियों को समर्पित होते हैं। ये तीन देविया हैं- मां दुर्गा (शौर्य की देवी), मां लक्ष्मी (धन की देवी) और मां सरस्वती (ज्ञान की देवी)। इन नौ दिनों में बाकी सारे क्रियाकलापों से ऊपर समारोह और व्रत को प्राथमिकता दी जाती है। हर शाम को डांडिया और गरबा जैसे धार्मिक नृत्य के जरिए मां दुर्गा की पूजा की जाती है।

नौ रातों का यह उत्सव आश्विन माह के शुक्ल पक्ष की प्रथमा तिथि को आरंभ होता है। इस दौरान नौ ग्रहों की प्रतिष्ठा की जाती है। 8वें और 9वें दिन मां दुर्गा की पूजा के साथ विजयाष्टमी और महानवमी मनाई जाती है। इस दौरान 700 श्लोकों वाली दुर्गा शप्तशती जिसे देवी महात्म्य के नाम से भी जाना जाता है, का पाठ किया जाता है साथ

ही दुर्गा चालीसा और देवी को समर्पित विभिन्न मंत्रों एवं श्लोकों के जरिए उन देवियों की आराधना की जाती है जिन्होंने दुष्टों का संहार किया।

पहले तीन दिनः इस दौरान नवरात्रि के पहले दिन पूजाघर में मिट्टी का एक तख्त बनाया जाता है जिसमें जौं बोए जाते हैं। ये तीन दिन शक्ति और ऊर्जा की देवी मां दुर्गा को समर्पित होते हैं।

दूसरे तीन दिनः इन तीन दिनों में शांति और धन-सौभाग्य की देवी मां लक्ष्मी की पूजा की जाती है।

तीसरे दो दिनः नवरात्र के 7वें और 8वें दिनों में मां सरस्वती की पूजा-अर्चना की जाती है जो ज्ञान और आध्यात्म की प्रतीक हैं। ज्ञान एवम् आध्यात्म सांसारिक मोह-माया से हमारी मुक्ति का मार्ग प्रशस्त करते हैं। आठवें दिन यज्ञ किया जाता है।

महानवमीः इस रंगबिरंगे, ऊर्जा से भरपूर पर्व का समापन महानवमी को होता है। इस दिन कन्या पूजा की जाती है। नौ कुंवारी कन्याओं को भोजन कराया जाता है। इन नौ कन्याओं की पूजा मां के नौ रूप मानकर की जाती है।

आश्विन मास में शुक्लपक्ष कि प्रतिपदा से प्रारम्भ होकर नौ दिन तक चलने वाले नवरात्र शारदीय नवरात्र कहलाते हैं। नव का शाब्दिक अर्थ नौ है और इसे नव अर्थात नया भी कहा जाता है। शारदीय नवरात्रों में दिन छोटे होने लगते है। मौसम में परिवर्तन शुरू हो जाता है। प्रकृति सर्दी की चादर में लिपटने लगती है। ऋतु के परिवर्तन का प्रभाव लोगों को प्रभावित न करे, इसलिए प्राचीन काल से ही इन दिनों में नौ दिनों के उपवास का विधान है।

दरअसल, इस दौरान उपवासक संतुलित और सात्विक भोजन कर अपना ध्यान चिंतन और मनन में लगकर स्वयं को भीतर से शक्तिशाली बनाता है। इससे न वह उत्तम स्वास्थ्य प्राप्त करता है बल्कि वह मौसम के बदलाव को सहने के लिए आंतरिक रूप से खुद को मजूबत भी करता है।नवरात्रों में माता के नौ रुपों की आराधना की जाती है। माता के इन नौ रुपों को हम देवी के विभिन्न रूपों की उपासना, उनके तीर्थो के माध्यम से समझ सकते है।

नवरात्र का वैज्ञानिक आधार

नवरात्रि हिंदुओं के पवित्र त्योहारों में से एक है। इन 9 दिनों में नौ-दुर्गा की पूजा-अर्चना की जाती है। साल में दो बार चैत्र नवरात्रि और शारदीय नवरात्रि के रूप में मां दुर्गा के नौ रूपों की अराधना की जाती है। इस दौरान घर-घर में भजन-कीर्तन आदि का आयोजन होता है। शारदीय नवरात्रि को पूर्वी भारत में दुर्गापूजा और पश्चिमी भारत में डांडिया के रूप में मनाया जाता है।

नवरात्र शब्द से 'नव अहोरात्रों (विशेष रात्रियां) का बोध' होता है। इस समय शक्ति के नव रूपों की उपासना की जाती है क्योंकि 'रात्रि' शब्द सिद्धि का प्रतीक माना जाता है। भारत के प्राचीन ऋषि-मुनियों ने रात्रि को दिन की अपेक्षा अधिक महत्व दिया है। यही कारण है कि दीपावली, होलिका, शिवरात्रि और नवरात्र आदि उत्सवों को रात में ही मनाने की परंपरा है। यदि, रात्रि का कोई विशेष रहस्य न होता तो ऐसे उत्सवों को रात्रि न कह कर दिन ही कहा जाता। जैसे- नवदिन या शिवदिन। लेकिन हम ऐसा नहीं कहते।

नवरात्र के वैज्ञानिक महत्व को समझने से पहले हम नवरात्र को समझ लेते हैं। मनीषियों ने वर्ष में दो बार नवरात्रों का विधान बनाया है- विक्रम संवत के पहले दिन अर्थात चैत्र मास शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा (पहली तिथि) से नौ दिन अर्थात नवमी तक। इसी प्रकार इसके ठीक छह मास पश्चात् आश्विन मास शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से महानवमी अर्थात विजयादशमी के एक दिन पूर्व तक नवरात्र मनाया जाता है। लेकिन, फिर भी सिद्धि और साधना की दृष्टि से शारदीय नवरात्रों को ज्यादा महत्वपूर्ण माना गया है। इन नवरात्रों में लोग

अपनी आध्यात्मिक और मानसिक शक्ति संचय करने के लिए अनेक प्रकार के व्रत, संयम, नियम, यज्ञ, भजन, पूजन, योग-साधना आदि करते हैं। यहां तक कि कुछ साधक इन रात्रियों में पूरी रात पद्मासन या सिद्धासन में बैठकर आंतरिक त्राटक या बीज मंत्रों के जाप द्वारा विशेष सिद्धियां प्राप्त करने का प्रयास करते हैं। नवरात्रों में शक्ति के 51 पीठों पर भक्तों का समुदाय बड़े उत्साह से शक्ति की उपासना के लिए एकत्रित होता है और जो उपासक इन शक्ति पीठों पर नहीं पहुंच पाते वे अपने निवास स्थल पर ही शक्ति का आह्वान करते हैं।

हालांकि आजकल अधिकांश उपासक शक्ति पूजा रात्रि में नहीं बल्कि पुरोहित को दिन में ही बुलाकर संपन्न करा देते हैं। यहां तक कि सामान्य भक्त ही नहीं अपितु, पंडित और साधु-महात्मा भी अब नवरात्रों में पूरी रात जागना नहीं चाहते और ना ही कोई आलस्य को त्यागना चाहता है। आज कल बहुत कम उपासक ही आलस्य को त्याग कर आत्मशक्ति, मानसिक शक्ति और यौगिक शक्ति की प्राप्ति के लिए रात्रि के समय का उपयोग करते देखे जाते हैं।

जबकि मनीषियों ने रात्रि के महत्व को अत्यंत सूक्ष्मता के साथ वैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य में समझने और समझाने का प्रयत्न किया। अब तो यह एक सर्वमान्य वैज्ञानिक तथ्य भी है कि रात्रि में प्रकृति के बहुत सारे अवरोध खत्म हो जाते हैं। हमारे ऋषि-मुनि आज से कितने ही हजारों-लाखों वर्ष पूर्व ही प्रकृति के इन वैज्ञानिक रहस्यों को जान चुके थे। आप अगर ध्यान दें तो पाएंगे कि अगर दिन में आवाज दी जाए, तो वह दूर तक नहीं जाती है, किंतु यदि रात्रि में आवाज दी जाए तो वह बहुत दूर तक जाती है। इसके पीछे दिन के कोलाहल के अलावा एक वैज्ञानिक तथ्य यह भी है कि दिन में सूर्य की किरणें आवाज की तरंगों और रेडियो तरंगों को आगे बढ़ने से रोक देती हैं।

रेडियो इस बात का जीता-जागता उदाहरण है। आपने खुद भी महसूस किया होगा कि कम शक्ति के रेडियो स्टेशनों को दिन में पकड़ना अर्थात सुनना मुश्किल होता है जबकि सूर्यास्त के बाद छोटे से छोटा रेडियो स्टेशन भी आसानी से सुना जा सकता है। इसका वैज्ञानिक सिद्धांत यह है कि सूर्य की किरणें दिन के समय रेडियो तरंगों को जिस प्रकार रोकती हैं ठीक उसी प्रकार मंत्र जाप की विचार तरंगों में भी दिन के समय रुकावट पड़ती है। इसीलिए ऋषि-मुनियों ने रात्रि का महत्व दिन की अपेक्षा बहुत अधिक बताया है। मंदिरों में घंटे और शंख की आवाज के कंपन से दूर-दूर तक वातावरण कीटाणुओं से रहित हो जाता है।

यही रात्रि का तर्कसंगत रहस्य है। जो इस वैज्ञानिक तथ्य को ध्यान में रखते हुए रात्रियों में संकल्प और उच्च अवधारणा के साथ अपनी शक्तिशाली विचार तरंगों को वायुमंडल में भेजते हैं, उनकी कार्यसिद्धि अर्थात मनोकामना सिद्धि, उनके शुभ संकल्प के अनुसार उचित समय और ठीक विधि के अनुसार करने पर अवश्य होती है।

नवरात्र के पीछे का वैज्ञानिक आधार यह है कि पृथ्वी द्वारा सूर्य की परिक्रमा काल में एक साल की चार संधियां हैं जिनमें से मार्च व सितंबर माह में पड़ने वाली गोल संधियों में साल के दो मुख्य नवरात्र पड़ते हैं। इस समय रोगाणु आक्रमण की सर्वाधिक संभावना होती है। ऋतु संधियों में अक्सर शारीरिक बीमारियां बढ़ती हैं। अत: उस समय स्वस्थ रहने के लिए तथा शरीर को शुद्ध रखने के लिए और तन-मन को निर्मल और पूर्णत: स्वस्थ रखने के लिए की जाने वाली प्रक्रिया का नाम 'नवरात्र' है।

नवरात्र में नौ दिन या नौ रात को गिना जाना चाहिए?

अमावस्या की रात से अष्टमी तक या पड़वा से नवमी की दोपहर तक व्रत नियम चलने से नौ रात यानी 'नवरात्र' नाम सार्थक है। चूंकि यहां रात गिनते हैं इसलिए इसे नवरात्र यानि नौ रातों का समूह कहा जाता है। रूपक के द्वारा हमारे शरीर को नौ मुख्य द्वारों वाला कहा गया है और, इसके भीतर निवास करने वाली जीवनी शक्ति का नाम ही दुर्गा देवी है।

इन मुख्य इन्द्रियों में अनुशासन, स्वच्छ्ता, तारतम्य स्थापित करने के प्रतीक रूप में, शरीर तंत्र को पूरे साल के लिए सुचारू रूप से क्रियाशील रखने के लिए नौ द्वारों की शुद्धि का पर्व नौ दिन मनाया जाता है। इनको व्यक्तिगत रूप से महत्व देने के लिए नौ दिन, नौ दुर्गाओं के लिए कहे जाते हैं।

हालांकि शरीर को सुचारू रखने के लिए विरेचन, सफाई या शुद्धि प्रतिदिन तो हम करते ही हैं किन्तु अंग-प्रत्यंगों की पूरी तरह से भीतरी सफाई करने के लिए हर 6 माह के अंतर से सफाई अभियान चलाया जाता है जिसमें सात्विक आहार के व्रत का पालन करने से शरीर की शुद्धि, साफ-सुथरे शरीर में शुद्ध बुद्धि, उत्तम विचारों से ही उत्तम कर्म, कर्मों से सच्चरित्रता और क्रमशः मन शुद्ध होता है, क्योंकि स्वच्छ मन मंदिर में ही तो ईश्वर की शक्ति का स्थायी निवास

शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दे

संपादकीय

युद्ध कैसे समाप्त होगा?

अब यह सवाल इतना मौजू नहीं है कि ईरान युद्ध कितना लंबा चलेगा? कब समाप्त होगा? अब यह बुनियादी सवाल और गहरी चिंता है कि युद्ध कैसे समाप्त होगा? युद्ध के 20 दिन गुजर चुके हैं। अमरीका-इजरायल के हवाई हमलों ने ईरान को 'कब्रिस्तान-सा' बना दिया है। ईरान ने भी इजरायल की राजधानी तेल अवीव को 'खंडहर' में तब्दील कर दिया है। धार्मिक शहर येरुशलम भी छलनी हुआ है। इजरायल की 12,000 से अधिक इमारतें या तो क्षतिग्रस्त हुई हैं अथवा जमींदोज होकर 'मिट्टी-मलबा' हो चुकी हैं। अब लगता है कि ईरान या तो खुद मिट्टी हो जाएगा अथवा इजरायल का अस्तित्व भी मिटा कर रहेगा! दोनों देशों में 'चरम' की स्थिति है। कोई भी रात 'कयामत की रात' साबित हो सकती है। ईरान ने खाड़ी देशों की सम्पन्नता के प्रतीक तेल ठिकानों, क्षेत्रों और रिफाइनरियों को जला कर खाक कर दिया है। उन देशों ने उत्पादन या तो बंद कर दिए हैं अथवा बहुत कम करने पड़े हैं। हवाई अड्डे तबाह, बर्बाद कर दिए गए हैं। पर्यटन को लेकर 60 करोड़ डॉलर प्रतिदिन का नुकसान झेलना पड़ रहा है। खाड़ी देशों की अर्थव्यवस्था 12-15 फीसदी गिर चुकी है। डॉलर बुरी तरह पिट रहा है, नतीजतन अमरीकी अर्थव्यवस्था भी प्रभावित हुई है। अमरीका को अभी तक करीब 17 अरब डॉलर युद्ध पर खर्च करने पड़े हैं, लिहाजा वहां भी असंतोष और आक्रोश है। ईरान लगभग तबाह, ध्वस्त हो चुका है। उसके 56 शीर्ष नेताओं की हत्या की जा चुकी है। उनमें 'सुप्रीम लीडर' खामेनेई और राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के प्रमुख लारिजानी भी शामिल हैं। अब इजरायल ने नए 'सुप्रीम लीडर' मुज्तबा खामेनेई का भी 'डेथ वारंट' जारी कर दिया है। ईरान के राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, मुख्य न्यायाधीश, विदेश मंत्री और संसद के स्पीकर आदि को भी 'टारगेट' तय कर लिया गया है। ईरान की ऐतिहासिक इमारतें, रिहायशी घर और 200 से अधिक अस्पताल 'मिट्टी-मलबा' हो चुके हैं। करीब 1500 लोग मारे जा चुके हैं और 12,000 से अधिक घायल हैं। करीब 32 लाख लोग बेघर हो चुके हैं। यह संयुक्त राष्ट्र रिफ्यूजी एजेंसी की रपट है। विश्व खाद्य कार्यक्रम ने कहा है कि यदि युद्ध जून तक जारी रहा, तो करीब 4.5 करोड़ लोग भुखमरी का सामना करेंगे। तेल-संकट के कारण ऐसा होगा। इनके बावजूद ईरान में पुरानी हुकूमत कायम है, उसके परमाणु कार्यक्रम पहाड़ों के भीतर 400 मीटर की गहराई में बदस्तूर जारी हैं, समुद्र के नीचे ईरान का 'मिसाइल शहर' अब भी जिंदा है और वहां से मिसाइल हमले कर दुश्मन को क्षत-विक्षत किया जा रहा है। ईरान का दावा है कि उसने 200 से अधिक अमरीकी सैनिकों को मारा है, करीब 3000 घायल हैं, करीब 150 मिसाइल लॉन्चर ध्वस्त किए हैं और डिफेंस, रडार सिस्टम विनष्ट किए हैं। अमरीकी सैन्य अहंकार के प्रतीक 'जेराल्ड फोर्ड' और 'लिंकन' जैसे विमानवाहक युद्धपोतों को अमरीका लौटना पड़ा है। राष्ट्रपति ट्रंप के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार रहे जॉन बोल्टन का कहना है कि ट्रंप ईरान युद्ध में बुरी तरह फंस गए हैं। युद्ध उनके लिए 'गले की फांस' बन चुका है। युद्ध से बाहर निकलने का रास्ता दिख नहीं रहा है। विडंबना है कि ट्रंप इजरायल की लड़ाई लडने को बाध्य हैं। ट्रंप के प्रशासनिक ढांचे में ही अंतर्विरोध उभरने लगे हैं। 'राष्ट्रीय आतंकवाद-रोधी विभाग' के निदेशक जो केंट ने यह कहते हुए अपने पद से इस्तीफा दे दिया है कि ईरान से अमरीका को कोई तात्कालिक खतरा नहीं था, लिहाजा यह युद्ध समझ के परे है। नाटो और यूरोपीय देशों ने भी राष्ट्रपति ट्रंप को ठेंगा दिखाते हुए युद्ध में शामिल होने या होर्मुज में जहाज भेजने से इंकार कर दिया है। यह इंकार ट्रंप के अहंकार को खारिज करता है। बहरहाल जिस युद्ध से भारत, जापान, चीन समेत विश्व के 85 देश प्रभावित हो रहे हैं, उस युद्ध का समापन कैसे होगा? यह सवाल सभी के लिए अनुत्तरित है। कई स्तरों पर विश्व नेता आपस में बातचीत कर रहे हैं। अरब-इस्लामी देशों के विदेश मंत्रियों की भी बैठक हुई है, लेकिन ईरान अब भी युद्धविराम को तैयार नहीं है। इजरायल का बहुत पुराना मंसूबा है कि ईरान को खत्म करना है। दुनिया क्या करेगी? भारत का पक्ष यह है कि यह समय युद्ध का नहीं है। हमने हमेशा शांति की वकालत की है। रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर भी भारत ने शांति का पक्ष लिया है।

अमरीका-इजरायल के हवाई हमलों ने ईरान को 'कब्रिस्तान-सा' बना दिया है। ईरान ने भी इजरायल की राजधानी तेल अवीव को 'खंडहर' में तब्दील कर दिया है। धार्मिक शहर येरुशलम भी छलनी हुआ है। इजरायल की 12,000 से अधिक इमारतें या तो क्षतिग्रस्त हुई हैं अथवा जमींदोज होकर 'मिट्टी-मलबा' हो चुकी हैं। अब लगता है कि ईरान या तो खुद मिट्टी हो जाएगा अथवा इजरायल का अस्तित्व भी मिटा कर रहेगा! दोनों देशों में 'चरम' की स्थिति है। कोई भी रात 'कयामत की रात' साबित हो सकती है। ईरान ने खाड़ी देशों की सम्पन्नता के प्रतीक तेल ठिकानों, क्षेत्रों और रिफाइनरियों को जला कर खाक कर दिया है। उन देशों ने उत्पादन या तो बंद कर दिए हैं अथवा बहुत कम करने पड़े हैं। हवाई अड्डे तबाह, बर्बाद कर दिए गए हैं। पर्यटन को लेकर 60 करोड़ डॉलर प्रतिदिन का नुकसान झेलना पड़ रहा है। खाड़ी देशों की अर्थव्यवस्था 12-15 फीसदी गिर चुकी है। डॉलर बुरी तरह पिट रहा है, नतीजतन अमरीकी अर्थव्यवस्था भी प्रभावित हुई है। अमरीका को अभी तक करीब 17 अरब डॉलर युद्ध पर खर्च करने पड़े हैं, लिहाजा वहां भी असंतोष और आक्रोश है। ईरान लगभग तबाह, ध्वस्त हो चुका है। उसके 56 शीर्ष नेताओं की हत्या की जा चुकी है।

अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस पर विशेष

सृष्टि संतुलन के लिये वनों की पुकार सुननी होगी

ललित गर्ग

21 मार्च को प्रतिवर्ष मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस केवल एक प्रतीकात्मक उत्सव नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के सामने खड़ी एक गंभीर चुनौती की ओर संकेत करने वाला अवसर है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा वर्ष 2012 में इस दिवस की घोषणा इस उद्देश्य से की गई थी कि विश्व समुदाय वनों के महत्व को समझे, उनके संरक्षण के लिए संगठित प्रयास करे और प्रकृति के साथ संतुलित सह-अस्तित्व की दिशा में आगे बढ़े। आज जब पृथ्वी अभूतपूर्व पर्यावरणीय संकटों से जूझ रही है, तब इस दिवस की प्रासंगिकता और भी बढ़ जाती है। वर्ष 2026 की थीम "वन और भोजन" यह स्पष्ट करती है कि वन केवल हरित आच्छादन नहीं, बल्कि वैश्विक खाद्य सुरक्षा के मूल स्तंभ हैं।

वर्तमान समय में पर्यावरणीय असंतुलन अपने चरम पर है। जलवायु परिवर्तन के कारण तापमान में वृद्धि, अनियमित वर्षा, सूखा, बाढ़ और प्राकृतिक आपदाओं की बढ़ती आवृत्ति ने मानव जीवन को संकटग्रस्त कर दिया है। इन परिस्थितियों में वन एक ऐसे प्राकृतिक तंत्र के रूप में सामने आते हैं, जो पृथ्वी के संतुलन को बनाए रखने में केंद्रीय भूमिका निभाते हैं। वे कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित कर वैश्विक तापवृद्धि को नियंत्रित करते हैं, जल चक्र को संतुलित रखते हैं और मृदा अपरदन को रोकते हैं। इसके बावजूद, विडंबना यह है कि मानव अपनी तात्कालिक आवश्यकताओं और आर्थिक विकास की अंधी दौड़ में वनों का अंधाधुंध दोहन कर रहा है। यही कारण है कि आज वन महोत्सव जैसे आयोजनों की आवश्यकता केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि एक व्यापक सामाजिक जागरण के रूप में महसूस की जा रही है।

वनों की उपयोगिता का दायरा केवल पर्यावरणीय संतुलन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह आर्थिक और सामाजिक जीवन से भी गहराई से जुड़ा हुआ है। 2026 में प्रस्तावित "वनों और अर्थव्यवस्था" थीम इस तथ्य को रेखांकित करती है कि वन सतत आर्थिक विकास के आधार हैं। लाखों लोगों की आजीविका सीधे तौर पर वनों पर निर्भर है। लघु वनोपज, औषधीय पौधे, रेजिन, गोंद, शहद और बांस जैसे उत्पाद न केवल ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाते हैं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय व्यापार में भी महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। इसके साथ ही, इको-टूरिज्म के माध्यम से भी रोजगार के नए अवसर उत्पन्न हो रहे हैं। इस प्रकार वन एक ऐसे आर्थिक संसाधन के रूप में सामने आते हैं, जो विकास और संरक्षण के बीच संतुलन स्थापित कर सकते हैं। वनों का सामाजिक और सांस्कृतिक महत्व भी कम नहीं है। विशेष रूप से स्वदेशी और आदिवासी समुदायों के लिए वन जीवन का अभिन्न हिस्सा हैं। उनकी परंपराएँ, आस्थाएँ और जीवनशैली वनों से ही संचालित होती हैं। वन उनके लिए केवल संसाधन नहीं, बल्कि अस्तित्व का आधार हैं। इसी कारण, वन संरक्षण केवल पर्यावरणीय मुद्दा नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय और सांस्कृतिक संरक्षण का भी विषय है। वन महोत्सव जैसे आयोजन समाज के विभिन्न वर्गों को एक मंच पर लाकर इस साझा जिम्मेदारी का बोध कराते हैं कि वनों की रक्षा केवल सरकार का दायित्व नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की नैतिक जिम्मेदारी है।

भारत के संदर्भ में वनों का महत्व और भी अधिक व्यापक और बहुआयामी है। यहाँ वन केवल प्राकृतिक संपदा नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और आध्यात्मिक चेतना का प्रतीक हैं। भारतीय परंपरा में वृक्षों को देवतुल्य माना गया है। पीपल, वट और नीम जैसे वृक्ष केवल जैविक इकाइयाँ नहीं, बल्कि जीवनदायी शक्ति के रूप में पूजे जाते हैं। भारत की समृद्ध जैव विविधता वनों पर ही निर्भर है, और इसका संरक्षण देश की पारिस्थितिक सुरक्षा के लिए अनिवार्य है। वन देश की जलवायु को संतुलित रखने, वर्षा चक्र को नियंत्रित करने और कृषि उत्पादन को स्थिर बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। भारत में वनों की उपयोगिता का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि वे ग्रामीण और आदिवासी जीवन की आधारशिला हैं। देश के लाखों लोग अपनी आजीविका के लिए वनों पर निर्भर हैं। भोजन, ईंधन, चारा और औषधीय आवश्यकताओं की पूर्ति वनों के माध्यम से होती है। इसके अतिरिक्त, वन जल संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जिससे नदियों और जल स्रोतों का अस्तित्व बना रहता है। आज जब देश के कई हिस्सों में जल संकट गहराता जा रहा है, तब वन संरक्षण की आवश्यकता और भी अधिक स्पष्ट हो जाती है।

वर्तमान शासनकाल में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वन संरक्षण और हरित विकास को लेकर कई महत्वपूर्ण पहलें की गई हैं। "हरित भारत मिशन" के तहत बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण अभियान चलाए जा रहे हैं, जिनका उद्देश्य देश के वन क्षेत्र को बढ़ाना और पारिस्थितिक संतुलन को बनाए रखना है। "नमामि गंगे" परियोजना के माध्यम से नदियों के किनारे वृक्षारोपण कर जल संरक्षण और प्रदूषण नियंत्रण के प्रयास किए गए हैं। इसके साथ ही, कैम्पा फंड के प्रभावी उपयोग से वन पुनर्स्थापन और संरक्षण कार्यों को गति मिली है। सरकार ने शहरी क्षेत्रों में भी हरित आवरण बढ़ाने के लिए मियावाकी पद्धति को प्रोत्साहित किया है, जिससे छोटे-छोटे स्थानों में घने वन विकसित किए जा रहे हैं। इन पहलों के माध्यम से यह स्पष्ट होता है कि वर्तमान समय में विकास और पर्यावरण संरक्षण को एक साथ लेकर चलने का प्रयास किया जा रहा है। सरकार की नीतियाँ यह दर्शाती हैं कि यदि सही दृष्टिकोण अपनाया जाए, तो आर्थिक विकास और पर्यावरणीय संतुलन के बीच सामंजस्य स्थापित किया जा सकता है। हालांकि, यह भी आवश्यक है कि इन प्रयासों में जनसहभागिता को और अधिक बढ़ाया जाए, क्योंकि वनों की सुरक्षा केवल सरकारी योजनाओं से संभव नहीं, बल्कि समाज के सामूहिक प्रयासों से ही सुनिश्चित की जा सकती है।

अंततः वन महोत्सव और अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस हमें यह संदेश देते हैं कि प्रकृति के साथ संतुलन बनाए रखना ही मानव सभ्यता की स्थिरता का आधार है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम वनों को केवल संसाधन के रूप में न देखें, बल्कि उन्हें अपने जीवन का अभिन्न अंग मानें। जब तक यह दृष्टिकोण विकसित नहीं होगा, तब तक पर्यावरणीय संकटों का समाधान संभव नहीं है। यदि हम सचमुच अपने भविष्य को सुरक्षित रखना चाहते हैं, तो हमें वनों की रक्षा को अपनी प्राथमिकता बनाना होगा। यही वन महोत्सव की वास्तविक सार्थकता है और यही अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस का मूल संदेश भी।

जलवायु परिवर्तन के कारण तापमान में वृद्धि, अनियमित वर्षा, सूखा, बाढ़ और प्राकृतिक आपदाओं की बढ़ती आवृत्ति ने मानव जीवन को संकटग्रस्त कर दिया है। इन परिस्थितियों में वन एक ऐसे प्राकृतिक तंत्र के रूप में सामने आते हैं, जो पृथ्वी के संतुलन को बनाए रखने में केंद्रीय भूमिका निभाते हैं। वे कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित कर वैश्विक तापवृद्धि को नियंत्रित करते हैं, जल चक्र को संतुलित रखते हैं और मृदा अपरदन को रोकते हैं। इसके बावजूद, विडंबना यह है कि मानव अपनी तात्कालिक आवश्यकताओं और आर्थिक विकास की अंधी दौड़ में वनों का अंधाधुंध दोहन कर रहा है।

कुछ अलग

अपना घर, अपनी बात

यदि मैंने एक मकान का, अपने घर का सपना देखा था तो क्या अपराध किया था? हर आदमी जीवन में घर बनाना चाहता है तथा कैसे भी करके अपने इस सपने को पूरा भी करता है। मैंने सपना देखा और आवासन निकाय ने सब्जबाग दिखाकर मुझे लूट लिया। मकान क्या दिया, एक लाइलाज बीमारी दे दी। जो आदमी गीता का ज्ञान तथा निस्सार जीवन की असलियत जानता है, वही जाकर रहेगा आवासन निकाय के दिए मकानों में। मैंने भी 'मृत्यु एक शाश्वत सत्य है, हर आदमी को एक दिन मरना है, इसलिए मृत्यु से भय कैसा', इस मंत्र का जाप करके मकान में रहने का श्रीगणेश किया। प्रसन्नता थी तो इस बात की कि चलो किराये के मकान से पिंड छूटा और अपना मकान है, वरना भीतर कुंठा और ग्लानि से हाल बुरा था। असलियत में किराये का मकान ज्यादा मुनासिब तथा सुविधायुक्त था। परंतु मृत्यु का भय मन से निकालने का प्रयास करते हुए मैं उसमें डट गया था। चाबी मिली तो बच्चों तथा पत्नी की खुशी का ठिकाना नहीं था, परन्तु मेरा दिल बैठ रहा था। मैं असलियत को जानकर भी अनजान बना हुआ था। जिस समय इस आवास बनाम कबूतरखाने को देखने पहुंचे तो जो मंजर देखा, उसे देखकर एक बार तो दिल ही धडक़ उठा। छोटे-छोटे मकानों की हालत इतनी बदतर कि रोना आ गया। गंदगी पाखाने की बदबू से सिर चढ़ गया। किंवाड़ लोग उतार ले गए थे, चाबी को जेब से निकालने की आवश्यकता ही नहीं पड़ी। जगह-जगह गड्ढे, पलस्तर उखड़ा हुआ, घास-फूस उगा हुआ। भद्दा तथा विद्रूप पलस्तर एवं छोटे-से अहाते में मेंढकों के रहने का एक अदद निवास बनाम मुर्गीखाना।

देश दुनिया से

ईद तक टला टकराव मगर तनातनी बरकरार

पाकिस्तान और अफ़ग़ानिस्तान ने बुधवार को ईद-उल-फ़ितर से पहले दुश्मनी में कुछ समय के लिए रोक लगाने का ऐलान किया। इस्लामाबाद और काबुल द्वारा अलग-अलग ऐलान किया गया कि सीज़फ़ायर 18/19 मार्च की आधी रात से 23/24 मार्च की आधी रात तक लागू रहेगा, दोनों पक्षों ने चेतावनी दी है कि किसी भी उल्लंघन पर मिलिट्री ऑपरेशन तुरंत फिर से शुरू हो सकते हैं। पाकिस्तान के सूचना मंत्री अताउल्लाह तरार ने कहा, कि यह फैसला आने वाले इस्लामिक त्योहार को देखते हुए और अच्छी नीयत से लिया गया है। तरार बोले, 'आने वाले इस्लामिक त्योहार ईद-उल- फ़ितर को देखते हुए, 'भाई इस्लामिक देशों' की गुज़ारिश पर 'ऑपरेशन ग़ज़ब-लिल-हक' के बीच कुछ समय के लिए रोक लगाने का फैसला किया है।' पाकिस्तानी सूचना मंत्री ने कहा कि यह रोक 'अच्छी नीयत और इस्लामिक नियमों के हिसाब से' लगाई जा रही है, लेकिन यह साफ किया कि यह समझौता शर्तों पर है। बयान में चेतावनी दी गई, 'पाकिस्तान के अंदर किसी भी क्रॉस-बॉर्डर हमले, ड्रोन हमले या आतंकवादी घटना की स्थिति में, 'ऑपरेशन ग़ज़ब लिल हक' नई तेज़ी के साथ शुरू होगा।' दूसरी तरफ, अफगान तालिबान शासन ने भी 'डिफेंसिव ऑपरेशन (राद-उल ज़ुल्म)' कहे जाने वाले अभियान पर कुछ समय के लिए रोक लगाने की पुष्टि की है। तालिबान सरकार के प्रवक्ता ज़बीहुल्लाह मुजाहिद ने एक्स पर पोस्ट किए गए एक बयान में कहा कि ईद-उल-फितर के मौके पर हम भी ख़ामोश रहेंगे। मुजाहिद ने कहा, 'इस्लामिक अमीरात ऑफ़ अफ़गानिस्तान की सिक्योरिटी और डिफेंस फोर्स, ईद-उल-फितर के मौके पर 'डिफेंसिव ऑपरेशन्स (रद-उल-ज़ुल्म)' को कुछ समय के लिए सस्पेंड करने की घोषणा करती हैं।' उन्होंने सऊदी अरब, तुर्की और कतर की 'अच्छी नीयत और कंस्ट्रक्टिव कोशिशों' की तारीफ़ की, साथ ही दोहराया कि 'किसी भी खतरे की हालत में, इस्लामिक अमीरात मज़बूती से जवाब देगा।' हालांकि दोनों पक्षों ने इसे सशर्त अस्थाई रोक बताया है, फिर भी जानकार सावधानी से देख रहे हैं, कि क्या इस पहल से बड़े पैमाने पर बातचीत का रास्ता बन सकता है? यह कदम पाकिस्तान के काबुल में नए एयरस्ट्राइक शुरू करने के दो दिन बाद आया, जिसमें करीब 400 से अधिक सिविलियन मारे गए हैं। एक प्राइवेट टीवी चैनल को दिए इंटरव्यू में, इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के महानिदेशक, लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने इन आरोपों को खारिज कर दिया, और कहा कि काबुल में हालिया हमले का मुख्य टारगेट एक डिपो था, जिसमें अफगान तालिबान का गोला-बारूद, हथियार और ड्रोन थे। डीजी आईएसपीआर ने कहा कि यह ऑपरेशन अफगान तालिबान द्वारा पाकिस्तानी चेक पोस्ट पर किए गए 53 हमलों के जवाब में किया गया था। उन्होंने आम लोगों के मारे जाने की खबरों को प्रोपेगैंडा बताते हुए उसे खारिज कर दिया, यह दावा करते हुए कि तालिबान लड़ाके अक्सर यूनिफॉर्म नहीं पहनते हैं, और इसके बजाय आम लोगों के कपड़े पहनते हैं, और तालिबान सुसाइड हमलों के लिए ड्रग एडिक्ट्स का भी इस्तेमाल करते हैं। पकिस्तान का झूठ एक्सपोज़ करने के वास्ते अफ़ग़ानिस्तान में यूरोपीय संघ के प्रतिनिधिमंडल की प्रभारी वेरोनिका बोस्कोविक पोहार ने कज़ाकिस्तान के राजदूत और अन्य देशों के प्रतिनिधियों के साथ मिलकर काबुल में उस नशा मुक्ति केंद्र का दौरा किया, जिसे मंगलवार की सुबह पाकिस्तान के सैन्य शासन द्वारा निशाना बनाया गया था। डीजी आईएसपीआर ने आरोप लगाया, कि हाल ही में पाकिस्तान के खिलाफ अफगान तालिबान ने जिन ड्रोन का इस्तेमाल किया, उन्हें भारत सप्लाई कर रहा था। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि पाकिस्तान का अफगान लोगों से कोई झगड़ा नहीं है, जो खुद आतंकवादियों के बंधक हैं। लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने कहा, कि पाकिस्तान आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई लड़ रहा है, और दावा किया कि आतंकवादी गतिविधियों के पीछे भारत का हाथ है। चीन खामोशी से दोनों तरफ के हमले देख रहा है। अफ़ग़ानिस्तान को सैन्य मदद चीन से भी मिली है। वर्ष 2021 में तालिबान के कब्जे के बाद से, चीन ने पूर्वी तुर्किस्तान इस्लामिक मूवमेंट को रोकने के लिए, अफ़ग़ानिस्तान को मिलिट्री ट्रेनिंग और हार्डवेयर प्रदान किए हैं। लेकिन रावलपिंडी की हिम्मत नहीं, कि वह चीन के ख़िलाफ़ चूं भी बोले। त्रालाई मस्जिद हमले का ज़िक्र करते हुए डीजी आईएसपीआर ने कहा कि इसमें बेगुनाह लोग मारे गए। हमलावर अफगानिस्तान से आया था, जहां उसने ट्रेनिंग ली थी। उन्होंने वाना कैडेट कॉलेज पर हुए हमले का भी ज़िक्र किया, और कहा कि मारे गए सभी पांच हमलावर अफगान नागरिक थे। उन्होंने कहा कि पुलिस, आम लोगों, और मस्जिदों पर हमले किए जा रहे हैं। इन आतंकी संगठनों के सरगना अफ़ग़ानिस्तान में हैं। पाकिस्तान ने अपनी नवीनतम सैन्य कार्रवाई को ऑपरेशन ग़ज़ब-लिल-हक नाम दिया। इसका अर्थ 'सत्य के लिए क्रोध' या 'न्याय के लिए रोष' समझा जाता है। पिछले दो दशकों में, पाकिस्तानी सेना द्वारा किए गए अधिकांश अभियानों को धार्मिक नाम दिए गए हैं। धार्मिक एंगल पाकिस्तानी अवाम से राजनीतिक फायदे के वास्ते भी है। 15 जून, 2014 को, अफ़ग़ानिस्तान की सीमा से लगे एक कबायली क्षेत्र, उत्तरी वज़ीरिस्तान में, सेना ने आतंकवादियों के खिलाफ़ ऑपरेशन ज़र्ब-ए-अज़ब शुरू किया था। जिसका सामूहिक अर्थ है 'सत्य की तलवार का प्रहार'। फरवरी 2017 में, पाकिस्तानी सेना ने आतंकवाद को खत्म करने के लिए चारों प्रांतों में राष्ट्रव्यापी तलाशी अभियान चलाया और ऑपरेशन 'रद-उल-फसाद' के तहत कई व्यक्तियों को हिरासत में लिया, जिसका अर्थ है 'अव्यवस्था और आतंकवाद का उन्मूलन'। एकाध बार अंग्रेजी नाम भी पाकिस्तान ने रखे, मसलन, 2019 में भारत-पाकिस्तान तनाव के दौरान, पाकिस्तान ने भारतीय हवाई हमलों के जवाब में ऑपरेशन स्विफ्ट रिटॉर्ट (त्वरित प्रतिक्रिया) की घोषणा की, जिसमें भारतीय पायलट अभिनंदन वर्धमान को पकड़ लिया गया था। पाकिस्तान ने 1990 के दशक की शुरुआत में अफ़ग़ान तालिबान बनाने में मदद की थी। वर्ष 2001 में अफ़ग़ानिस्तान पर अमेरिकी कब्जे के दौरान कई तालिबान लीडर पाकिस्तान में छिपे थे। तब अमेरिकी विदेशमंत्री हिलेरी क्लिंटन ने पाकिस्तानी नेताओं से कहा था, 'आप अपने घर के पीछे सांप नहीं पाल सकते और उम्मीद नहीं कर सकते कि वे सिर्फ़ आपके पड़ोसियों को ही काटेंगे।' भारत ने मंगलवार को अफ़ग़ानिस्तान की राजधानी काबुल में नशा मुक्ति केंद्र पर पाकिस्तान के हवाई हमले की कड़ी आलोचना की। भारत ने इसे 'सैन्य अभियान की आड़ में किया गया नरसंहार' और अफ़ग़ानिस्तान की संप्रभुता पर सीधा हमला करार दिया। पाकिस्तान यदि भारत पर हमले के लिए चीनी हथियार का सहारा ले तो सही। अफ़ग़ानिस्तान, भारत से सैन्य मदद ले, तो ग़लत।

आप का नज़रिया

नैतिकता के आधार पर

नैतिकता के आधार पर सरकारी कार्यसंस्कृति के माप तोल तय हुए हैं, तो ढर्रे में बदलाव की हल्की सी आशा उत्पन्न होती है। हिमाचल सरकार की ओर से सोशल मीडिया एक्टिविटी पर आया निर्देश अति आवश्यक प्रतीत होता है, क्योंकि वीडियो के पीछे सरकारी क्षेत्र का चरित्र बिगड़ रहा था। कुछ चेहरे सरकार के नीति-निर्देशों व परंपराओं से अलग मनोरंजन का वांछित मैटेरियल बन चुके हैं, तो कुछ सोशल मीडिया की कर्कश टिप्पणियों का मुखौटा पहन कर दायित्व से दूर और व्यवस्था को मजबूर कर रहे थे। हालांकि हिमाचल अब सोशल मीडिया के तमाम शरारती अंग पहने व्यवहार कर रहा है और जहां सियासी चेहरे भी कहीं रास्तों से भटक रहे हैं। वास्तव में सोशल मीडिया की आसान से उपलब्धता ने वैचारिक संताप बढ़ा दिया है, जबकि मानव जिज्ञासाओं के फलक पर गुमराह करने की प्रवृत्ति बढ़ रही है। इसी परिप्रेक्ष्य में निर्देश की अनिवार्यता दिखाई देती है। आश्चर्य यह कि सर्विस रूल्स की आचार संहिता से बाहर सरकारी ढांचा किसी भी आदर्श तक सिमटना नहीं चाहता। सोशल मीडिया में हिमाचल और हिमाचल की सरकार का पक्ष सदैव एक नहीं हो सकता। कुछ आलोचनाएं अगर नागरिक समाज की ओर से होती हैं, तो उनका लोकतांत्रिक महत्त्व देखा जाना चाहिए, लेकिन यहां सरकारी कार्य संस्कृति ही बेबाक और बाचाल होने लगी है। इसे कर्मचारी सियासत भी नहीं कहेंगे, क्योंकि कुछ व्यक्तिगत रूप से कार्यसंस्कृति के संदर्भ के विपरीत खड़े होते हैं। वैसे हिमाचल में सरकारी कार्यसंस्कृति के हर संदर्भ में नैतिक शिष्टाचार पढ़ाने की जरूरत है। दफ्तरों की कर्कश टिप्पणियों के सारथी बने कुछ अहम व पब्लिक डीलिंग के पद, हमेशा हताश और निराश करते हैं, तो जनता अपनी फरियाद किसे सुनाए। मोबाइल अगर स्कूल-कालेज की परिधि में अवांछित माना जा रहा है, तो दफ्तरों में इसका इस्तेमाल क्यों न एक सीमा के भीतर रखा जाए। दफ्तरों के माहौल को सुधारने की जरूरत केवल सोशल मीडिया तक नहीं, बल्कि समय सारिणी, जवाबदेही, जन संवाद और पारदर्शिता पर भी निर्भर करती है। कुछ ऐसे अधिकारी भी हैं, जो दफ्तरी घंटों के बाहर समाज के संगठन को मजबूत करते हैं। कई स्कूलों को गोद लेकर मार्गदर्शन कर रहे हैं, तो कई नागरिक समाज की हर अपेक्षा पर खरा उतरने की कोशिश करते हैं। कार्यसंस्कृति में विशेषाधिकार ढूंढने की गर्ज से कुछ लोगों ने सोशल मीडिया को अपनी ढाल बना कर इस्तेमाल किया है, वरना पुलिस जैसे महकमे के लिए यह माध्यम कुछ हद तक वरदान साबित हो सकता है। खैर अभी आरंभिक दौर के युग में इसे हथियार या पुष्पहार बनाएं, इसके लिए आचार संहिता सुनिश्चित करनी होगी। दफ्तरों के माध्यम से हिमाचल के आचार-व्यवहार को सुनिश्चित करने की दिशा में सरकार के निर्देश पहरावे तक आते हैं। स्कूल के अध्यापक किस तरह के व्यक्तित्व का प्रसार करते हैं, इसके लिए जरूरी है कि वेशभूषा पर काम किया जाए। इसी तरह हर दफ्तर और सरकारी काम काज की भाषा में जनाकर्षण पैदा करने के लिए आंतरिक और बाह्य माहौल में कुछ नए आदर्श अपनाने पड़ेंगे। इसी के परिप्रेक्ष्य में आदर्श ड्रेस की व्याख्या और आफिस के ले आउट की समीक्षा भी होनी चाहिए। आधुनिक ठाने टूटे फर्नीचर व गालियों से कहीं अलग सहर्ष-स्वीकार्य माहौल की रूपरेखा में चलने चाहिएं। तत्परता के लक्ष्य में दफ्तरों में एक ताजगी, खूबसूरती, गरिमा और सौहार्द का ठिकाना बनना चाहिए और इसके लिए जरूरी है कि पूरी कार्यसंस्कृति की आत्मा का शुद्धिकरण हो।

हिमाचल सरकार की ओर से सोशल मीडिया एक्टिविटी पर आया निर्देश अति आवश्यक प्रतीत होता है, क्योंकि वीडियो के पीछे सरकारी क्षेत्र का चरित्र बिगड़ रहा था। कुछ चेहरे सरकार के नीति-निर्देशों व परंपराओं से अलग मनोरंजन का वांछित मैटेरियल बन चुके हैं, तो कुछ सोशल मीडिया की कर्कश टिप्पणियों का मुखौटा पहन कर दायित्व से दूर और व्यवस्था को मजबूर कर रहे थे। हालांकि हिमाचल अब सोशल मीडिया के तमाम शरारती अंग पहने व्यवहार कर रहा है और जहां सियासी चेहरे भी कहीं रास्तों से भटक रहे हैं। वास्तव में सोशल मीडिया की आसान से उपलब्धता ने वैचारिक संताप बढ़ा दिया है, जबकि मानव जिज्ञासाओं के फलक पर गुमराह करने की प्रवृत्ति बढ़ रही है। इसी परिप्रेक्ष्य में निर्देश की अनिवार्यता दिखाई देती है। आश्चर्य यह कि सर्विस रूल्स की आचार संहिता से बाहर सरकारी ढांचा किसी भी आदर्श तक सिमटना नहीं चाहता। सोशल मीडिया में हिमाचल और हिमाचल की सरकार का पक्ष सदैव एक नहीं हो सकता। कुछ आलोचनाएं अगर नागरिक समाज की ओर से होती हैं, तो उनका लोकतांत्रिक महत्त्व देखा जाना चाहिए, लेकिन यहां सरकारी कार्य संस्कृति ही बेबाक और बाचाल होने लगी है। इसे कर्मचारी सियासत भी नहीं कहेंगे, क्योंकि कुछ व्यक्तिगत रूप से कार्यसंस्कृति के संदर्भ के विपरीत खड़े होते हैं। वैसे हिमाचल में सरकारी कार्यसंस्कृति के हर संदर्भ में नैतिक शिष्टाचार पढ़ाने की जरूरत है। दफ्तरों की कर्कश टिप्पणियों के सारथी बने कुछ अहम व पब्लिक डीलिंग के पद, हमेशा हताश और निराश करते हैं, तो जनता अपनी फरियाद किसे सुनाए। मोबाइल अगर स्कूल-कालेज की परिधि में अवांछित माना जा रहा है, तो दफ्तरों में इसका इस्तेमाल क्यों न एक सीमा के भीतर रखा जाए।

दृष्टि कोण

जम्मू-कश्मीर का सामाजिक यथार्थ

महाराजा रणजीत सिंह ने सप्त सिंधु क्षेत्र में से विदेशी शासकों को पराजित कर और वहां के छोटे-छोटे राजाओं को एक राज्य में मिलाकर पूरे सप्त सिंधु क्षेत्र में एकीकरण व आजादी का बिगुल बजा दिया था। जिन दिनों पश्चिमोत्तर में महाराजा रणजीत सिंह मुगलों व अफगानों से लोहा लेते हुए पुनः स्वराज्य की स्थापना का प्रयास कर रहे थे, उन दिनों कश्मीर घाटी में भी विदेशी अफगानी सत्ता से छुटकारा पाने की सुगबुगाहट शुरू हो गई थी। कश्मीरियों का एक प्रतिनिधिमंडल इस प्रश्न पर विचार करने के लिए लाहौर भी गया था। कश्मीर से अफगानियों को निकालने के महाराजा रणजीत सिंह के प्रारंभिक प्रयास सफल नहीं हुए, लेकिन अंततः रणजीत सिंह और कश्मीरियों ने मिलकर कश्मीर घाटी से भी इन विदेशी शासकों का अंत कर ही दिया। इसमें महाराजा गुलाब सिंह की भी महत्त्वपूर्ण भूमिका थी। रणजीत सिंह ने जम्मू के राजा के तौर पर गुलाब सिंह का अखनूर में चिनाब नदी के किनारे जिया पोटा स्थान पर राजतिलक किया। उसके बाद गुलाब सिंह ने इस पर्वतीय क्षेत्र के छोटे-छोटे सामंतों का एकीकरण शुरू किया। गुलाब सिंह ने तो गिलगित, बाल्तिस्तान तक को विदेशी शासन से मुक्त करवा लिया था। रणजीत सिंह और गुलाब सिंह के इस अभियान से सीमांत पेशावर से लेकर श्रीनगर तक विदेशी सत्ता उखड़ गई। लेकिन महाराजा रणजीत सिंह द्वारा कश्मीर घाटी को मुक्त करवा लेने से पहले ही कश्मीर घाटी में कश्मीरी सांस्कृतिक धारा के समानांतर एटीएम (अरब, तुर्क, मुगल-मंगोल) सांस्कृतिक धारा स्थापित हो चुकी थी। इन दोनों धाराओं में भयंकर आंतरिक संघर्ष चलता रहता था। लेकिन अब कश्मीर के इस पूरे परिदृश्य में महाराजा रणजीत सिंह और महाराजा गुलाब सिंह के आ जाने से हालात बदल गए। मुगल-अफगान शासकों का स्थान स्थानीय शासकों ने ले लिया। जम्मू-कश्मीर की सत्ता प्रदेश के लोगों के ही हाथ आ गई थी। 1846 में महाराजा गुलाब सिंह संपूर्ण जम्मू-कश्मीर रियासत के महाराजा बने और उसके साथ ही एटीएम का दबदबा भी हवा में झूलने लगा। यह पीड़ा भी एटीएम को भीतर ही भीतर सता रही थी। इसका कारण एटीएम की नगण्य संख्या था। कश्मीर घाटी में एटीएम मूल के मुसलमानों की जनसंख्या पांच प्रतिशत से कभी ज्यादा नहीं रही। लेकिन नगण्य जनसंख्या के बावजूद एटीएम का दबदबा 95 प्रतिशत कश्मीरी देसी मुसलमानों (डीएम) पर बराबर बना हुआ था। शाहमीर व चक वंश के शासन में एटीएम का राज तो चाहे नहीं था, लेकिन शासकों के हम-मजहब होने के कारण दबदबा तो था ही। मसजिदों पर कब्जा भी था।

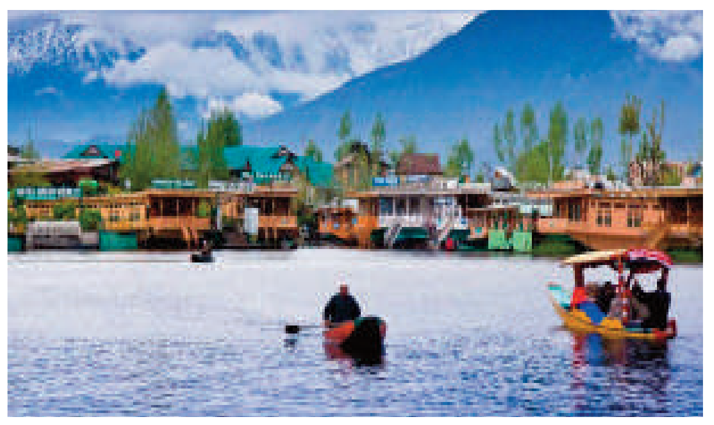

मुगल और अफगान काल में तो उन्होंने सत्ता को संभाला था। अब एटीएम को शासन की सहायता मिलनी बंद हो गई थी। अभी तक एटीएम ने कश्मीर में जो सफलता प्राप्त की थी, वह शासन के बलबूते ही की थी। लेकिन अब विदेशी शासन से मुक्त होने पर कश्मीरी समाज ने राहत की सांस ली। सत्ता का आभामंडल छिन जाने से एटीएम का दर्द-ए-दिल तो वही जान सकते थे। यदि कश्मीरी मुसलमान वापस अपने पुराने घर में चले गए तो एटीएम की सत्ता तो दूर की बात थी, इनको खाने के भी लाले पड़ सकते थे। मसजिदों में दान-दक्षिणा तो देसी मुसलमान ही चढ़ाता था। एटीएम चौकन्ना हो गया था। उनकी अपनी संख्या तो जलते तवे पर पानी की बूंद के समान थी। उन्हें अपने उद्देश्य की पूर्ति इन्हीं कश्मीरियों की इस्लाम या शिया पंथ में मतांतरित फौज के माध्यम से ही करनी थी। यदि यह सेना ही उनका हरा पटका फेंककर वापस अपनी पुरानी छावनियों में लौट गई तो फिर उनका सब कुछ दांव पर लग जाना था।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

बीते दिनों में जितना धन आपने आज को बेहतर बनाने के लिए इनवेस्ट किया था उसका फायदा आज आपको फायदा मिल सकता है। घर में शांति और सुकून का माहौल बनाए रखने के लिए तालमेल से काम करें। आज के दिन में आप बहुत व्यस्त रहेंगे लेकिन शाम के वक्त अपने मनपसंद कामों को करने के लिए भी आपके पास पर्याप्त समय होगा। आज का दिन उन चन्द दिनों जैसा है जब घड़ी की सुईयाँ बहुत धीरे-धीरे हिलती हैं और आप लंबे समय तक बिस्तर में पड़े रहते हैं। लेकिन इसके बाद ख़ुद को तरोताज़ा भी महसूस करेंगे और इसकी आपको काफ़ी ज़रूरत भी है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज के दिन ऐसी चीज़ों पर काम करने की ज़रूरत है, जो आपकी सेहत में सुधार ला सकती हैं। भविष्य में अगर आपको आर्थिक रूप से मजबूत बनना है तो आज से ही धन की बचत करें। आपमें से कुछ गहने या घरेलू सामान ख़रीद सकते हैं। आज के दिन में आप बहुत व्यस्त रहेंगे लेकिन शाम के वक्त अपने मनपसंद कामों को करने के लिए भी आपके पास पर्याप्त समय होगा। क्योंकि आज आपको सच्चे प्यार का एहसास होगा। अपने दोस्तों के मूवी देखने का प्लान बना सकते हैं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

अगर आप पिछले कुछ वक़्त से झुंझलाहट महसस कर रहें हैं तो आपको याद रखना चाहिए कि सही कर्म और विचार आज आपके लिए बहुप्रतीक्षित राहत लेकर आएंगे। यदि आप किसी से उधार वापस मांग रहे थे और अब तक वो आपकी बात को टाल रहा था तो आज बिना बोले ही वो आपको पैसा लौटा सकता है। यदि किसी बात को लेकर आपके मन में उनके प्रति संशय है तो उनके साथ बैठकर हल निकालने की कोशिश करें। खाली वक्त का सही इस्तेमाल करना आपको सीखना ही होगा नहीं तो जीवन में आप कई लोगों से पीछे रह जाएंगे।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

मज़बूती और निडरता का गुण आपकी मानसिक क्षमताओं में इज़ाफ़ा करेगा। आप पैसा बना सकते हैं, बशर्ते आप अपनी जमा-पूंजी पारम्परिक तौर पर निवेश करें। आज आप फुर्सत के क्षणों में कोई नया काम करने का सोचेंगे लेकिन इस काम में आप इतना उलझ सकते हैं कि आपके जरुरी काम भी छूट जाएंगे। ऐसा लगता है कि आज आप अपने जीवनसाथी के साथ बहुत ख़र्चा कर सकते हैं। बावजूद इसके, आप इस वक़्त का पूरा लुत्फ़ उठा पाएंगे। जब आपके पास ज़्यादा खाली समय हो, तो नकारात्मक विचार आपको ज़्यादा परेशान करते हैं। अतः सकारात्मक पुस्तकें पढ़ें।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आपका बच्चों जैसा भोला स्वभाव फिर सतह पर आ जाएगा और आप शरारती मनोदशा में होंगे। आज किया गया निवेश आपकी समृद्धि और आर्थिक सुरक्षा में इज़ाफ़ा करेगा। आपके जीवन-साथी की सेहत तनाव और चिंता का कारण बन सकती है। सिर्फ़ स्पष्ट समझ के माध्यम से आप अपनी पत्नी/पति को भावनात्मक सहारा दे सकते हैं। आज खाली वक्त का सही उपयोग करने के लिए आप अपने पुराने मित्रों से मिलने का प्लान बना सकते हैं। आपको अपने जीवन में आज किसी खास इंसान की कमी खल सकती है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

व्यस्त दिनचर्या के बावजूद सेहत अच्छी रहेगी। लेकिन इसे हमेशा के लिए सच मानने की ग़लती न करें। अपनी ज़िंदगी और सेहत का सम्मान करें। रुका हुआ धन मिलेगा और आर्थिक हालात में सुधार आएगा। आज आप अपने जीवनसाथी के साथ आज समय गुजारेंगे लेकिन किसी पुरानी बात के फिर से सामने आने की वजह से आप दोनों के बीच कहासुनी होने की आशंका है। सुबह जीवनसाथी से आपको कुछ ऐसा मिल सकता है, जिससे आपका सारा दिन ख़ुशगवार गुज़रेगा। दोस्तों से गपशप करना एक अच्छा टाइमपास हो सकता है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

मौज-मस्ती की यात्राएं और सामाजिक मेलजोल आपको ख़ुश रखेंगे और सुकून देंगे। अटके हुए मामले और घने होंगे व ख़र्चे आपके दिमाग़ पर छा जाएंगे। किसी दूर के रिश्तेदार के यहाँ से मिली आकस्मिक अच्छी ख़बर आपके पूरे परिवार के लिए ख़ुशी के लम्हे लाएगी। आपको उदार और स्नेह से भरे प्यार का तोहफ़ा मिल सकता है। जब आपका जीवनसाथी जब सारे मनमुटाव भुलाकर प्यार के साथ आपके पास फिर आएगा, तो जीवन और भी सुन्दर लगेगा। आपकी कमियां आपको अच्छी तरह से पता हैं आपको जरुरत है उन कमियों को दूर करने की।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

जो धुंध आपके चारों तरफ़ छायी हुई है और आपकी प्रगति को बाधित कर रही है, उससे बाहर निकलने का समय है। आज किसी करीबी से आपका झगड़ा हो सकता है और बात कोर्ट कचहरी तक जा सकती है। जिसकी वजह से आपका अच्छा खास धन खर्च हो सकता है। पारिवारिक सदस्य या जीवन-साथी तनाव की वजह बन सकते हैं। घर से बाहर निकलकर आज आप खुली हवाओं में टहलना पसंद करेंगे। आज आपका मन शांत होगा जिसका फायदा आपको पूरे दिन मिलेगा। कोई फिल्म या नाटक देखकर आज आपका मन पहाड़ों में जाने का कर सकता है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

मनोवैज्ञानिक डर आपको बेचैन कर सकता है। सकारात्मक सोच और हालात के उजले पहलू को देखना आपको इससे बचा सकता है। बिना विचार किये आपको किसी को भी अपना पैसा नहीं देना चाहिए नहीं तो आपको आने वाले वक्त में बड़ी परेशानी है सकती है। किसी धार्मिक स्थल या संबंधी के यहाँ जाने की संभावना है। अपने जीवनसाथी के चलते आप महसूस करेंगे कि स्वर्ग धरती पर ही है। आप कुछ समय अपने व्यक्तित्व को निखारने में लगा सकते हैं, क्योंकि आकर्षक व्यक्तित्व का आत्म-निर्माण में अहम योगदान होता है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

गाड़ी चलाते समय सावधान रहें। अपने निवेश और भविष्य की योजनाओं को गुप्त रखें। इस राशि के लोग बड़े ही दिलचस्प होते हैं। ये कभी लोगों के बीच रहकर खुश रहते हैं तो कभी अकेले में हालांकि अकेले वक्त गुजारना इतना आसान नहीं है फिर भी आज दिन में कुछ समय आप अपने लिए जरुर निकाल पाएंगे। आज आपका आपस में कुछ ज्यादा विवाद हो सकता है जिसके दूरगामी परिणाम वैवाहिक जीवन के लिए नकारात्मक हो सकते हैं। योग ध्यान का सहारा लेना आज आपको मानसिक रुप से प्रबल बनाएगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज के दिन आराम करना ज़रूरी साबित होगा, क्योंकि आप हाल के दिनों में भारी मानसिक दबाव से गुज़रे हैं। नयी गतिविधियाँ और मनोरंजन आपके लिए विश्राम करने में सहायक सिद्ध होंगे। धन से जुड़ा कोई मसला आज हल हो सकता है और आपको धन लाभ हो सकता है। बच्चों के साथ समय बिताना ख़ास होगा। आज आपको प्यार का जवाब प्यार और रोमांस से मिलेगा। यात्रा के मौक़ों को हाथ से नहीं जाने देना चाहिए। पिता या बड़ा भाई आज आपकी किसी गलती पर आपको डांट सकता है। उनकी बातों को समझने की कोशिश करें।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

व्यापार में आज अच्छा खास मुनाफा होने की संभावना है। आज के दिन आप अपने बिजनेस को नई ऊंचाईयां दे सकते हैं। आम परिचितों से व्यक्तिगत बातों को बांटने से बचें। परिवार की जरुरतों को पूरा करते-करते आप कई बार खुद को वक्त देना भूल जाते हैं। लेकिन आज आप सबसे दूर होकर अपने आप के लिए वक्त निकाल पाएंगे। जीवनसाथी के साथ हँसते-खिलखिलाते, हर पल के मज़े लेते हुए आप महसूस करेंगे कि आप किशोरावस्था में लौट गए हैं। सुबह की ताजी धूप आज आपको नई ऊर्जा प्रदान करेगी।

आज का पंचांग

दिनांक : 21 मार्च 2026 , शनिवार
विक्रम संवत : 2083
मास : चैत्र, शुक्ल पक्ष
तिथि : तृतीया रात्रि 11:58 तक
नक्षत्र : अश्विनी रात्रि 12:38 तक
योग : ऐन्द्र रात्रि 07:00 तक
करण : तैतिल दोपहर 01:17 तक
चन्द्रराशि : मेष
सूर्योदय : 06:19, सूर्यास्त 06:27 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:23, सूर्यास्त 06:30 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:16, सूर्यास्त 06:23 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:11 , सूर्यास्त 06:18 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रातः 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उडद खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : गणगौर , चंद्रघंटा पूजन ,
मन्वादि तिथि ,
गण्डमूल रात्रि 12:38 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

ज्ञान का प्रकाश समाज तक पहुँचाना युवाओं का दायित्व : बागडे

जोधपुर, 20 मार्च (एजेंसियां)। राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ बागडे ने कहा कि दीक्षांत केवल उपाधि प्रदान करने का अवसर नहीं, बल्कि यह विद्यार्थियों के नव जीवन में प्रवेश का महत्वपूर्ण क्षण है। उन्होंने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा में दीक्षांत 'समावर्तन संस्कार' के रूप में जाना जाता था, जिसमें विद्यार्थी को समाज के लिए समर्पित जीवन जीने का संदेश दिया जाता था। राज्यपाल बागडे शुक्रवार को कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के सप्तम दीक्षांत समारोह में सम्बोधित कर रहे थे। राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालय में अर्जित ज्ञान का प्रकाश समाज के प्रत्येक कोने तक पहुंचाना विद्यार्थियों का दायित्व है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे अपनी शिक्षा का उपयोग राष्ट्र और समाज के विकास के लिए करें तथा जीवन में लक्ष्य निर्धारित कर सतत प्रयास करते रहें। उन्होंने शिक्षा को जीवन का आलोक पथ बताते हुए कहा कि यही वह माध्यम है जिससे व्यक्ति स्वयं के साथ-साथ समाज और विश्व को भी प्रकाशित करने की क्षमता प्राप्त करता है।

राज्यपाल ने कहा कि कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और देश की बड़ी आबादी इससे जुड़ी हुई है। उन्होंने विश्वविद्यालय से अपेक्षा की कि वह कृषि एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नवाचार आधारित शोध को बढ़ावा दे, जिससे स्थानीय जलवायु के अनुरूप उन्नत खेती को प्रोत्साहन मिल सके। उन्होंने कहा कि आज कृषि में नई चुनौतियों के समाधान के लिए आधुनिक तकनीकों, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ड्रोन एवं रोबोटिक्स का उपयोग अत्यंत आवश्यक है। एआई के विवेकपूर्ण उपयोग पर बल देते हुए उन्होंने कहा कि इसका उपयोग कृषि उन्नयन और अनुसंधान में किया जाना चाहिए, जिससे किसानों की उत्पादकता और आय में वृद्धि हो सके। उन्होंने 'जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान और जय अनुसंधान' के मंत्र को अपनाने का आह्वान करते हुए कहा कि कृषि विकास के लिए शोध एवं नवाचार को प्राथमिकता देना आवश्यक है।

राज्यपाल ने प्राकृतिक खेती की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक उपयोग से मिट्टी की सेहत प्रभावित हो रही है।

उन्होंने प्राकृतिक खेती को अपनाने और इसके प्रति जागरूकता बढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है और पानी की बचत ही उसका उत्पादन है। पारंपरिक कृषि ज्ञान, स्थानीय किसानों के अनुभव और आधुनिक विज्ञान के समन्वय से ही टिकाऊ कृषि प्रणाली विकसित की जा सकती है।उन्होंने सिंधु घाटी सभ्यता से लेकर वैदिक कृषि परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत में कृषि केवल आर्थिक गतिविधि नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और सामाजिक व्यवस्था का आधार रही है।

राज्यपाल ने विश्वविद्यालय को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा 'ए' ग्रेड मिलने पर बधाई दी। उन्होंने वैज्ञानिकों द्वारा विकसित उन्नत फसल किस्मों, कृषि मशीनरी परीक्षण केंद्र की स्थापना, बाजरे की देशी किस्मों के संरक्षण तथा मेहंदी कटाई मशीन जैसे नवाचारों को सराहनीय बताया। उन्होंने मिलेट्स (मोटे अनाज) के बढ़ते वैश्विक महत्व का उल्लेख करते हुए इस दिशा में और अधिक कार्य करने का आह्वान किया।

केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने अपने उद्बोधन में कहा कि दीक्षांत समारोह केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि यह प्रत्येक विद्यार्थी के जीवन में एक महत्वपूर्ण संकल्प का क्षण होता है। उन्होंने कहा कि इस विश्वविद्यालय में प्राप्त ज्ञान, शिक्षकों का मार्गदर्शन और वर्षों की मेहनत के साथ-साथ अभिभावकों के त्याग एवं तपस्या का यह परिणाम है। अब यह युवाओं का दायित्व है कि वे अपने ज्ञान का उपयोग राष्ट्र के प्रति उत्तरदायित्व निभाने में करें।

इस अवसर पर राज्यपाल द्वारा सावंत कुआं, बावड़ी स्थित डेयरी एवं खाद प्रौद्योगिकी महाविद्यालय तथा प्रौद्योगिकी एवं कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय के छात्रावासों का लोकार्पण किया गया तथा विश्वविद्यालय के विभिन्न प्रकाशनों का विमोचन भी किया गया। समारोह में कुल 403 विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की गईं और कुल 15 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक प्रदान किए गए।

मौसम ने खाई पलटी, लालसोट क्षेत्र में बरसात से फसलों को भारी नुकसान

लालसोट, 20 मार्च (एजेंसियां)। गुरुवार देर रात मौसम में अचानक बदलाव के बाद क्षेत्र में तेज बरसात हुई, जिससे किसानों की फसलों को भारी नुकसान पहुंचा है। बारिश के कारण खेतों में कटी हुई फसल पानी में डूब गई, जिससे नुकसान की आशंका बढ़ गई है। ग्रामीण इलाकों में स्थिति अधिक गंभीर बनी हुई है। शिवसिंहपुरा, डीडवाना और धाकड़िया सहित आसपास के कई गांवों में खेतों में पड़ी कटी फसल पूरी तरह भीग गई है, जिससे किसानों की मेहनत पर पानी फिर गया। किसान बाबू लाल सैनी, कजोड़मल, रामजी लाल, रामकेश, राम मनोहर, राजेश सहित अन्य किसानों की फसलों में नुकसान हुआ है। किसान अशोक सैनी ने बताया कि वे पिछले कई दिनों से फसल कटाई में लगे हुए थे और कटी हुई फसल खेतों में पड़ी थी। गत रात्रि को अचानक हुई बरसात के कारण खेतों में पड़ी फसल पानी में भीग गई और कई जगहों पर डूब गई, जिससे भारी नुकसान हुआ है।

इसके अलावा तेज हवाओं का भी असर देखने को मिला है। हवाओं के कारण गेहूं की पिछेती फसल झुक गई, जिससे उत्पादन पर भी असर पड़ने की संभावना जताई जा रही है।प्रभावित किसानों ने प्रशासन से नुकसान का सर्वे करवाकर शीघ्र राहत प्रदान करने की मांग की है। उनका कहना है कि समय रहते मदद नहीं मिलने पर उन्हें आर्थिक संकट का सामना करना पड़ सकता है।

एलिवेटेड रोड के लिए जेडीए एवं जयपुर मेट्रो मिलकर करें काम : भजनलाल शर्मा

जयपुर, 20 मार्च (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि जयपुर शहर के आमजन को मेट्रो के जरिये सुगम परिवहन सुविधा उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार निरंतर काम कर रही है। उन्होंने अधिकारियों को जयपुर मेट्रो के विस्तार फेज की प्लानिंग में सभी प्रमुख स्थानों को शामिल करने एवं जनसंख्या घनत्व को ध्यान में रखकर नवीन मेट्रो फेज की दिशा में कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए। शर्मा शुक्रवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में जयपुर मेट्रो के संबंध में आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर मेट्रो परियोजनाओं का समय अनुकूल विकास एवं नियंत्रित लागत बेहद जरूरी है। इसी क्रम में घनी आबादी क्षेत्र के लिए मेट्रो विस्तार फेज को वर्तमान मेट्रो लाईन्स से जोड़ने की कार्ययोजना को प्रमुखता से बनाया जाए। उल्लेखनीय है कि बजट वर्ष 2025-26 में जगतपुरा एवं वैशाली नगर क्षेत्रों में मेट्रो के विस्तार हेतु डीपीआर बनाने की घोषणा की गई थी, जिसके क्रम में जयपुर मेट्रो के अधिकारियों ने प्रस्तावित एलाइनमेंट मुख्यमंत्री के समक्ष प्रस्तुत किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने बढ़ती आबादी को ध्यान में रखकर मेट्रो को आमेर, बगराना (आगरा रोड़), जगतपुरा एवं आईएसबीटी हीरापुरा तक विस्तार देने के लिए मास्टर प्लान बनाने के निर्देश दिए। साथ ही, उन्होंने जेडीए अधिकारियों को अरण्य भवन से जगतपुरा तक बनने वाले एलिवेटेड रोड के संबंध में विशेष दिशा-निर्देश प्रदान किए। उन्होंने कहा कि इस कार्य के लिए जेडीए एवं जयपुर मेट्रो आपसी सामंजस्य से काम करें।

शर्मा ने मेट्रो फेज-2, फेज-1सी (बड़ी चौपड़-ट्रांसपोर्ट नगर) एवं फेज-1डी (मानसरोवर-अजमेर रोड चौराहा) की प्रगति का भी विवरण लिया। इस दौरान अधिकारियों ने प्रजेंटेशन के जरिये मेट्रो परियोजना की विभिन्न कार्ययोजनाओं की विस्तृत जानकारी दी।

इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री) अखिल अरोड़ा, प्रमुख शासन सचिव वित्त एवं प्रबंध निदेशक राजस्थान मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड वैभव गालरिया, आयुक्त जयपुर विकास प्राधिकरण सिद्धार्थ महाजन सहित जयपुर मेट्रो एवं जेडीए के अधिकारी उपस्थित रहे।

बेमौसम बारिश से तबाह फसलों की तुरंत गिरदावरी कर किसानों को उचित मुआवजा दे सरकार : राव नरेंद्र सिंह

चंडीगढ़, 20 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा में हाल ही में हुई बेमौसम बरसात ने किसानों की मेहनत पर पानी फेर दिया है। हरियाणा कि ज्यादातर किसानों की फसलें या तो नष्ट हो चुकी हैं, या नष्ट होने के कगार पर हैं। हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने प्रभावित क्षेत्रों, विशेषकर नारनौल एवं दक्षिण हरियाणा के विभिन्न गांवों का दौरा कर किसानों की फसलों का जायजा लिया और उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना। राव नरेंद्र सिंह ने कहा कि पश्चिमी विक्षोभ के चलते हुई असमय बारिश ने रबी की फसलों को भारी नुकसान पहुंचाया है। खेतों में खड़ी गेहूं और सरसों की फसल बुरी तरह गिर चुकी है, जिससे किसानों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। उन्होंने कहा कि पहले से ही बढ़ती महंगाई और लागत के बोझ तले दबे किसानों पर यह प्राकृतिक मार किसी बड़ी आपदा से कम नहीं है। उन्होंने कहा कि हरियाणा का किसान इस समय दोहरी मार झेल रहा है-एक ओर खेती की बढ़ती लागत और दूसरी ओर प्राकृतिक आपदाओं का प्रहार। ऐसे में सरकार की जिम्मेदारी बनती है कि वह तुरंत प्रभाव से स्थिति का संज्ञान लेते हुए राहत कार्य शुरू करे। राव नरेंद्र सिंह ने हरियाणा सरकार से मांग करते हुए कहा कि पूरे हरियाणा के प्रभावित क्षेत्रों में

शीघ्र गिरदावरी करवाई जाए और नुकसान का सही आकलन करते हुए किसानों को बिना देरी के उचित एवं पर्याप्त मुआवजा प्रदान किया जाए। उन्होंने प्रशासन से भी आग्रह किया कि जमीनी स्तर पर पारदर्शिता के साथ सर्वे कर वास्तविक पीड़ित किसानों तक राहत पहुंचाई जाए।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा से किसानों के हक और अधिकारों के लिए संघर्ष करती आई है और आगे भी किसानों की आवाज़ को मजबूती से उठाती रहेगी। किसानों के साथ न्याय होना चाहिए और उनकी मेहनत का सम्मान सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

अगर गैस की कोई कमी नहीं तो लोगों की लाइन क्यों लगी है? : भूपेंद्र सिंह

चंडीगढ़, 20 मार्च (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने देशभर में गैस की किल्लत पर सवाल उठाया है। उन्होंने पूछा है कि अगर सरकार कोई किल्लत न होने की बात कह रही तो फिर जगह-जगह लोगों की लाइनें क्यों लगी हैं? हुड्डा ने देशभर की तरह हरियाणा में रसोई गैस की कमी के लिए बीजेपी सरकार को जिम्मेदार ठहराया है। क्योंकि सरकार की तरफ से स्थिति स्पष्ट नहीं की जा रही है। कई जगह कमर्शियल सिलेंडर की सप्लाई पूरी तरह रोक दी गई है, जिसके कारण होटल, रेस्तरां, ढाबे, कैटरिंग और अन्य छोटे-बड़े व्यवसाय ठप पड़ गए हैं या बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। कई जगह सिलेंडर बुकिंग और डिलीवरी में देरी हो रही है। इसके चलते कालाबाजारी भी चालू हो गई है। ऐसे में सरकार को जनता के सामने एलपीजी की सही स्थिति रखनी चाहिए। हुड्डा अपने आवास पर पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। इस मौके पर उन्होंने कहा कि दो दिन से रुक-रुककर हो रही बेमौसमी बारिश से गेहूं और सरसों की फसल को भारी

नुकसान हुआ है। ऐसे में सरकार को तुरंत गिरदावरी करवाकर किसानों को मुआवजा देना चाहिए।

राज्यसभा चुनाव पर पूछे गए सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि एक सीट जीतने के लिए न्यूनतम 31 मतों की आवश्यकता थी और कांग्रेस के पक्ष में विधायकों ने 32 वोट डाले। लेकिन निर्वाचन अधिकारी ने बीजेपी के साथ मिलकर साजिश की और हमारे 4 वोट रद्द कर दिए।

बिजली बिलों में अतिरिक्त शुल्कों से जनता पर बढ़ा बोझ : सैलजा

सिरसा, 19 मार्च (एजेंसियां)। सांसद कुमारी सैलजा ने हरियाणा में बिजली बिलों के माध्यम से आम जनता पर डाले जा रहे आर्थिक बोझ पर गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में पहले से ही महंगाई से जूझ रही जनता को अब फ्यूल सरचार्ज, फिक्स चार्ज और अन्य अतिरिक्त शुल्कों के जरिए और अधिक परेशान किया जा रहा है। कुमारी सैलजा ने कहा कि हाल के दिनों में बड़ी संख्या में उपभोक्ताओं के बिजली बिलों में फ्यूल सरचार्ज, फिक्स चार्ज तथा इलेक्ट्रिसिटी चार्ज जैसे विभिन्न मदों के नाम पर अतिरिक्त राशि जोड़ी जा रही है, जिससे आम परिवारों की आर्थिक स्थिति पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों से यह शिकायतें सामने आ रही हैं कि उनके बिजली बिलों में म्युनिसिपल टैक्स तक जोडक़र भेजा जा रहा है, जो पूरी तरह अनुचित है और प्रशासनिक लापरवाही को दर्शाता है। इससे स्पष्ट है कि उपभोक्ताओं के साथ अन्याय किया जा रहा है। कुमारी सैलजा ने यह भी कहा कि जिन उपभोक्ताओं ने सरकार की नीतियों पर विश्वास करते हुए अपनी छतों पर सोलर पैनल स्थापित किए हैं, उन्हें भी फिक्स चार्ज एवं फ्यूल चार्ज के नाम पर भारी भरकम बिल भेजे जा रहे हैं।

एमओयू से हर घर स्वच्छ जल के लक्ष्य को मिलेगी नई गति : सैनी

चंडीगढ़, 20 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा में जल जीवन मिशन के दूसरे चरण को लागू करने के लिए शुक्रवार को वर्चुअल माध्यम से केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की मौजूदगी में केंद्र सरकार व हरियाणा सरकार के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। हरियाणा सरकार की ओर से जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के आयुक्त एवं सचिव मोहम्मद शाइन ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए। एमओयू हस्ताक्षरित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी चंडीगढ़ से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल हुए। इस अवसर पर जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा, मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी तथा मुख्यमंत्री के उप प्रधान सचिव श्री यशपाल उपस्थित रहे। नायब सिंह सैनी ने कहा कि जल जीवन मिशन-2.0 के अंतर्गत राज्य सरकारों व केंद्र सरकार के बीच साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए आज हुआ

यह एमओयू बहुत महत्वपूर्ण है। जल जीवन मिशन के दूसरे चरण में राज्य सरकार का ध्यान केवल जल आपूर्ति तक सीमित नहीं रहेगा बल्कि उसकी गुणवत्ता, स्थिरता और दीर्घकालिक प्रबंधन पर भी केंद्रित होगा। इसके तहत जल भंडारण टैंकों का आधुनिकीकरण, शेष परिवारों को पाइप लाइन जल आपूर्ति से जोड़ना और दक्षिण हरियाणा के जल संकटग्रस्त क्षेत्रों जैसे नूंह, पलवल और महेंद्रगढ़ में विशेष परियोजनाओं का क्रियान्वयन किया जाएगा। इन सभी योजनाओं पर लगभग 3000 करोड़ रुपये का निवेश होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जल जीवन मिशन के पहले चरण में हरियाणा के ग्रामीण क्षेत्रों में हर घर तक नल और पर्याप्त पेयजल की सतत आपूर्ति सुनिश्चित करने का राज्य सरकार ने जो संकल्प लिया, उसे साकार भी किया। वर्ष 2019 में जल जीवन मिशन की जब शुरुआत हुई थी तब हरियाणा में केवल 58 प्रतिशत ग्रामीण परिवारों में नल का कनेक्शन था, लेकिन सरकार के सतत प्रयासों से 6 अप्रैल, 2022 को ही सरकार ने शत-प्रतिशत कवरेज हासिल कर देश के अग्रणी राज्यों में अपना स्थान बनाया है।

जिला कलेक्टर कार्यालय पर भाजपा का प्रदर्शन, कांग्रेस से वादों की पूर्ति की मांग

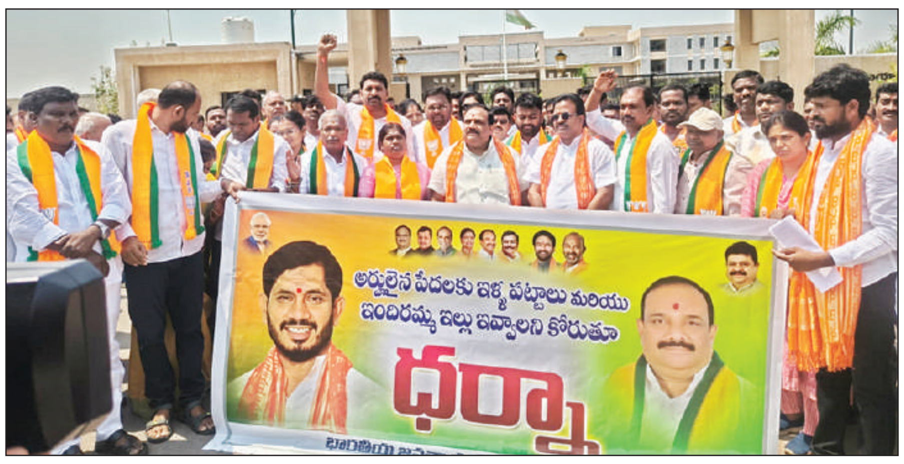

मंचेरियाल, 20 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। भाजपा के नेताओं द्वारा जिला कलेक्टर कार्यालय पर धावा बोलने का प्रयास पुलिस ने विफल कर दिया। घटना के दौरान मामूली तनातनी की स्थिति बनी रही, लेकिन किसी बड़े अप्रिय घटना से बचाव हुआ।

भाजपा के जिलाध्यक्ष नागनुरी वेंकटेश्वर गौड़ के नेतृत्व में दोपहर 3:06 बजे पार्टी कार्यकर्ताओं ने छह गारंटी कार्यक्रमों को लागू करने की मांग को लेकर कलेक्टर कार्यालय का घेराव किया। वेंकटेश्वर गौड़ ने आरोप लगाया कि सरकार सत्ता में आने के बावजूद चुनावी वादों को पूरा करने में नाकाम रही है। उन्होंने कहा कि यह एक शांतिपूर्ण विरोध था और पार्टी ने तत्काल वादे पूरे करने की मांग रखी। साथ ही उन्होंने चेतावनी दी कि यदि मांगें जल्द पूरी नहीं हुईं तो पार्टी आगामी दिनों में विधानसभा तक विरोध तेज करेगी।

प्रदर्शन में जिले व नगर के भाजपा नेता, पार्षद और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कांग्रेस ने भाजपा के इस प्रदर्शन पर प्रतिक्रिया देते हुए विपक्षी नेताओं से सार्वजनिक हित के मुद्दों पर जवाबदेही और वादों का पालन कराने की मांग उठाई। पुलिस ने कानून-व्यवस्था बनाए रखकर किसी भी अप्रिय घटना को टालने का प्रयास किया।

रमजान पर मुस्लिम बांधुओं को उपहार वितरित

मदनूर, 20 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो) – मदनूर मंडल के बड़ा शक्करगा गांव में रमजान त्यौहार के अवसर पर मुस्लिम समुदाय के लिए उपहार वितरित किए गए। यह वितरण बड़ा शक्करगा सरपंच विशालाक्षी राम पटेल के निर्देशानुसार आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि तेलंगाना सरकार अल्पसंख्यकों और सभी समुदायों के कल्याण तथा समग्र उत्थान के लिए लगातार काम कर रही है।

कार्यक्रम में हनुमान मंदिर समिति के अध्यक्ष राम पटेल और स्थानीय वार्ड सदस्य भी उपस्थित रहे। आयोजकों ने कहा कि त्योहारी मौसम में समुदायों के बीच सौहार्द और समर्थन बढ़ाने के लिए इस तरह के कदम जारी रखे जाएंगे।

डोंगली: प्राथमिक कृषि सहकार समिति की 61वीं महाजन सभा सम्पन्न

डोंगली, 20 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। प्राथमिक कृषि सहकार समिति की 61वीं महाजन सभा पीआईसी अध्यक्ष सी.एच. लक्ष्मीनारायण की अध्यक्षता में समिति परिसर में शुक्रवार को आयोजित की गई। सभा में ग्राम सरपंच, पार्टी अध्यक्ष, पूर्व संघ अध्यक्ष, पूर्व संघ निदेशक, निगरानी अधिकारी अब्दुल अलीम सर, संघ कर्मचारी एवं किसान उपस्थित रहे।

सभा में संघ सचिव बी. बाबूराव ने संघ के 1.10.2025 से 18.03.2026 तक के छह महीने के जमा एवं व्यय का विवरण प्रस्तुत किया और उपस्थित जनता को बताया गया कि उक्त व्यय को स्वीकृति के लिए प्रस्तावित किया गया है।

पीआईसी अध्यक्ष सी.एच. लक्ष्मीनारायण ने किसानों को एफपीओ सदस्यता और उसके लाभों के बारे में जानकारी दी। अन्य प्रमुख मुद्दों में फसल ऋण के नवीनीकरण की स्वीकृति, नए मेंटरशिप फसल ऋण का स्वीकृत करना तथा विलंबित वितरण के लिए एसटीएसएलटी के माध्यम से कानूनी नोटिस जारी करने का निर्णय शामिल था। साथ ही वर्ष 2024-25 के लिए लेखा परीक्षा रिपोर्ट की स्वीकृति और पीआईसी अध्यक्षों की स्वीकृति से संबंधित अन्य मामलों पर भी जनता को जानकारी दी गई।

पुलिस ने मंत्री के आवास का घेराव करने की आशा कार्यकर्ताओं की कोशिश नाकाम किया

करीमनगर, 20 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। पुलिस ने शुक्रवार को यहां परिवहन मंत्री पोंनम प्रभाकर के आवास का घेराव करने की आशा कार्यकर्ताओं की कोशिश को विफल कर दिया।

अपनी मांगों को लेकर आंदोलन कर रही आशा कार्यकर्ताओं ने मनकम्माथोटा स्थित मंत्री के घर का घेराव करने का फैसला किया था।

जब वे तेलंगाना चौक से मंत्री के आवास की ओर बढ़ रही थीं, तो पुलिस ने उन्हें रास्ते में ही रोक लिया। जब प्रदर्शनकारी महिलाओं ने प्रभाकर के आवास की ओर बढ़ने की कोशिश की, तो पुलिस और उनके बीच धक्का-मुक्की शुरू हो गई। पुलिस ने उन्हें जबरन पुलिस वाहन में बिठाया और थाने ले गई।

बेल्लमपल्ली: सब्बनी कृष्णा को कला रत्न नेशनल अवॉर्ड से सम्मान

बेल्लमपल्ली, 20 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। बेल्लमपल्ली के सुप्रसिद्ध कलाकार और लेखक सब्बनी कृष्णा को बहुजन साहित्य अकादमी द्वारा कला रत्न नेशनल अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। यह सम्मान 15 मार्च को आंध्र प्रदेश के तिरुपति में आयोजित बहुजन राइटर्स की 18वीं साउथ इंडिया कॉन्फ्रेंस में अकादमी के नेशनल प्रेसिडेंट नल्ला राधाकृष्ण ने प्रदान किया।

सब्बनी कृष्णा ने संयुक्त आदिलाबाद जिले में प्रजा नाट्यमंडल के जिला सचिव, राज्य अध्यक्ष और मानद अध्यक्ष के रूप में तथा लेखक, गायक एवं निर्देशक के रूप में व्यापक योगदान दिया है। उन्होंने आंध्र, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, बिहार, उत्तर प्रदेश, दिल्ली सहित कई राज्यों में हजारों नाटकों, नृत्य-नाटकों, नुक्कड़ नाटकों और ओग्गु कथाओं के प्रदर्शन एवं लेखन किए। उनके गीत और नाटक लोकजीवन की भाषा में जनता की समस्याओं और शासकीय नीतियों पर तीखा प्रहार करते हैं; वे चेतना जगाने और संघर्ष की भावना प्रेरित करने में अग्रणी रहे हैं।

सम्मान समारोह में बहुजन साहित्य अकादमी के वरिष्ठ पदाधिकारी और अन्य गणमान्य बुलाए गए थे – जिनमें नेशनल प्रेसिडेंट नल्ला राधाकृष्ण के साथ डॉ. यू. सुब्रमण्यम (बीएसए नेशनल जनरल सेक्रेटरी), जी. विष्णुवर्धन (साउथ इंडिया जनरल सेक्रेटरी), कॉन्फ्रेंस कन्वीनर तथा सात राज्यों के कवि, कलाकार, लेखक, गायक और बुद्धिजीवी शामिल थे।

महाराष्ट्र के तीन व्यक्ति बेज्जूर की दो महिलाओं को बेचने के आरोप में हिरासत में

कुमरमभीम/आसिफाबाद, 20 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। बेज्जूर मंडल की दो महिलाओं को शादी के झांसे में फंसाकर तस्करी करने के आरोप में गुरुवार को तीन व्यक्तियों को हिरासत में लिया गया है।

पुलिस के अनुसार, महाराष्ट्र के सिरोंचा के तीन लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। उन पर बेज्जूर मंडल की दो महिलाओं को मध्य प्रदेश के खरीदारों को 2.40-2.40 लाख रुपये में बेचने का आरोप है। बताया जा रहा है कि तस्करों ने आदिवासी समुदाय की इन आर्थिक रूप से कमजोर महिलाओं से तब संपर्क किया, जब वे आजीविका की तलाश में मनचेरियल शहर आई हुई थीं।

यह पता चला है कि इन तीनों ने महिलाओं को शादी का झांसा देकर उनका भरोसा जीता। मामला तब सामने आया जब महिलाओं के माता-पिता ने पुलिस से संपर्क किया, जिसके बाद मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। पिछले नौ महीनों के भीतर जिले में इस तरह की यह दूसरी घटना है।

एक पुलिस अधिकारी ने बताया, तीनों से पूछताछ की जा रही है कि उन्होंने महिलाओं से कैसे संपर्क किया, उन्होंने पीड़ितों को किसे बेचा और खरीदार कहां के रहने वाले हैं।

इस बात पर भी ध्यान दिया जा रहा है कि आरोपी कब से इस अपराध में संलिप्त हैं।

पिछले साल 20 जून को भी इसी जिले और मध्य प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से एक पुलिस कांस्टेबल और पांच महिलाओं सहित आठ लोगों को मानव तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। उनके पास से छह मोबाइल फोन, 50,000 रुपये नकद और एक मोटरबाइक जब्त की गई थी। मध्य प्रदेश के दो अन्य फरार आरोपियों को बाद में पकड़ा गया था।

इन ग्यारह आरोपियों ने स्वीकार किया था कि उन्होंने जिले की दो आदिवासी लड़कियों को मध्य प्रदेश में एक सेक्स रैकेट के संचालकों को क्रमशः 1.30 लाख और 1.10 लाख रुपये में बेचा था। उन्होंने शादी के बहाने लड़कियों को लुभाने की बात स्वीकार की थी। पीड़ितों में से एक किसी तरह वहां से भागने में सफल रही और आसिफाबाद पुलिस से संपर्क किया, जिसके बाद इस गिरोह का भंडाफोड़ हुआ।

अराइव अलाइव अभियान के तहत चेन्नूर में विशेष ड्रिंक-एंड-ड्राइव जांच, चार चालकों पर कार्रवाई

चेन्नूर, 20 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंचेरियल जिले के चेन्नूर कस्बे में सड़क सुरक्षा को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से पुलिस विभाग द्वारा विशेष अभियान चलाया गया। राज्य के पुलिस महानिदेशक (ऊब्रझ) के निर्देशानुसार संचालित अराइव अलाइव कार्यक्रम के तहत असनाद चौराहे पर राष्ट्रीय राजमार्ग पर अचानक निरीक्षण किया गया।इस दौरान रामागुंडम के मुख्य पुलिस अधिकारी, मंचेरियल के डीसीपी तथा जयपुर के एसीपी ने संयुक्त रूप से ड्रिंक-एंड-ड्राइव जांच अभियान का नेतृत्व किया। जांच के दौरान शराब के नशे में वाहन चलाते पाए गए चार चालकों के खिलाफ मामले दर्ज किए गए।

पुलिस ने प्रत्येक वाहन की गहन जांच करते हुए ट्रिपल राइडिंग करने वालों तथा बिना वैध दस्तावेज और ड्राइविंग लाइसेंस के वाहन चला रहे व्यक्तियों पर ई-चालान जारी कर जुर्माना लगाया।

भद्राचलम के पास गोदावरी नदी में इंजीनियरिंग के पांच छात्र लापता

कोत्तागुडेम, 20 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। आंध्र प्रदेश के कुकुनूर मंडल के वेलुरु में भद्राचलम के पास गोदावरी नदी में शुक्रवार को इंजीनियरिंग के पांच छात्रों के लापता होने की खबर मिली है।

पुलिस के अनुसार, अमरावती के एसआरएम इंजीनियरिंग कॉलेज में बी.टेक द्वितीय वर्ष की पढ़ाई कर रहे सात छात्र गुरुवार को श्री सीता रामचंद्र स्वामी देवस्थानम में पूजा-अर्चना करने के लिए भद्राचलम आए थे। शुक्रवार दोपहर के समय छात्र श्रीकर, अभिलाष, हर्षा, दीपक, तेजा, सतीश और नवदीप फोटो खींचने के लिए गोदावरी नदी में उतरे और एक-दूसरे का हाथ पकड़कर कतार में खड़े हो गए।

ऐसा करते समय, वे पानी की गहराई का अंदाजा नहीं लगा पाए और डूबने लगे। अपने दोस्तों को डूबता देख, कतार में अंत में खड़े अभिलाष और श्रीकर किसी तरह सुरक्षित बाहर निकलने में सफल रहे।

अभिलाष और श्रीकर भद्राचलम के रहने वाले थे, जबकि अन्य छात्र आंध्र प्रदेश के उय्यूर और मदनपल्ली के रहने वाले थे। भद्राचलम के एसआई श्याम प्रसाद, दमकलकर्मी कुमार, हरीश, नवीन और विशेषज्ञ गोताखोरों के साथ मौके पर पहुंचे और बचाव अभियान शुरू किया।

दिल्ली फाउंडेशन ने करीमनगर ट्राइबल कॉलेज को 52 लाख रुपये की किताबें दान कीं

करीमनगर, 20 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। दिल्ली स्थित एक परोपकारी संस्था, सुल्तान चंद द्रोपदी देवी एजुकेशन फाउंडेशन ने करीमनगर में 'तेलंगाना ट्राइबल वेलफेयर रेजिडेंशियल डिग्री कॉलेज फॉर बॉयज' को पुस्तकें दान की हैं।

छात्रों के लाभ के लिए कॉलेज पुस्तकालय को 52,42,353 रुपये की लागत वाली पुस्तकें दान में दी गईं। इस अवसर पर कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ. के. भवानी, वाइस प्रिंसिपल बी. लावण्या, लाइब्रेरियन डॉ. अनिल और रजिता वडलकोंडा सहित शिक्षण कर्मचारियों ने फाउंडेशन की उदारता की सराहना की।

पौनूर: स्वच्छता निरीक्षण – ग्राम पंचायत को साफ-सफाई व रिकॉर्ड अद्यतन के निर्देश

मंचेरियाल, 20 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। राव जयपुर मण्डल के पौनूर ग्राम पंचायत का अचानक निरीक्षण पंचायत अधिकारी डी. वेंकटेश्वर ने किया। निरीक्षण के दौरान पंचायत अभिलेखों की जांच की गई और वैधानिक जल आपूर्ति रजिस्टरों को समय-समय पर अद्यतन करने के निर्देश दिए गए।●डी. वेंकटेश्वर ने ग्राम क्षेत्र के अंदर सड़कों व नालियों की नियमित सफाई तथा सड़क किनारों पर खरपतवार न उगने देने का आदेश दिया। स्वच्छता कार्यों की निगरानी करते हुए उन्होंने अपशिष्ट पृथक्करण शेड का दौरा किया और गीले व सूखे कचरे को अलग करने, गीले कचरे से खाद निर्माण और सूखा कचरा पृथक्करण शेड में भेजने के निर्देश दिए। कब्रिस्तान की सफाई कर आसपास खरपतवार न उगने देने का भी आदेश पारित किया गया।

पंचायत सचिव ने गांव में प्लास्टिक कचरे की मौजूदगी पर नाराज़गी व्यक्त की और कहा कि 99 दिवसीय लोक प्रशासन कार्यक्रम के तहत स्वच्छता कार्यों को और गहनता से लागू किया जाए। इसी निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत अधिकारी ने पौनूर प्राथमिक विद्यालय में सामुदायिक जल निकासी गड्ढे के निर्माण के लिए आवश्यक बजट आवंटित करने की स्वीकृति भी दी।

सिरसिला: रुद्रंगी के बाहरी इलाके में तेंदुए ने कुत्ते को मार डाला

राजन्ना-सिरसिला, 20 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। रुद्रंगी मंडल के बाहरी इलाके में स्थित गोरिल्लाला क्षेत्र में एक कुत्ता मृत पाया गया, जिसे कथित तौर पर एक तेंदुए ने मार डाला है।किसान नागरम बोरैया ने मंगलवार की रात पशुओं की सुरक्षा के लिए अपने पालतू कुत्ते को अपने कृषि क्षेत्र में स्थित मवेशियों के शेड (लरींश्रश हिशव) में छोड़ा था। बुधवार सुबह जब वे खेत पर गए, तो कुत्ता मृत अवस्था में मिला।यह संदेह होने पर कि जानवर को तेंदुए ने मारा है, उन्होंने वन अधिकारियों को सूचित किया।

सल्बतपुर में हनुमान जन्मोत्सव की तैयारियों को लेकर उत्सव समिति की बैठक सम्पन्न

मदनूर, 20 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। हनुमान जन्मोत्सव के आयोजन की तैयारियों के संबंध में सल्बतपुर में उत्सव समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक देवदया धर्मादाय शाखा एवं मंदिर अध्यक्ष राम पाटिल के निर्देशानुसार हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी बुलाई गई।

बैठक में आगामी राम नवमी से लेकर हनुमान जन्मोत्सव तक होने वाले धार्मिक कार्यक्रमों की रूपरेखा पर चर्चा की गई। आयोजन की व्यवस्थाओं के लिए टेंट, माइक सेट, आचारी, पेयजल, लाइटिंग तथा कामगारों से संबंधित तैयारियों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।

इस अवसर पर मंदिर कर्मचारियों के साथ बड़ी संख्या में स्थानीय भक्तों ने भाग लेकर आयोजन को सफल बनाने के लिए अपने सुझाव और सहयोग देने का आश्वासन दिया।

20 युवतियों को एयर होस्टेस ट्रेनिंग के लिए हैदराबाद भेजा गया

पेद्दापल्ली, 20 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। पेद्दापल्ली जिला कलेक्टर श्री कोया श्रीहरषा के नेतृत्व में जिला प्रशासन ने जिले की 20 युवतियों को छह महीने का एयर होस्टेस प्रशिक्षण कोर्स करने के लिए हैदराबाद स्थित गो फ्लाई इंटरनेशनल भेजा। जिला युवा एवं खेल अधिकारी श्री सुरेश ने बताया कि इन में से 12 युवतियों का चयन विभिन्न पदों पर रोजगार के लिए हो गया है।

कलेक्टर ने कहा कि यह पहल युवतियों को सशक्त बनाने और रोजगार के अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से की गई है, तथा जिला प्रशासन इन प्रशिक्षणों से जुड़ा समस्त खर्च उठाएगा। मौके पर कलेक्टर ने चयनित युवतियों को बधाई दी। कार्यक्रम में गो फ्लाई इंटरनेशनल' की डायरेक्टर सुश्री विश्वरूपिणी, शारीरिक शिक्षा शिक्षक श्री कुमार और रोजगार पाने वाली छात्राओं के माता-पिता भी उपस्थित रहे।

सुनार संघ ने डीसीसी महासचिव देवराकोंडा राजू का किया सम्मान

पेद्दापल्ली, 20 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। सुनार और स्वर्ण व्यापारी संघ के प्रतिनिधियों ने शुक्रवार को देवराकोंडा राजू को पेद्दापल्ली जिला कांग्रेस समिति (डीसीसी) का महासचिव चुने जाने पर सम्मानित किया।

इस अवसर पर राजू ने दुद्दिल्ला श्रीधर बाबू, विजयारमना राव, मक्खन सिंह सहित पार्टी नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने उन पर विश्वास जताकर महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है।

उन्होंने आश्वासन दिया कि सुनार समुदाय की समस्याओं के समाधान के लिए वे हमेशा अग्रिम पंक्ति में रहकर कार्य करेंगे।

कार्यक्रम में टाउन सिल्वर एंड गोल्ड एसोसिएशन के अध्यक्ष रंगू श्रीनिवास, सुनार संघ के अध्यक्ष कट्टा रमेश, मानद अध्यक्ष कसाला नरसिम्हाचारी, उपाध्यक्ष सिरिकोंडा वेणुगोपाल, कोषाध्यक्ष बनाला लक्ष्मण, अखिल भारतीय सचिव कंदुकुरी पूर्णचारी, प्रदेश सचिव मदुपु रामनरसाय्या तथा अन्य पदाधिकारी और सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

रोहित, धोनी सहित ये खिलाड़ी एक बार भी नहीं हासिल कर पाये आरेंज कैप

मुम्बई, 20 मार्च (एजेंसियां)।

आईपीएल का 19 वां सत्र इस माह के अंत में शुरु होने जा रहा है। जिसमें दस टीमो के बीच खिताब मुकाबला होगा। इस दौरान सबसे अधिक रनों के लिए बल्लबाज को आरैंज कैप दी जाती है। रोहित शर्मा, महेन्द्र सिंह धोनी सहित कई बल्लेबाज ऐसे भी रहे हैं जो टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने के बाद भी कभी आरेंज कैप नहीं जीत पाए। इसका कारण ये ही है कि ये बल्लेबाज एक सत्र में रनों के मामले में नंबर एक पर नहीं रहे।

रोहित शर्मा

रोहित शर्मा की कप्तानी में मुंबई इंडियंस ने पांच बार खिताब जीता है। वह आईपीएल इतिहास में विराट कोहली 8661 के बाद सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं इसके बाद भी उन्हें आज तक आरैंज कैप नहीं मिली है। उन्होंने अपने आईपीएल करियर में 272 मैच खेलकर 7046 रन बनाए हैं, मगर फिर भी कभी आरेंज कैप नहीं जीती। रोहित का लक्ष्य इस बार अधिक से अधिक रन बनाकर ये खिताब जीतना रहेगा।

महेन्द्र सिंह धोनी

चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को पांच बार खिताब जिताने वाले पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी ने भी आईपीएल में 5439 रन बनाये हैं। उन्होंने कई मौकों पर सीएसके को हारी हुई बाजी जिताई है, मगर वह कभी भी आरेंज कैप नहीं जीत पाए है।

सुरेश रैना

चेन्नई सुपर किंग्स के बल्लेबाज सुरेश रैना ने भी भी अपने आईपीएल करियर में 200 से अधिक मैच खेले, मगर कभी एक सत्र में सबसे ज्यादा रन बनाकर आरैंज कैप नहीं जीत पाए। रैना ने 205 आईपीएल मैचों मं 5528 रन बनाए मगर कभी आरेंज कैप नहीं जीत पाए।

शिखर धवन

शिखर धवन ने भी आईपीएल में काफी रन बनाये है मगर कभी वह आरेंज कैप नहीं जीत पाए। शिखर धवन ने अपने आईपीएल करियर में मुंबई, दिल्ली, हैदराबाद और पंजाब जैसी टीमों के लिए खेला। वह 2016 में सनराइजर्स हैदराबाद में रहते हुए ट्राफी उठाने में भी सफल रहे। धवन ने 222 आईपीएल मैच खेलकर 6769 रन बनाए मगर एक सत्र में नंबर एक न होने के काण आरेंज कैप नहीं जीत पाए।

एबी डी विलियर्स

दिल्ली कैपिटल्स (दिल्ली डेयरडेविल्स पुराना नाम) से आईपीएल में डेब्यू करने वाले एबी डी विलियर्स डी वीलियर्स पहले तीन साल दिल्ली के लिए खेलने के बाद रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु से खेलने लगे। इस लीग में 14 सत्र खेलकर डी विलियर्स ने 5000 से अधिक रन बनाये पर कभी आरेंज कैप नहीं जीत पाए। एबी डी विलियर्स ने अपने आईपीएल करियर में कुल 5162 रन बनाए थे।

न्यूज ब्रीफ

सनराइजर्स हैदराबाद के आलराउंडर एडवर्ड्स चोटिल होने के कारण आईपीएल से बाहर हुए

नई दिल्ली। सनराइजर्स हैदराबाद की टीम में शामिल आस्ट्रेलियाई आलराउंडर जैक एडवर्ड्स चोटिल होने के कारण इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 वें सत्र से बाहर हो गये है। एडवर्ड्स को सनराइजर्स ने नीलामी में 3 करोड़ रुपए में खरीदा था। इस आलराउंडर ने अब तक अपने करियर में आस्ट्रेलिया की ओर से केवल एक मैच खेला है जिसमें उन्होंने पांच रन बनाए हैं। इस खिलाड़ी ने 77 टी20 मैचों में 57 पारियां खेलते हुए 853 रन बनाने के साथ ही 52 विकेट भी लिए हैं। एडवर्ड्स का प्रदर्शन बिग बैश लीग (बीबीएल) में काफी अच्छा रहा था। उन्होंने सिडनी सिक्सर्स के लिए 13 मैचों में 19 विकेट लिए और 133 रन बनाए। एडवर्ड्स के बाहर होने के बाद अब उनकी जगह टीम किसे रखती है ये देखना होगा। टीम के नियमित कप्तान आस्ट्रेलिया के पैट कमिंस भी अब तक फिट नहीं होने के कारण शुरुआती सत्र से बाहर हैं, ऐसे में एडवर्ड्स का बाहर होना उसके लिए दूसरा झटका है। इसी कारण शुरुआती मैचों में ईशान किशन टीम की कप्तानी करेंगे। सनराइजर्स हैदराबाद का पहला मुकाबला 28 मार्च को रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से होगा।

चहल बोले, मैंने शराब छोड़ दी पर खेल पर लगाऊंगा पूरा ध्यान

नई दिल्ली। पिछले काफी समय से भारतीय क्रिकेट टीम से बाहर चल रहे स्पिनर यजुवेन्द्र चहल ने कहा है कि उन्होंने अपनी जीवन शैली को ठीक करते हुए शराब की लत छोड़ दी है।

चहल आईपीएल इतिहास की बात करें तो सबसे अधिक 200 विकेट लेने वाले एकमात्र क्रिकेटर हैं। चहल के अनुसार वह इस सत्र में बेहतर प्रदर्शन के लिए तैयार हैं। साथ ही कहा कि पिछले पिछले छह महीने से शराब की लत को पूरी तरह छोड़ दिया है, जिससे वह बेहतर प्रदर्शन कर सकें। चहल आईपीएल में पंजाब किंग्स से खेलते हैं। चहल के अनुसार पिछले सीजन में उन्हें कई गंभीर चोटों से उनका करियर प्रभावित हुआ है। उन्होंने कहा कि पिछली बार कोलकाता नाइटराइडर्स के खिलाफ मैच में उनकी हिप में फ्रैक्चर हो गया था और टूर्नामेंट के दौरान उंगली में भी फ्रैक्चर हुआ। इसी कारण वह क्वालिफायर और फाइनल में अच्छी गेंदबाजी नहीं कर पाए। चहल ने कहा कि इस साल मैंने तय किया कि सबसे पहले अपने शरीर का ध्यान रखूंगा। इसी लिए मैंने शराब छोड़ दी है। मैं अपने को पहले से ज्यादा फिट और सक्रिय बनाना चाहता हूं। चहल के अनुसार सीनियर खिलाड़ी होने के कारण युवाओं की उनपर नजर रहती है। ऐसे में वह अपने प्रदर्शन से एक उदाहरण बनना चाहते हैं। साथ ही चाहते हैं कि लोग उन्हें देखकर कुछ सीखें। आईपीएल के पिछले सत्र में चहल ने 17 में से 14 मैच खेले और 16 विकेट लिए। इस दौरान उनका इकोनामी रेट 9.56 रहा था। आईपीएल के पिछले सत्र में पंजाब किंग्स ने उन्हें 18 करोड़ रुपये में खरीदा था।

केकेआर का कोच अभिषेक ने हौंसला बढ़ाया, चौथी बार खिताब जीतने उतरे टीम

कोलकाता। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के मुख्य कोच अभिषेक नायर ने यहां अभ्यास सत्र में टीम का हौंसला बढ़ाते हुए कहा कि उसे इस बार खिताब जीतने के इरादे से उतरना चाहिये।

नायर ने कहा कि टीम के पास चौथी बार इस खिताब को जीतने के लिए सभी जरुरी कौशल हैं। टीम के पास अच्छे बल्लेबाज और गेंदबाज है केवल उसे एकजुट होकर खेलना है। तीन बार की आईपीएल विजेता केकेआर अपने अभियान की शुरुआत 29 मार्च को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस के खिलाफ मुकाबले से करेगी। केकेआर के एक वीडियो में नायर ने कहा, हमने काफी तैयारी की है जिसे अब अमल में लाने का समय आ गया है पिछले कुछ महीनों में हमने अपने कौशल को निखारा है। हमने पर पक्ष को लेकर बात की है। अब हमें केवल इस बात का ध्यान रखना है कि हम किस प्रकार से मानसिक रुप से तैयार होते हैं। हमें मैदान पर बिताया हर पल, का लाभ उठाना होगा। उन्होंने कहा, हमें बस एक काम करना है कि जीत का लक्ष्य लेकर उतरना है। हमें वह चौथा खिताब हासिल करना है जिसके लिए हमें तैयार रहना होगा। हम हर चीज के लिए तैयार। नायर ने इस अवसर पर यहायक कोच शेन वाटसन और फील्डिंग कोच दिशंत याग्निक का भी टीम में स्वागत किया। ये दोनो ही इस सत्र में सहयोगी स्टाफ का हिस्सा बने हैं। साथ ही कहा कि हर कोई शेन वाटसन को एक खिलाड़ी के तौर पर जानता है पर मैं उन्हें एक ऐसे इंसान के तौर पर जानता हूं, जिसने उनके नेतृत्व में एक खिलाड़ी के तौर पर खेला है।

यशस्वी सहित इन तीन क्रिकेटरों पर रहेगी रायल्स की जिम्मेदारी

मुम्बई, 20 मार्च (एजेंसियां)।

आईपीएल में इस बार नये कप्तान रियान पराग के साथ उतर रही। राजस्थान रायल्स का लक्ष्य बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। रायल्स के पास उभरते क्रिकेटर यशस्वी जायसवाल, वैभव सूर्यवंशी और शिमोन हैटमायर हैं हालांकि उसे इस सत्र में अनुभवी बल्लेबाज संजू सैमसन की कमी खेलेगी। टीम का उम्मीद रहेगी की उसके युवा खिलाड़ जबरदस्मत प्रदर्शन कर उसे जीत दिलायें। पिछले कुछ सत्र में टीम ने युवाओं को अधिक से अधिक अवसर दिये हैं। जिस प्रकार से वैभव, यशस्वी और पराग सहित युवा खेल रहे हैं उससे रायल्स का सामना किसी भी टीम के लिए आसान नहीं होगा। ये खिलाड़ी शानदार फार्म में हैं और टीम की सफलता काफी हद तक इनके प्रदर्शन पर निर्भर करेगी। राजस्थान रायल्स की सबसे बड़ी ताकत उनकी संतुलित बल्लेबाज़ी है। टीम में शीर्ष क्रम से लेकर मध्य क्रम तक ऐसे खिलाड़ी हैं जो बड़े शाट्स खेलने के साथ-साथ पारी को संभालने में कुशल हैं। टीम में देशी ओर विदेशी खिलाड़ियों का मिश्रण इसे ओर भी अधिक घातक बनाता है। टीम किसी भी प्रकार के हालातों में निडर होकर खेलने तैयार है। इसके बाद भी इन तीन खिलाड़ियों को निभानी होगी अहम भूमिका।

यशस्वी जायसवाल : यशस्वी जायसवाल इस सीज़न में टीक के सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज़ साबित हो सकते हैं। बाएं हाथ के इस युवा ओपनर ने पिछले सीज़न में शानदार प्रदर्शन करते हुए 14 पारियों में 559 रन बनाए थे। उनका स्ट्राइक रेट 159.71 रहा, जो उनकी आक्रामक बल्लेबाज़ी को दिखाता है। वह बड़ी पारी खेलने में माहिर होने के साथ ही एंकर की भूमिका भी निभाते हैं। सैमसन के टीम से जाने के बाद अब बल्लेबाज़ी की ज़िम्मेदारी काफी हद तक उनके पास रहेगी। ऐसे में टीम को अच्छी शुरुआत देने की जिम्मेदार उनपर रहेगी।

वैभव सूर्यवंशी: 14 साल के युवा बल्लेबाज़ वैभव सूर्यवंशी रायल्स के लिए सबसे बेहतरीन खिलाड़ियों में से एक हैं। पिछले सत्र में उन्होंने 206.56 के स्ट्राइक रेट से 252 रन बनाकर सबको प्रभावित किया था।उन्होंने सिर्फ 35 गेंदों में शतक लगाकर इतिहास रच दिया था और टीम20 क्रिकेट में सबसे कम उम्र में शतक बनाने वाले खिलाड़ी बने। इस दूसरे सत्र में भी उनका लक्ष्य अधिक से अधिक रन बनाना रहेगा। वैभव का कहना है कि उनकी नजरे क्रिस गेल के 175 रनों का रिकार्ड तोड़ना है।

शिमरान हेटमायर: वेस्टइंडीज़ के आक्रामक बल्लेबाज़ शिमरान हेटमायर रायल्स मध्यक्रम के आधार हैं। वह लंबे समय से टीम का हिस्सा हैं और कई मौकों पर मैच विजेता पारियां खेल चुके हैं।हाल ही में टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में भी उनका प्रदर्शन शानदार रहा, जहां उन्होंने तेज़ स्ट्राइक रेट से रन बनाए। उनकी सबसे बड़ी ताकत दबाव में भी बड़े शाट्स खेलने की क्षमता है। इस सत्र में टीम उनसे फिनिशर की भूमिका निभाने की उम्मीद करेगी।

न्यूजीलैंड महिला टीम ने तीसरे टी-20 में दक्षिण अफ्रीका को 6 विकेट से हराया

आकलैंड (न्यूजीलैंड)। न्यूजीलैंड महिला टीम ने पांच मैचों की टी-20 सीरीज के तीसरे मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका महिला टीम को छह विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ मेजबान टीम ने सीरीज में 2-1 की बढ़त बना ली है और अब वह सीरीज जीतने से सिर्फ एक कदम दूर है। आकलैंड के ईडन पार्क में खेले गए मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका महिला टीम ने टास जीतकर पहले बल्लेबाजी की और 20 ओवर में सात विकेट पर 149 रन बनाए। टीम की कप्तान लौरा वोल्वाड्ट ने 39 गेंदों में तीन चौकों की मदद से 37 रन की पारी खेली। वहीं एनेरी डर्कसेन ने 18 गेंदों में 27 रन और क्लो ट्रायोन ने 12 गेंदों में 15 रन बनाए। आखिरी ओवरों में कायला रेनेके ने 20 गेंदों में नाबाद 34 रन बनाकर टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। न्यूजीलैंड की ओर से गेंदबाजी में सोफी डिवाइन और सूजी बेट्स ने दो-दो विकेट हासिल किए। जेस केर और रोजमेरी मैयर को एक-एक सफलता मिली। 150 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड ने 18.4 ओवरों में चार विकेट पर 152 रन बनाकर मुकाबला छह विकेट से अपने नाम कर लिया। शुरुआत में बल्लेबाज इसाबेला गेज ने 15 गेंदों में 17 रन और कप्तान अमेलिया केर ने 28 गेंदों में 30 रन का बनाए। इसके बाद सोफी डिवाइन ने शानदार पारी खेलते हुए 38 गेंदों में नाबाद 55 रन बनाए, जिसमें छह चौके और एक छक्का शामिल रहा। मैडी ग्रीन ने भी 25 गेंदों में नाबाद 34 रन की उपयोगी पारी खेली।

आरसीबी तीसरे नंबर पर पडिक्कल या वेंकटेश में से किसे उतारेगी : रैना

नई दिल्ली, 20 मार्च (एजेंसियां)।

इस माह के अंत में शुरु हो रहे आईपीएल 2026 के पहले मुकाबले में मौजूदा चैम्पियन रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) का मुकाबला सनराइजर्स हैदराबाद से होगा। इस मैच में आरसीबी जीत के लिए पूरी ताकत लगा देगी। आरसीबी को लगातार दूसरी बार खिताबी जीत के लिए अपने बल्लेबाजी क्रम पर भी ध्यान देना होगा।

पारी की शुरुआत पहले ही तरह ही है विराट कोहली और फिल साल्ट पिछले करेंगे पर नंबर तीन पर टीम किये उतारेगी ये अभी तय नहीं है। इस स्थान पर अभी तक देवदत्त पडिक्कल उतरते थे पर इस बार टीम ने वेंकटेश अय्यर को भी खरीदा है। ऐसे में वह भी इस स्थान पर उतरने के दावेदार हैं। ऐसे में टीम प्रबंधन के लिये ये आसान नहीं होगा कि किसे अवसर दे। दोनों ही आक्रामक बल्लेबाजी करते हैं। पडिक्कल ने पिछले बार इसी नंबर पर खेला था और अच्छा प्रदर्शन किया था। ऐसे में उनकी संभावनाएं ज्यादा हैं। वहीं वेंकटेश अय्यर को इस बार टीम ने नीलामी में खरीदा था। वेंकटेश को पिछले सत्र में खराब प्रदर्शन के कारण केकेआर ने रिलीज कर दिया था। वहीं पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना का कहन है कि आरसीबी के पडिक्कल को तीसरे नंबर पर उतारने की संभावना अधिक है। रैना ने कहा, मुझे लगता है कि आरसीबी पडिक्कल को तीसरे नंबर पर खिलाएगी क्योंकि फिर चौथे नंबर पर जितेश शर्मा हैं। वहीं पांचवे नंबर पर कप्तान रजत पाटीदार उतरेंगे।वहीं रैना का कहना है कि कि एम चिन्नास्वामी स्टेडियम की पिच वेंकटेश के लिए अनुकूल रहेगी ऐसे में उन्हें बैटिंग क्रम में ऊपर भेजा जा सकता है जिससे की दाएं-बांए संयोजन भी बना रहे। वेंकटेश भी इस सत्र में बेहतर प्रदर्शन कर अपने को साबित करना चाहेंगे। पिछले सत्र में उन्हें 23.75 करोड़ रुपये देकर केकेआर ने खरीदा था पर वह असफल रहे थे। ऐसे में टीम ने उन्हें इस बार नहीं रखा था।

यूरोपा लीग के क्वार्टरफाइनल में पहुंचे बेटिस, सेल्टा और पोर्टो

मैड्रिड। रियल बेटिस, सेल्टा विगो और पोर्टो ने यूरोपा लीग फुटबाल के क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया है। इन तीनो ही टीमों ने अपने-अपने मुकाबले आसानी से जीतकर क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह बनायी। रियल बेटिस ने पैनाथिनाइकोस को 4-0 से हराया। उसकी ओर से कुचो हर्नांडेज ने दो जबकि सोफयान अमराबत और एंटनी ने एक-एक गोल किया।मैच की शुरुआत से ही बेटिस ने आक्रामक खेल दिखाया। कुचो हर्नांडेज के जोरदार शाट के बाद एटोर रुइबल ने रिबाउंड पर गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद टीम ने गेंद पर नियंत्रण बनाए रखा और हाफटाइम से ठीक पहले सोफयान अमराबत के डिफ्लेक्टेड शाट से बढ़त दोगुनी कर दी। दूसरे हाफ में बेटिस ने दबाव बनाए रखा, जहां 54वें मिनट में रुइबल की मदद से हर्नांडेज ने तीसरा गोल किया। 66वें मिनट में एंटनी ने एजालजौली के शानदार रन के बाद चौथा गोल कर जीत पक्की कर दी। वहीं एक अन्य मुकाबले में सेल्टा विगो ने ल्योन को 2-0 से हराया। इसे अलावा पोर्टो ने स्टटगार्ट को 3-1 से हराकर अंतिम आठ में प्रवेश किया। उसकी ओर से विलियम गोम्स के अलावा विक्टर फ्रोहोल्ट अंत में निकोलस नार्टे ने गोल दागाकर अपनी टीम को अंतिम आठ में पहुंचा दिया।

पूर्व क्रिकेटर बोला, पीसीबी के कमजोर रवैये से बदहाल हुई पाक टीम, कुछ सीनियर क्रिकेटरों के इशारे पर काम कर रहा बोर्ड

लाहौर, 20 मार्च (एजेंसियां)।

पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर अहमद शहजाद ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीसी) और उसके प्रमुख मोहसिन नकवी पर निशाना साधा है। शाहजाद के अनुसार पाक क्रिकेट की बदहाली के लिए नकवी जिम्मेदार हैं कर्योंकि वह टीम के ही कुछ खिलाड़ियों और उनके एजेंट्स के इशारे पर काम कर रहे है। बोर्ड की कमजोरी का लाभ उठाकर ऐसे लोग टीम में आ रहे हैं जो नहीं होने चाहिये थे।

गौरतलब है कि पाक क्रिकेट टीम का प्रदर्शन पिछले कुछ समय में अच्छा नहीं रहा है। टीम टी20 विश्व कप के सुपर-8 दौर से आगे नहीं बढ़ पायी। टीम लगातार दूसरी बार सेमीफाइनल में पहुंचने में विफल रही। इसके तुरंत बाद उससे बांग्लादेश दौरे पर भी एकदिवसीय सीरीज में हार का सामना करना पड़ा।

इस सीरीज में पाक की बल्लेबाज बेहद लचर रही। टीम पहले मैच में केवल 114 रन पर ही बना पायी और उसे हार का सामना करना पड़ा।

शहजाद ने टीम के अनुभवी खिलाड़ियों शाहीन शाह आफरीदी और मोहम्मद रिजवान के खराब प्रदर्शन पर भी नाराजगी जताते हुए कहा कि पिछले कुछ समय से ये दोनो ही विफल रहे हैं। उन्होंने कहा, आपने 5 से 7 साल पहले पीएसएल के लिए जिन खिलाड़ियों को ब्रांड बनाया, वही आज टीम में भी खेल रहे है। इस प्रकार देखा जाये तो कुछ ही खिलाड़ी सभी जगह पर नजर आते हैं। ये लोग की पाक टीम और लीग दोनों में शामिल हैं। ऐसे लोग किसी प्रकार टीम को बेहतर बनायेंगे समझ नहीं आता।

शहजाद के अनुसार पीसीबी ने इन खिलाड़ियों को ज्यादा अधिकार दे दिये हैं। इससे करार के साथ ही कप्तानी भी दी गयी। इससे इन लोगों ने काफी पैसे बना लिए और मजे से रहने लगे पर टीम को जीत दिलाने में इनकी रुचि नहीं दिखी। ये लोग हार की जिम्मेदारी लेने की जगह पर एक दूसरे पर हार का ठीकरा फोड़ रहे हैं। कोई भी अपनी गलती नहीं मान रहा। ये खिलाड़ी बेहद घमंडी हो गये हैं। शहजाद के अनुसार उन्होंने पीसीबी को अभी इतना बेबस नहीं देखा। इसी कारण पीसीबी नये खिलाड़ियों को अवसर नहीं दे पाता।

भारतीय अंडर-20 महिला टीम एशियाई कप में चुनौती के लिए तैयार : शुभांगी सिंह

नई दिल्ली, 20 मार्च (एजेंसियां)।

दो दशकों के इंतजार के बाद, भारतीय अंडर-20 महिला राष्ट्रीय फुटबाल टीम एएफसी अंडर 20 महिला एशियाई कप में वापसी के लिए पूरी तरह तैयार है। टीम का नेतृत्व करेंगी और उनका पहला मुकाबला 02 अप्रैल को जापान के खिलाफ थाईलैंड में होगा।

शुभांगी ने कहा कि टीम का फोकस अब सिर्फ क्वालीफाई करने पर नहीं, बल्कि चुनौतीपूर्ण ग्रुप मैचों में शानदार प्रदर्शन करने पर है। भारत ग्रुप-सी में जापान, आस्ट्रेलिया और चाइनीज ताइपेई के खिलाफ खेलेगा। ग्रुप के टाप दो और दो सर्वश्रेष्ठ तीसरे स्थान की टीमें क्वार्टर फाइनल में प्रवेश करेंगी। क्वार्टर फाइनल जीतने वाली चार टीमें 2026 के फीफा अंडर-20 महिला विश्व कप पोलैंड के लिए क्वालीफाई करेंगी।

टीम वर्तमान में कोलकाता में प्रशिक्षण ले रही है और 20 मार्च की सुबह थाईलैंड के लिए रवाना होगी। शुभांगी ने कहा, तीन कठिन ग्रुप मैचों के लिए हमारा फोकस पूरी तरह तैयार है। हमें कोई आसान मैच नहीं मिलेगा। हम शीर्ष टीमों के खिलाफ प्रदर्शन करने के लिए तैयार हैं।

टीम ने इस अभियान के लिए व्यापक तैयारी की है। साल की शुरुआत में स्वीडन में एक महीने का कैम्प और पिछले साल के अंत में उज्बेकिस्तान और कजाखस्तान के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय फ्रेंडली मैचों ने टीम को उच्च-तीव्रता वाले फुटबाल का अनुभव दिया। शुभांगी ने बताया कि स्वीडन में यूरोपीय क्लबों के खिलाफ खेलना बेहद उपयोगी रहा। शुरुआती हार ने टीम को वास्तविकता का एहसास दिलाया, लेकिन धीरे-धीरे टीम ने बेहतर प्रदर्शन करना शुरू किया।

उज्बेकिस्तान और कजाखस्तान के खिलाफ पहले और बाद में खेले गए कई मुकाबलों ने टीम को शारीरिक रूप से मजबूत विरोधियों से मुकाबला करने का अनुभव दिया। शुभांगी ने कहा, हमारे कोर खिलाड़ियों ने एक साल से अधिक समय साथ बिताया है, जिससे आपसी तालमेल और समझ मजबूत हुई है। इससे टीम की रणनीति और समन्वय बेहतर हुआ है।

हैडकाच जोआकिम एलेक्जेंडरसन के नेतृत्व में टीम ने अधिक आक्रामक और सक्रिय खेल अपनाया है। शुभांगी के अनुसार, कोच ने खिलाड़ियों को खुद को व्यक्त करने और गलती करने से डरने की बजाय खेल का आनंद लेने की सलाह दी, जिससे टीम का आत्मविश्वास और प्रदर्शन बेहतर हुआ है।

अंडर-20 विश्व कप के इतिहास में छह बार विजेता जापान से पहला मुकाबला भारतीय टीम के लिए सबसे चुनौतीपूर्ण होगा। शुभांगी ने कहा, जापान एक बहुत मजबूत टीम है, लेकिन हमें खेल के दौरान विपक्षी की ताकत के बारे में सोचने के बजाय अपने खेल को प्रदर्शित करना है। हमारा लक्ष्य क्वार्टर फाइनल तक पहुंचना और अच्छा प्रदर्शन करना है।

शुभांगी और उनकी टीम की नजर सिर्फ प्रतियोगिता में भाग लेने पर नहीं, बल्कि शीर्ष प्रदर्शन कर जीत की उम्मीद जताने पर है। उन्होंने देशवासियों और थाईलैंड में दर्शकों से समर्थन की अपील की। कप्तान शुभांगी ने कहा, हमारी टीम हर मैच में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेगी और उम्मीद है कि भारत के लोग हमें प्रोत्साहित करेंगे। आपका समर्थन हमारे लिए बहुत मायने रखता है।

अमेरिका और इजराइल के पाजिटिव संकेतों से कच्चे तेल की धीमी पड़ी आंच, 110 डालर से नीचे आई कीमत

नई दिल्ली, 20 मार्च (एजेंसियां)।

पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच अमेरिका द्वारा एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर पर और हमला नहीं करने और टैंकर्स में पहले से लदे ईरानी तेल से बैन हटाने का संकेत देने की वजह से कच्चे तेल की कीमत में नरमी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। ब्रेंट क्रूड 110 डालर प्रति बैरल के स्तर के नीचे आ गया है। इसी तरह वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड भी 95 डालर प्रति बैरल के स्तर के नीचे कारोबार कर रहा है। गुरुवार को 119 डालर प्रति बैरल के स्तर के काफी करीब पहुंच जाने के बाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड 106.48 प्रति बैरल के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के थोड़ी देर बाद ही ब्रेंट क्रूड फिसल कर 104.96 प्रति बैरल के स्तर तक गिर गया। हालांकि इस गिरावट के बाद इसके भाव में थोड़ा सुधार भी हुआ। भारतीय समय के मुताबिक दोपहर 11:30 बजे ब्रेंट क्रूड 106.73 डालर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

इसी तरह वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड ने अंतरराष्ट्रीय बाजार में 93.69 डालर प्रति बैरल के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। थोड़ी देर में ही डब्ल्यूटीआई क्रूड टूट कर 92.47 डालर बैरल के स्तर तक गिर गया। हालांकि कुछ देर बाद ही इसकी चाल में थोड़ी तेजी भी आई, जिसके कारण भारतीय समय के अनुसार दोपहर 11:30 बजे डब्ल्यूटीआई क्रूड 93.55 डालर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

स्पाट ट्रेडिंग के अलावा फ्यूचर ट्रेडिंग में भी कच्चे तेल की कीमत में गिरावट का रुख बना हुआ है। ब्रेंट फ्यूचर्स फिलहाल 1.24 डालर प्रति बैरल यानी 1.10 प्रतिशत की गिरावट के साथ 107.41 डालर प्रति बैरल के स्तर पर आ गया है। इसी तरह डब्ल्यूटीआई फ्यूचर्स भी 1.26 डालर प्रति बैरल यानी 1.31 प्रतिशत फिसल कर 94.90 डालर प्रति बैरल के स्तर तक गिर गया है।

जानकारों का कहना है कि पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच जिस तरह से अमेरिका और इजरायल की ओर से नरमी के संकेत मिल रहे हैं, उसकी वजह से कच्चे तेल के भाव में भी गिरावट का रुख बनने लगा है। इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने गुरुवार को ईरान के साथ युद्ध के जल्दी खत्म होने का संकेत दिया। वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने युद्ध में अमेरिकी सेना को जमीन पर नहीं उतरने का ऐलान किया।

इसके साथ ही अमेरिका के ट्रेजरी सेक्रेटरी स्काट बेसेंट में टैंकरों में लदे हुए ईरानी तेल से प्रतिबंध हटाने का संकेत भी दिया।

न्यूज ब्रीफ

यामाहा ट्रीसिटी 300 स्कूटर के लिए नया एयरबैग सिस्टम तैयार

नई दिल्ली। आटोलिव कंपनी ने यामाहा के साथ मिलकर यामाहा ट्रीसिटी 300 स्कूटर के लिए एक नया एयरबैग सिस्टम तैयार किया है। इससे पहले आटोलिव ने पियाजियो ग्रुप के साथ एमपी 3 स्कूटर के लिए भी ऐसी तकनीक पर काम किया था, हालांकि वह अभी बड़े पैमाने पर उत्पादन में नहीं आ सकी है। यह सिस्टम खासतौर पर सामने से होने वाली टक्कर के दौरान राइडर को अतिरिक्त सुरक्षा देने के लिए डिजाइन किया गया है। इस नए एयरबैग सिस्टम को स्कूटर के सामने वाले हिस्से यानी एप्रन के अंदर लगाया गया है। दुर्घटना की स्थिति में यह एयरबैग राइडर के सामने खुल जाता है और टक्कर के प्रभाव को कम करने में मदद करता है। कंपनी के अनुसार इस तकनीक को रोजमर्रा के उपयोग को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है, ताकि वाहन का संतुलन, स्टोरेज स्पेस और राइडिंग अनुभव प्रभावित न हो। आटोलिव ने बताया कि इस सिस्टम की टेस्टिंग एडवांस्ड सिमुलेशन और क्रैश टेस्टिंग के जरिए की गई है। कंपनी के अध्यक्ष और सीईओ मिकाइल ब्राट के अनुसार यह सहयोग कंपनी की भविष्य की रणनीति का अहम हिस्सा है और मोटरसाइकिल चालकों की सुरक्षा के लिहाज से एक बड़ा कदम माना जा रहा है। यामाहा ट्राइसिटी 300 का एयरबैग वर्जन कंपनी की यूरोपीय वेबसाइट पर सूचीबद्ध किया जा चुका है, हालांकि इसकी कीमत का अभी खुलासा नहीं किया गया है। इस बीच इंडिया यामाहा मोटर ने भारत में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी सेगमेंट में भी कदम रखा है।

मारुति जल्द ही एक नई बजट कार कर सकती है लान्च

नई दिल्ली। मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड जल्द ही एक नई बजट कार लान्च कर सकती है, जिसकी कीमत 4 लाख रुपये से कम रहने की संभावना जताई जा रही है। यह कार खासतौर पर उन ग्राहकों को ध्यान में रखकर तैयार की जा रही है जो पहली बार दोपहिया से चारपहिया वाहन की ओर कदम बढ़ाना चाहते हैं। फिलहाल कंपनी इस सेगमेंट में मारुति सुजुकी अल्टो, मारुति सुजुकी एस प्रेसो और मारुति सुजुकी सेलेरियो जैसे किफायती माडलों के जरिए मजबूत उपस्थिति बनाए हुए है। इसके अलावा मारुति सुजुकी वैगनआर और मारुति सुजुकी स्वी भी ग्राहकों के बीच लोकप्रिय विकल्प हैं। अब कंपनी नई रणनीति के तहत एक और सस्ती कार लाकर इस सेगमेंट में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाना चाहती है। कंपनी इस नई कार को मल्टी-पाथवे स्ट्रैटजी के तहत पेश करने की योजना बना रही है। इसके तहत इसमें माइल्ड हाइब्रिड, फ्लेक्स-फ्यूल और सीएनजी जैसे कई पावरट्रेन विकल्प मिल सकते हैं।
इससे ग्राहकों को बेहतर माइलेज के साथ वैकल्पिक ईंधन का विकल्प भी मिलेगा। विशेषज्ञों के अनुसार सितंबर 2025 में लागू हुए जीएसटी 2.0 के बाद 4 मीटर से छोटी कारों पर टैक्स कम होने से इस सेगमेंट को फायदा मिला है। इससे एंट्री-लेवल कारें आम लोगों के लिए अधिक सुलभ हो गई हैं।

एप्पल 15 लोकप्रिय प्रोडक्ट्स की बिक्री कर रहा बंद, 2024-25 के माडल्स भी शामिल

नई दिल्ली। दुनिया की दिग्गज टेक कंपनी एप्पल ने अपने प्रोडक्ट लाइनअप में अब तक का सबसे बड़ा

बदलाव किया है। कंपनी ने आधिकारिक तौर पर अपने 15 लोकप्रिय प्रोडक्ट्स की बिक्री बंद करने का ऐलान किया है। इस सूची में वे डिवाइस भी शामिल हैं जिन्हें ग्राहकों ने साल 2024 और 2025 में खरीदा था। एप्पल हर साल नए माडल्स लान्च करने के बाद पुराने वर्जन हटा देता है, लेकिन इस बार की रफ्तार ने सबको हैरान कर दिया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कंपनी ने यह कदम आईफोन 17ई और मेकबुक एयर एम5 जैसे नए सक्सेसर के लिए रास्ता साफ करने के लिए उठाया है। कंपनी अब अपने पूरे लाइनअप को एप्पल इंटेलिजेंस (एआई) और लेटेस्ट चिपसेट्स पर शिफ्ट करना चाहती है। अगर आपके पास इनमें से कोई डिवाइस है तो घबराएं नहीं। एप्पल इन सभी डिवाइसेज को आने वाले कई सालों तक आईओएस और मेकओएस अपडेट देता रहेगा। ये प्रोडक्ट्स एप्पल के आधिकारिक स्टोर पर तो नहीं मिलेंगे लेकिन अमेजन, फिल्पकाट और अन्य रिटेल स्टोर्स पर स्टाक खत्म होने तक भारी डिस्काउंट के साथ उपलब्ध रहेंगे।

पश्चिम एशिया संकट के बीच निर्यातकों को राहत, केंद्र ने रिलीफ योजना की मंजूर

बढ़ती लाजिस्टिक्स लागत और जोखिम से जूझ रहे निर्यातकों को बीमा कवर व आंशिक प्रतिपूर्ति का सहारा

नई दिल्ली, 20 मार्च (एजेंसियां)।

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और सुरक्षा चिंताओं के कारण भारतीय निर्यातकों को बड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास जोखिम बढ़ने से जहाजों को लंबा मार्ग अपनाना पड़ रहा है, ट्रांसशिपमेंट हब पर भीड़ बढ़ी है और युद्ध-जोखिम बीमा शुल्क में भारी वृद्धि हुई है। इन परिस्थितियों में निर्यात लागत बढ़ने और शिपमेंट में अनिश्चितता पैदा होने लगी है। इन समस्याओं को देखते हुए केंद्र सरकार ने रिलीफ (रिसिलेंस एंड लाजिस्टिक्स इंटरवेंशन फार एक्सपोंट फेसिलेसन) योजना को मंजूरी दी है। इस योजना का उद्देश्य प्रभावित निर्यातकों को वित्तीय और जोखिम सुरक्षा प्रदान करना है। योजना के पहले घटक के तहत, जिन निर्यातकों ने पहले से ईसीजीसी बीमा कवर लिया हुआ है, उन्हें 14 फरवरी से 15 मार्च 2026 के बीच भेजे गए माल पर मौजूदा कवर के ऊपर 100 प्रतिशत अतिरिक्त जोखिम सुरक्षा मिलेगी। इससे पहले से बीमित शिपमेंट को पूर्ण सुरक्षा मिल सकेगी। दूसरे घटक में, 16 मार्च से 15 जून 2026 के बीच निर्यात की योजना बना रहे निर्यातकों को ईसीजीसी कवर लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। इस अवधि में उन्हें मौजूदा कवर के ऊपर 95 प्रतिशत तक अतिरिक्त जोखिम सुरक्षा दी जाएगी, जिससे अनिश्चित परिस्थितियों में भी निर्यात जारी रह सके। तीसरे घटक के तहत, ऐसे एमएसएमई निर्यातकों को राहत दी जाएगी जिन्होंने बीमा नहीं लिया, लेकिन बढ़े हुए मालभाड़े और बीमा शुल्क का सामना किया। उन्हें 50 प्रतिशत तक लागत की प्रतिपूर्ति दी जाएगी, जिसकी सीमा प्रति निर्यातक 50 लाख रुपये तय की गई है। सरकार ने इस योजना के लिए 497 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है और इसकी निगरानी के लिए एक डैशबोर्ड आधारित प्रणाली तथा अंतर-मंत्रालयी समूह का गठन किया गया है।

बाइक सेगमेंट में 30.8 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर्ज

नई दिल्ली । सोसाइटी आफ इंडियन आटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (एसआईएएम) की रिपोर्ट के मुताबिक फरवरी में मोटरसाइकिल सेगमेंट ने सालाना आधार पर 30.8 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर्ज की है। पिछले साल फरवरी में जहां करीब 8.38 लाख मोटरसाइकिलों की बिक्री हुई थी, वहीं इस साल यह आंकड़ा बढ़कर लगभग 10.96 लाख यूनिट्स तक पहुंच गया है। इससे साफ है कि देश में दोपहिया वाहनों की मांग तेजी से बढ़ रही है। बिक्री के मामले में हीरो मोटोकार्प ने एक बार फिर अपना दबदबा कायम रखा। कंपनी ने फरवरी में कुल 4,63,291 मोटरसाइकिलें बेचते हुए सालाना आधार पर 43 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की। किफायती और भरोसेमंद माडल होने के कारण स्प्लेंडर और पैशन जैसी बाइक्स अभी भी मध्यम वर्ग और कामकाजी लोगों की पहली पसंद बनी हुई हैं। बिक्री के मामले में दूसरे स्थान पर होंडा रही, जिसने करीब 2.30 लाख यूनिट्स की बिक्री की। वहीं बजाज और टीवीएस ने भी अच्छा प्रदर्शन करते हुए क्रमशः तीसरा और चौथा स्थान हासिल किया। प्रीमियम और स्पोर्टी बाइक्स के सेगमेंट में भी अच्छी मांग देखने को मिली। रायल एनफील्ड ने 91,248 यूनिट्स बेचकर 12 प्रतिशत से ज्यादा की वृद्धि दर्ज की। यामाहा ने भी स्पोर्टी बाइक्स की बिक्री में करीब 39 प्रतिशत की बढ़त हासिल की। सबसे ज्यादा चौंकाने वाला प्रदर्शन कावासाकी का रहा, जिसकी बिक्री में 112 प्रतिशत की जबरदस्त वृद्धि दर्ज की गई। हालांकि सुजुकी और पियाजियो की बिक्री अपेक्षाकृत धीमी रही। विशेषज्ञों के अनुसार बेहतर मानसून की उम्मीद, शादियों का सीजन और कंपनियों द्वारा दिए जा रहे आकर्षक आफर्स इस उछाल के मुख्य कारण हैं। अप्रैल से फरवरी 2025-26 के वित्तीय वर्ष के दौरान अब तक देश में 1.18 करोड़ से अधिक मोटरसाइकिलों की बिक्री हो चुकी है, जो बढ़ती आर्थिक गतिविधियों और लोगों की मजबूत होती खरीदारी क्षमता का संकेत है। बता दें कि भारतीय टू-व्हीलर बाजार के लिए फरवरी 2026 का महीना बेहद उत्साहजनक साबित हुआ है। सड़क पर बढ़ती बाइकों की संख्या के पीछे आटो सेक्टर के ताजा आंकड़े भी अहम भूमिका निभा रहे हैं।

होंडा की पहली इलेक्ट्रिक एसयूवी को 2026-27 में लान्च की तैयारी

नई दिल्ली, 20 मार्च (एजेंसियां)।

भारत में होंडा कार्स इंडिया कंपनी ने अपनी आगामी इलेक्ट्रिक एसयूवी का टेस्ट रन शुरू कर दिया है, जिसके साथ ही इस माडल की पब्लिक रोड टेस्टिंग भी आधिकारिक रूप से शुरू हो गई है। टेस्टिंग के दौरान एसयूवी को देश के अलग-अलग हिस्सों में विभिन्न तरह की सड़कों पर चलाकर परखा जाएगा। टेस्टिंग के तहत इसे हाईवे, शहर की सड़कों और खराब रास्तों पर चलाकर देखा जाएगा कि भारतीय परिस्थितियों में इसकी परफार्मेंस कैसी रहती है।

कंपनी की इंजीनियरिंग टीम खास तौर पर गाड़ी की मजबूती, हैंडलिंग, राइड कम्फर्ट, एफिशिएंसी और भरोसेमंद प्रदर्शन पर ध्यान दे रही है। भारतीय मौसम और सड़क की स्थितियां काफी विविध होती हैं, इसलिए इस इलेक्ट्रिक एसयूवी को भीषण गर्मी और मानसून के मौसम में भी टेस्ट किया जाएगा। इसके साथ ही अलग-अलग चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर पर इसकी चार्जिंग क्षमता की भी जांच की जाएगी, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि यह गाड़ी रोजमर्रा के इस्तेमाल के लिए पूरी तरह उपयुक्त हो। इस इलेक्ट्रिक एसयूवी का कान्सेप्ट पहले जापान मोबिलिटी शो 2025 में होंडा ओ क्यू के रूप में पेश किया गया था। अब उसी प्रोजेक्ट के तहत भारत के लिए तैयार किए जा रहे प्रोडक्शन माडल की टेस्टिंग शुरू की गई है। कंपनी के प्रमुख ताकाशी नाकाजीमा के अनुसार पूरे भारत में शुरू हुई पब्लिक रोड टेस्टिंग कंपनी की इलेक्ट्रिफिकेशन रणनीति का महत्वपूर्ण चरण है। उनका कहना है कि भारत की जलवायु और ड्राइविंग परिस्थितियां अलग हैं, इसलिए वास्तविक हालात में गाड़ियों की जांच बेहद जरूरी है। कंपनी की योजना के अनुसार यह नई इलेक्ट्रिक एसयूवी वित्त वर्ष 2026-27 में बाजार में लान्च की जाएगी। इसे खास तौर पर शहरों और लाइफस्टाइल-फोकस्ड ड्राइविंग को ध्यान में रखकर तैयार किया जा रहा है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

कल...

औद्योगिक विकास की गति को बढ़ाने के साथ-साथ हैदराबाद के बुनियादी ढांचे और 'भारत फ्यूचर सिटी' परियोजना को प्राथमिकता दी गई है, जिससे राज्य के शहरी और औद्योगिक परिदृश्य को नयी दिशा मिलने की उम्मीद है।

ईरान युद्ध...

युद्ध शुरू होने से पहले रुपया लगभग 90.9-91 प्रति डॉलर पर था, लेकिन अब यह ऑल-टाइम लो के करीब पहुंच गया है। 20 मार्च को एक डॉलर की कीमत 93 रुपये 70 पैसे थी। शेयर बाजार में भी अरबों का घाटा हुआ है। पिछले 3 सप्ताह में सेंसेक्स में लगभग 6,000-6,750 अंकों की गिरावट आई है, जबकि निफ्टी 2000 अंक तक गिरा है। युद्ध शुरू होने से अब तक 30-34 लाख करोड़ रुपये तक निवेशकों की संपत्ति घटी है।

विदेशी संस्थागत निवेशकों ने भी भारत से भारी पैसा खींचा है। पिछले 3 सप्ताह में लगभग 52,000 करोड़ रुपये से अधिक की निकासी हुई है। सोना-चांदी की कीमतों में भी उथल-पुथल बनी हुई है और इसमें ट्रेंड से विपरीत भारी उतार-चढ़ाव देखा जा रहा है। 19 मार्च को सोना और चांदी दोनों की कीमतें गिरी थीं।

यातायात, व्यापार और रणनीतिक हित प्रभावित

हवाई यात्रा भी महंगी हो गई है। मध्य-पूर्व का हवाई क्षेत्र अस्थिर होने से एयरलाइंस को अपने रूट बदलने पड़े हैं। कई उड़ानें अब ईरान और आसपास के संवेदनशील इलाकों से बचकर लंबा रास्ता ले रही हैं, जिससे ईंधन खपत, फ्लाइट समय और बीमा लागत बढ़ गई है। भारत से यूरोप, खाड़ी और अमेरिका जाने वाली उड़ानों के टिकट महंगे हो गए हैं। इंडिगो, एअर इंडिया, अकासा एयर जैसी कई एयरलाइंस ने फ्यूल सरचार्ज बढ़ा दिया है। मध्य-पूर्व का एयरस्पेस असुरक्षित होने से दर्जनों अंतरराष्ट्रीय फ्लाइट्स कैंसिल हुई हैं, जिससे यात्रियों को भारी परेशानी, टिकट रिफंड में देरी और वैकल्पिक उड़ानों की कमी का सामना करना पड़ा है।

पेट्रोकेमिकल सप्लाई चेन पर भी असर पड़ रहा है। पॉलिमर की कीमतें रिकॉर्ड स्तर तक पहुंचने से ओडिशा सहित कई राज्यों में प्लास्टिक प्रसंस्करण उद्योग लगभग ठप होने की स्थिति में आ गया है। पॉलिप्रॉपलीन (पीपी), हाई डेंसिटी पॉलिएथिलीन (एचडीपीई), लिनियर लो-डेंसिटी पॉलिएथिलीन (एलएलडीपीई), पॉलिविनाइल क्लोराइड (पीवीसी) और पीईटी रेजिन जैसे प्रमुख पॉलिमर की कीमतों में 68 से 78 प्रतिशत तक की भारी बढ़ोतरी हुई है। अगर पश्चिम एशिया में जंग चलती रहती है और तेल की सप्लाई बाधित होती है तो अप्रैल की शुरुआत से प्लास्टिक उत्पादों की कीमतों में 50 से 60 प्रतिशत की बढ़ोतरी होने की आशंका है। कच्चे तेल और गैस से बनने वाली पॉलीमर्स की कीमतों में पिछले कुछ दिनों में 50 से 60 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है, जिससे मार्जिन पर दबाव बढ़ गया है।

इस बीच, ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी और रसोई गैस महंगी होने के बाद इलेक्ट्रिक कूकर और इंडक्शन चूल्हों की बिक्री तेजी से बढ़ी है। शहरी क्षेत्रों में लोग एलपीजी पर निर्भरता कम करने के लिए इन विकल्पों की ओर बढ़ रहे हैं। खुदरा बाजार और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर इनकी मांग में स्पष्ट उछाल देखा जा रहा है, जिससे किचन उपकरण उद्योग को भी बढ़ावा मिला है।

प्रवासी भारतीयों पर संकट और व्यापारिक नुकसान

ईरान और खाड़ी देशों में फंसे भारतीयों को सुरक्षित निकालना बड़ी चुनौती बन गया है। हवाई क्षेत्र बंद होने, उड़ानें रद्द होने और समुद्री रास्तों पर खतरे के कारण निकासी अभियान जटिल हो गया है। गल्फ देशों में 90 लाख भारतीय रहते हैं और विदेश मंत्री एस जयशंकर के अनुसार अब तक मिडिल ईस्ट से 67 हजार भारतीयों को निकाला गया है। सरकार को विशेष उड़ानों और नौसैनिक मदद के जरिए बड़े स्तर पर रेस्क्यू ऑपरेशन चलाना पड़ सकता है।

खाड़ी देशों की अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ने से वहां काम कर रहे भारतीयों की आय और रोजगार प्रभावित हो सकते हैं, जिससे भारत आने वाला रेमिटेंस घटने का खतरा है। गल्फ में रहने वाले प्रवासी भारतीय हर साल 51-52 अरब डॉलर पैसा भारत भेजते हैं। खाड़ी देशों में निर्माण, तेल और सर्विस सेक्टर में मंदी आने पर लाखों प्रवासी भारतीयों की कमाई पर असर पड़ेगा, जिससे भारत की विदेशी मुद्रा आय और घरेलू खर्च क्षमता भी कमजोर हो सकती है।युद्ध के बाद खाड़ी क्षेत्र में तनाव बढ़ने से भारत का निर्यात भी प्रभावित हुआ है। यूएई और अन्य खाड़ी देशों तक जाने वाले समुद्री मार्ग महंगे और जोखिमपूर्ण हो गए हैं। शिपिंग लागत, बीमा प्रीमियम और डिलीवरी समय बढ़ने से व्यापार धीमा पड़ा है। खासकर जेम्स-ज्वेलरी, टेक्सटाइल, खाद्य उत्पाद और मशीनरी निर्यात पर असर पड़ा है। सिर्फ यूएई ही भारत का दूसरा सबसे बड़ा एक्सपोर्ट मार्केट है और अगर पूरे खाड़ी क्षेत्र को मिला दें तो भारत का निर्यात 100 अरब डॉलर का है।

इसके अलावा, ईरान और अमेरिका-इजरायल के बीच जंग की वजह से ईरान में भारत का चाबहार पोर्ट प्रोजेक्ट भी जोखिम में है और भारत ने फिलहाल यहां काम बंद कर दिया है।

अब बड़े भाई...

वहीं, विधान परिषद के सभापति का पद जेडीयू को मिलने की संभावना जताई जा रही है। यह बदलाव न केवल सत्ता संतुलन को प्रभावित करेगा, बल्कि गठबंधन के भीतर शक्ति समीकरण भी पूरी तरह बदल देगा।

निशांत कुमार की एंट्री और भविष्य की रणनीति

इस पूरे घटनाक्रम में सीएम नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार की सक्रिय राजनीति में एंट्री को अहम माना जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक, उन्हें उपमुख्यमंत्री बनाया जा सकता है, जबकि दूसरे उपमुख्यमंत्री के रूप में जेडीयू के किसी वरिष्ठ नेता को जिम्मेदारी दी जाएगी। नीतीश कुमार सरकार को मार्गदर्शन देते रहेंगे और पार्टी संगठन को राष्ट्रीय स्तर पर मजबूत करने पर ध्यान देंगे। सहयोगी दलों के लिए पहले जैसा फॉर्मूला लागू रहेगा, जिसमें एलजेपी (रामविलास) को दो मंत्री पद, जबकि आरएलपी और 'हम' को एक-एक मंत्री पद मिलेंगे। नई सरकार का फोकस चुनावी वादों को पूरा करने और 2029 के लोकसभा तथा 2030 के विधानसभा चुनावों के लिए मजबूत राजनीतिक जमीन तैयार करना होगा।

नीतीश का सम्राट चौधरी की तरफ इशारा!

बता दें कि बुधवार को जमुई में आयोजित कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी की ओर इशारा करते हुए कहा कि 'ये बिहार को संभालेंगे और राज्य आगे बढ़ेगा।' इससे पहले सहारसा में भी नीतीश कुमार ने सम्राट चौधरी के कंधे पर हाथ रखकर एक तरह का राजनीतिक संदेश दिया था। जमुई में दिए गए इस बयान के बाद राजनीतिक गलियारों में अटकलें तेज हो गईं कि सम्राट चौधरी को भविष्य के मुख्यमंत्री के तौर पर देखा जा रहा है।

हालांकि, इन कयासों के बीच जेडीयू ने साफ किया है कि ऐसा कोई संकेत नहीं दिया गया है। पार्टी के वरिष्ठ नेता और मंत्री विजय चौधरी ने कहा कि नीतीश कुमार ने सम्राट चौधरी को अपना उत्तराधिकारी घोषित नहीं किया है। इसके बावजूद यह सवाल बना हुआ है कि क्या सम्राट चौधरी आगे चलकर बिहार की कमान संभाल पाएंगे। गौरतलब है कि उन्हें बीजेपी नेतृत्व के करीबी नेताओं में गिना जाता है।

यूएनआई में ...

उन्होंने कहा कि यदि कर्मचारी आराम से बाहर नहीं निकलते हैं तो उन्हें बल प्रयोग करना पड़ेगा।

कर्मचारियों के कुछ समय देने और कंपनी प्रबंधन के आने का इंतजार करने के अनुरोध तथा नोटिस दिखाने की मांग पर उन्होंने महिला कर्मचारियों सहित कुछ कर्मचारियों को जबरन घसीटकर और धक्का देकर उनकी सीटों से हटाया और न्यूजरूम से बाहर निकाला। इस दौरान उनके साथ गाली-गलौच भी किया गया।

पुलिस अमले ने परिसर के गेट पर कब्जा कर लिया और खबरों के सिलसिले में बाहर गये पत्रकारों और प्रबंधन के अधिकारियों को अंदर प्रवेश नहीं करने दिया। वे अपने व्यक्तिगत सामान भी नहीं ले पाये।

यह समझ से परे है कि बिना किसी पूर्व नोटिस के और समाचार एजेंसी के वरिष्ठ प्रबंधन की अनुपस्थिति में कर्मचारियों को परिसर से इस तरह बाहर क्यों किया गया।

इस परिसर को अचानक खाली कराये जाने से यूनाइटेड न्यूज ऑफ इंडिया की अंग्रेजी, हिंदी और उर्दू सेवा के करीब 500 से भी अधिक सब्सक्राइबरों को खबरों का प्रेषण अचानक रुक गया। इससे ऐतिहासिक संवाद समिति के अस्तित्व और सैकड़ों कर्मचारियों तथा उनके परिवारों के भविष्य पर भी तलवार लटक गयी है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शनिवार, 21 मार्च, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल का 164वां नि:शुल्क मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर कल

हैदराबाद, 20 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल द्वारा जोशी समाज हैदराबाद के सहयोग से 164वां नि:शुल्क मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर रविवार, 22 मार्च को सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक बेगम बाजार स्थित एलएमजी स्मार्ट किड्स हाई स्कूल (दीपा नरसिंग अस्पताल के सामने) में आयोजित किया जाएगा।

विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाओं का होगा समावेश

आज यहां अग्रवाल सेवा दल के अजीत गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, शिविर में किम्स अस्पताल बेगमपेट द्वारा हड्डी, हृदय, ईसीजी, 2डी इको, बीएमडी, आरबीएस, रक्तचाप एवं सामान्य चिकित्सा की सेवाएं प्रदान की जाएंगी। जनरल फिजिशियन की सेवाएं डॉ. अखिल्स क्लिनिक (पुरणदास रणछोडदास) के डॉ. अखिल सुगंधी एवं डॉ. मिनल खैरिया सुगंधी द्वारा प्रदान की जाएंगी। फिजियोथैरेपी की सेवा बजाज फिजियो की डॉ. मीता बजाज द्वारा तथा दांतों की जांच एसएनआर डेंटल के डॉ. एस. तेजस्वी नवनीत द्वारा की जाएगी।

नेत्र जांच सहित नि:शुल्क चश्मा व मोतियाबिंद ऑपरेशन की व्यवस्था

नेत्रों की जांच एलसीएच साधुराम आई हॉस्पिटल दोमलगुडा द्वारा की जाएगी और नेत्र जांच के पश्चात योग्य मरीजों को नि:शुल्क चश्मों का वितरण एवं मोतियाबिंद के ऑपरेशन की व्यवस्था की जाएगी। अवसर पर श्री भगवान विकलांग सहायता समिति हैदराबाद द्वारा नि:शुल्क जांच कर योग्य लाभार्थियों को एड्स एवं अप्लायंसेज, कृत्रिम अंग, हेड किट्स, कैलिपर्स, हैंड ग्रिप्स आदि की सेवा प्रदान की जाएगी। शिविर में आवश्यकतामंद रोगियों के लिए नि:शुल्क डायलिसिस की भी सेवा उपलब्ध कराई जाएगी। शिविर में रोगी अपने साथ चिकित्सा के पूर्व रिकार्ड अवश्य लाएं, ताकि उनका उचित परामर्श किया जा सके। शिविर में नाम पंजीकरण शिविर स्थल पर सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक किया जाएगा, जबकि शिविर दोपहर 2 बजे तक जारी रहेगा। अधिक जानकारी के लिए शिविर के संयोजक प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, सुरेन्द्र गोयल, सुरेश जोशी, सुधाकर जोशी, विक्की जोशी, शंकरलाल यादव, घनश्याम यादव से संपर्क किया जा सकता है।

कृष्ण कुमार ठाकुर ने एनएमडीसी के निदेशक (कार्मिक) का पदभार ग्रहण किया

हैदराबाद, 20 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय रेलवे कार्मिक सेवा (आईआरपीएस) के 1998 बैच के अधिकारी श्री कृष्ण कुमार ठाकुर ने भारत के सबसे बड़े लौह अयस्क उत्पादक एनएमडीसी लिमिटेड में निदेशक (कार्मिक) के रूप में गुरुवार को कार्यभार संभाला।भारतीय रेलवे और केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में ढाई दशक की सेवा के साथ श्री ठाकुर मानव संसाधन प्रबंधन और प्रशासन का व्यापक अनुभव रखते हैं। आपने सोलापुर, भोपाल और मुंबई सहित प्रमुख रेलवे डिवीजनों में महत्वपूर्ण मानव संसाधन कार्यों को संभाला है, और पश्चिमी रेलवे के भर्ती प्रकोष्ठ के अध्यक्ष के रूप में बड़े पैमाने पर भर्ती का नेतृत्व किया है, जिसमें लगभग 12,000 कर्मचारियों की भर्ती की गई है। आपके नेतृत्व में बड़े पैमाने पर भर्तियां करने, जटिल औद्योगिक संबंधों का प्रबंधन तथा उत्पादकता और कर्मचारी कल्याण को बढ़ाने के उद्देश्य से प्रगतिशील मानव संसाधन पहलें प्रारम्भ की गई हैं।राइट्स(आरआईटीईएस) में अपने कार्यकाल के दौरान, वह सऊदी अरब में एक अंतरराष्ट्रीय ट्रेन संचालन परियोजना से जुड़े थे। उन्होंने कोंकण रेलवे कॉर्पोरेशन लिमिटेड (केआरसीएल) में मानव संसाधन विभाग का नेतृत्व भी किया, जहां आपने मानव संसाधन नीतियों और प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। एनएमडीसी में कार्य ग्रहण करने से पूर्व, बीएचईएल में निदेशक (एचआर) के रूप में, श्री ठाकुर ने एचआर, विधि और एचएसई में कई पहलों का नेतृत्व किया, जिसमें कार्यप्रणालियों का पुनर्गठन, नीतिगत सुधार, एक समान प्रोत्साहन योजना की शुरुआत, और कार्यबल की क्षमता बढ़ाने और उन्हें कंपनी में बनाए रखने के लिए बहु-कौशल पहल शामिल हैं। आपने कामगारों की तैनाती में गतिशीलता को बढ़ाने, और उसे बनाए रखने के लिए श्रम शेड के मानक दिशानिर्देश जारी किए गए। आपने तिलका मांझी विश्वविद्यालय, भागलपुर से साहित्य में स्नातकोत्तर की उपाधि प्राप्त की है और टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज (टीआईएसएस) से मानव संसाधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडीएम-एचआर) किया है।

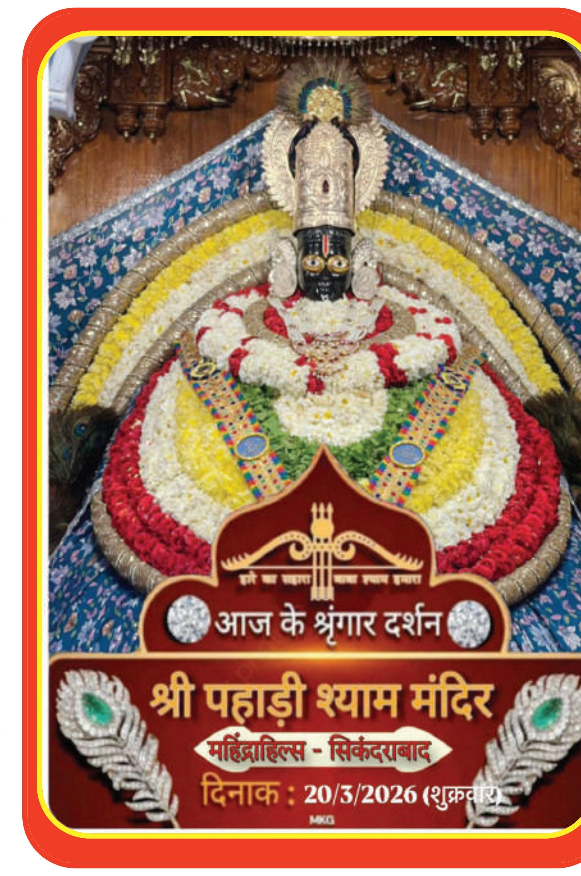

भाग्यनगर श्रीराम नवमी की भव्य शोभायात्रा 27 को

सीताराम बाग मंदिर से प्रारंभ होकर शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरेगी शोभायात्रा -उज्जैन से आचार्य स्वामीजी करेंगे संबोधन

हैदराबाद, 20 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। भाग्यनगर श्रीराम नवमी उत्सव समिति के अध्यक्ष डॉ. भगवंत राव ने उगादि नववर्ष की शुभकामनाएं देते हुए बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी 27 मार्च को श्रीराम नवमी के अवसर पर भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। यह शोभायात्रा सीताराम बाग मंदिर में श्रीराम एवं सीताजी के कल्याणोत्सव के पश्चात दोपहर 12:30 बजे विभिन्न आकर्षक झांकियों के साथ प्रारंभ होगी।

शहर के प्रमुख मार्गों से होकर निकलेगी शोभायात्रा

शोभायात्रा सीताराम बाग मंदिर से आरंभ होकर भोईगुड़ा कमान, मंगलहाट, जाली हनुमान मंदिर, पुराना पुल गांधी पुतला, जुमेरात बाजार, बेगम बाजार छतरी, बर्तन बाजार, सिद्धिअंबर बाजार, शंकर शेर होटल, गौलीगुडा राम मंदिर से होते हुए कोठी आंध्रा बैंक के पास संपन्न होगी।

23 मार्च को सरकारी विभागों के साथ बैठक

डॉ. भगवंत राव ने बताया कि शोभायात्रा के सुचारु आयोजन के लिए 23 मार्च को संबंधित सरकारी विभागों के साथ बैठक आयोजित की जाएगी, जिसमें यात्रा मार्ग एवं व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा कर संभावित समस्याओं का समाधान किया जाएगा।

2010 से निरंतर निकाली जा रही है शोभायात्रा

समिति के महामंत्री गोविंद नारायण राठी ने बताया कि भाग्यनगर श्रीराम नवमी उत्सव समिति का कार्यालय उद्घाटित किया जा चुका है तथा वर्ष 2010 से समिति द्वारा शोभायात्रा भव्यता के साथ निकाली जा रही है। उन्होंने श्रद्धालुओं से अपील की कि वे 27 मार्च को सीताराम बाग मंदिर में आयोजित कल्याणोत्सव में उपस्थित होकर उसके पश्चात शोभायात्रा में शामिल हों।

गणमान्य व्यक्तियों ने की अधिक से अधिक सहभागिता की अपील

इस अवसर पर भाजपा के वेंकट रेड्डी, भाजपा नेता उमा महेन्द्र, अरुणा ज्योति, पूर्व पार्षद लाल सिंह एवं वैकुंठम सहित अन्य वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त करते हुए श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने का आग्रह किया। कार्यक्रम का संचालन श्रीराम व्यास ने किया, जबकि आभार वेंकटय्या ने व्यक्त किया। इस अवसर पर महेंद्र व्यास, बाबू गुरु करोड़ीमल नरसिंगपुरिया, उमा महेंद्र, लाल सिंह, अरुणा ज्योति, वाई. कृष्णा, शांति अक्का, नटराज, नारायण, सारदा नरसिम्हा, जुगल सोनी, संतोष, विपिन रामावत, मनोज जायसवाल, मीनाक्षी सिखवाल, संदीप शर्मा, आश्विन, रमेश यादव, बालास्वामी, पवन कुमार, विनोद सिंह, दुर्गा मोहन गौड़ा सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे।

आगामी 27 मार्च को होने वाले श्री सीतारामा कल्याण महोत्सव के संदर्भ में चुडीबाजार स्थित महादेव हनुमान मंदिर में बैठक आयोजित की गई। जिसमें कुमार पंडित, पी. गोपाल राव, सुनील साहू, पवन कुमार, डी. राजेंद्र, देवेंद्र, अनिल कुमार, कमल महाराज, महेंद्र, राजेंद्र एवं अन्य ने भाग लिया।

गौ सम्मान आह्वान अभियान में सहभागिता के लिए संतों व गौभक्तों का जनसंपर्क अभियान

हैदराबाद, 20 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। आगामी 27 अप्रैल को आयोजित होने वाले गौ सम्मान आह्वान अभियान में अधिक से अधिक सहभागिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से शहर के विभिन्न धार्मिक स्थलों एवं क्षेत्रों में गौभक्तों द्वारा जनसंपर्क अभियान चलाया गया।

इस अभियान के तहत टी.टी.डी. धर्मप्रचार बोर्ड के पूर्व सदस्य स्वामी कमलेश महाराज, पूरानापुल अखाड़ा के महंत योगी प्रशांतदास महाराज तथा जगन्नाथ मठ, सीतारामबाग के महंत अच्युत रामानुजाचार्य ने श्रद्धालुओं से मुलाकात कर उन्हें गौ सम्मान आह्वान अभियान में भाग लेने का आग्रह किया।अभियान के दौरान देवीस्वीकृती, कांता अग्रवाल, रमेश मोदानी तथा शक्ति गणपति मंदिर, रामकोट सहित विभिन्न क्षेत्रों में भक्तवृंद से संपर्क कर गौ सेवा एवं संरक्षण के महत्व को समझाया गया और उन्हें 27 अप्रैल के कार्यक्रम में उपस्थित रहने का निवेदन किया गया।

इस जनसंपर्क अभियान में लव फॉर काऊ फाउंडेशन के जसमत पटेल एवं रिद्धीश जागीरदार सहित अन्य कार्यकर्ता सक्रिय रूप से शामिल रहे और उन्होंने अभियान की रूपरेखा व उद्देश्य की जानकारी देते हुए अधिकाधिक जनभागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया।

वारिसगुड़ा महिला मण्डल द्वारा आयोजित गणगौर कार्यक्रम में श्रीगोपाल लड्डा, गोविन्द सोमानी, कमल चौहानश भंवरलाल राठौड तथा विष्णु मूंदड़ा का सम्मान महिला मंडल के पदाधिकारीयो द्वारा किया गया।

Manav Seva
Madhav Seva
Badrivishal Pannalal Pitti Trust
Agarwal Seva Dal
in coordination with
MAA VAISHNO DEVI JAGRAN MANDAL, HYDERABAD
Organises
163rd Camp
MEGA MEDICAL CAMP
FREE
In Associates with
LCH Sadhuram Eye Hospital, Domalguda, Hyd.
Medicover Hospital, Hi-Tech City, Hyd.
SHRI BHAGWAN MAHAVEER VIKLANG SAHAYATA SAMITI, Hyderabad
Free Aids & Appliances
Artificial Limbs | Hand Kits
Callipers | Hands
Specialities at the Camp
• EYE CHECKUP (FREE CATARACT SURGERY & OPTICALS TO THE NEEDY)
• GENERAL PHYSICIAN DR.AKHILS CLINIC (PURANDAS RANCHHODDAS)
DR. AKHIL SUGANDHI, (RHEUMATOLOGY) &
DR. MEENAL KHIRAIYA SUGANDHI (MBBS DIPLOMA BIABETES)
• PHYSIOTHERAPY (BAJAJ PHYSIO CARE, DR. MEETA BAJAJ)
• DENTAL (SNR DENTAL, DR.S TEJESSWI, NAVNEET RAJ, DR.S NIKHIL RAJ)
• PEDIATRICS (DR. PIYUSH'S PEDIATRIC CLINIC, DR. PIYUSH AGARWAL, MBBS, MD)
• ORTHOPAEDIC • CARDIOLOGY
• ECG / 2D ECHO / BMD • RBS / BP CHECKUP
शनिवार 21 मार्च 2026
शिविर : शाम 6.00 बजे से रात 11.00 बजे तक
VENUE :
EXHIBITION GROUNDS
Nampally, Hyderabad
Registration for Medical Camp till 6.00 pm to 8.00 pm only
"Please bring along your past health records, if available, for a detailed evaluation."
शिविर में जरूरतमंद रोगियों के लिए नि:शुल्क डायलिसिस की सेवा भी उपलब्ध करवायी जायेगी।
: संयोजक :
प्रदीप अग्रवाल 9246504222 | सुधीर गुप्ता 9550522277 | सुरेन्द्र गोयल 9866493222 | आशीष दोचानिया 9849118900 | आचल गुप्ता 9849009783 | नवीन अग्रवाल 9848014311
माँ वैष्णो देवी जागरण मण्डल, हैदराबाद द्वारा आयोजित
माँ वैष्णो देवी का विशाल जागरण
माँ वैष्णो देवी मंदिर
AGROHA BANK
AGROHA CO-OPERATIVE URBAN BANK LTD.
Opp. High Court, Rikabgunj, Hyderabad - 500002 Ph-040-24511322, 7093326428
2 years 9.00%
Senior Citizen 9.50%

सेवा ही सच्ची भक्ति, मानवता का सबसे बड़ा धर्म : राम प्रकाश अग्रवाल

हैदराबाद, 20 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद के नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन पिलर नंबर 1265 ए के पास राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नियमित अन्नदान कार्यक्रम का भावपूर्ण आयोजन किया गया। इस पुनीत सेवा कार्य के माध्यम से जरूरतमंद, असहाय और भूखे लोगों को भोजन वितरित कर मानवता की सच्ची मिसाल पेश की गई।

कार्यक्रम के दौरान जब जरूरतमंदों के चेहरों पर संतोष और मुस्कान दिखाई दी, तो वह दृश्य हर किसी के मन को भावुक कर गया। सेवा में जुटे सदस्यों ने पूरी श्रद्धा और समर्पण के साथ अन्नदान किया, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि सच्ची सेवा वही है, जो निस्वार्थ भाव से की जाए। इस अवसर पर राम प्रकाश अग्रवाल ने कहा कि भूखे को भोजन कराना सबसे बड़ा पुण्य है और यही सच्ची भक्ति का मार्ग भी है। जब तक समाज में कोई भी व्यक्ति भूखा है, तब तक हमारा यह सेवा प्रयास निरंतर चलता रहेगा।

उन्होंने आगे कहा कि राधे-राधे ग्रुप का उद्देश्य केवल भोजन वितरण करना नहीं, बल्कि समाज में प्रेम, करुणा और एकता का संदेश फैलाना भी है। इस तरह के सेवा कार्य हमें यह याद दिलाते हैं कि हम सभी एक-दूसरे के सहायक बनकर ही समाज को बेहतर बना सकते हैं।

कार्यक्रम में उपस्थित सभी सदस्यों ने एकजुट होकर सेवा कार्य को सफल बनाया और भविष्य में भी इसी तरह निरंतर जरूरतमंदों की सहायता करने का संकल्प लिया। अंत में सभी ने यह प्रण लिया कि मानव सेवा के इस पावन कार्य को और अधिक व्यापक रूप देकर अधिक से अधिक लोगों तक सहायता पहुंचाई जाएगी।

हिल रिज स्प्रिंग गच्चीबावली में नवरात्रि उगादि के अवसर पर माता रानी के भजन संध्या का कार्यक्रम धूमधाम से संपन्न हुआ। जिसमें श्रीराम, कृष्ण, माता रानी के भजनों का आनंद ढोलक, मंजीरा , संगीतमय वातावरण में लिया गया। जिसमें भजन के साथ भक्ति नाचते गाते देखे गए। जिसमें गीता अग्रवाल, आशा अग्रवाल, कमलेश अग्रवाल, मंजू शर्मा, वीना मदान, झांसी मुदी रेडी, मैत्री धूमे, लछमी ममतानी, सरस्वती भारद्वाज, स्वाति गुप्ता, लक्ष्मी बालाजी, सविता, ज्योत्सना, जयश्री, मालती, रेनू सूद, अंजना वशिष्ठ, श्रीदेवी, जया,निर्मला गुप्ता ,राज मथुर, झेलम, के पी अग्रवाल, राजेश अग्रवाल, सुरेश अग्रवाल, रोशन मदान , परीक्षित गोयल, की उपस्थिति में चार चाँद लगाए। तत्पश्चात प्रसादम वितरित किया गया।

दीक्षार्थी मोहित कुमार हरण का भव्य स्वागत

आचार्य अजितशेखरजी महाराजा की पावन निश्रा में 21 जून को गिरनारजी में प्रस्तावित है दीक्षा

हैदराबाद, 20 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। आध्यात्मिक वातावरण के बीच दीक्षार्थी मोहित कुमार हरण का रसूलपुरा स्थित तातेड निवास में आगमन हुआ, जहां परिवार एवं समाजजनों द्वारा उनका भव्य स्वागत किया गया। यह जानकारी रमेश पी. तातेड ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी।मोहित कुमार हरण मूलतः राजस्थान के सिरोही निवासी हैं तथा चेन्नई के पूजाबेन एवं अमरचंद हरण के सुपुत्र हैं। उनकी दीक्षा आचार्य भगवंत श्रीश्रीश्री अजितशेखरजी महाराजा मा. सा. की पावन निश्रा में आगामी 21 जून को श्री गिरनारजी महातीर्थ पर प्रस्तावित है।

दीक्षार्थी के स्वागत के अवसर पर तातेड निवास में विशेष आध्यात्मिक एवं उत्साहपूर्ण वातावरण रहा। उपस्थित परिवारजनों और समाज के लोगों ने स्नेहपूर्वक उनका अभिनंदन करते हुए नारियल, फूलमाला एवं तिलक से सम्मान किया और उनके दीक्षा मार्ग के लिए शुभकामनाएँ दीं।

इस अवसर पर पुष्पादेवी जैन, रत्न रमेश, गुणवंतीबेन, पुखराजजी तातेड परिवार (सिरोही), रितेश-पूनम, तपन-रीना, हिया, जिनय, एतांश, हरित, क्रिश हरण, रीना चौहान, सविताबेन सिंघी, ऊषा सिंघी, मंजू-नरपत सिंघी, जैना, रैना एवं एशा सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे और उन्होंने दीक्षार्थी को आशीर्वाद प्रदान किया।

मानवता की मिसाल पेश कर रहा राधे-राधे ग्रुप : जगत नारायण अग्रवाल

हैदराबाद, 20 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो) । राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में शुक्रवार को बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने नियमित अन्नदान (अनुदान) कार्यक्रम का भव्य एवं प्रेरणादायक आयोजन किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में जरूरतमंदों को भोजन वितरित कर सेवा, समर्पण और मानवता का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम के दौरान जरूरतमंद लोगों के चेहरों पर संतोष और खुशी साफ झलक रही थी। राधे-राधे ग्रुप के सदस्यों ने पूरे समर्पण भाव के साथ अन्न वितरण कर यह संदेश दिया कि समाज में हर व्यक्ति की जिम्मेदारी है कि वह जरूरतमंदों की मदद के लिए आगे आए।

इस अवसर पर ग्रुप के संयोजक जगत नारायण अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा कि यह सेवा कार्य किसी एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि हम सभी के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप आज एक परिवार की तरह बन चुका है, जो निरंतर सेवा के कार्यों के माध्यम से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का कार्य कर रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि भविष्य में इस सेवा अभियान को और अधिक व्यापक स्तर पर ले जाने की योजना है, ताकि अधिक से अधिक जरूरतमंदों तक सहायता पहुंचाई जा सके।

कार्यक्रम में शिव भगवान, राजेश सर (योगा), विनोद तोशनीवाल, अरुण विजयवर्गी, अनिल अग्रवाल,गोविंद राम पचेरिया, नीलम विजयवर्गी, लता गोयल, अर्चना शर्मा एवं रेनू गुप्ता सहित अनेक सेवाभावी सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर पूरे अनुशासन और समर्पण के साथ कार्यक्रम को सफल बनाया।

कार्यक्रम के अंत में सभी सदस्यों ने सेवा कार्य को निरंतर जारी रखने का संकल्प लिया और समाज के अन्य लोगों से भी इस पुनीत कार्य में जुड़कर मानवता की सेवा करने की अपील की। यह आयोजन न केवल जरूरतमंदों के लिए सहारा बना, बल्कि समाज में एक सकारात्मक संदेश भी छोड़ गया कि मिल-जुलकर किया गया प्रयास ही सच्चे अर्थों में बदलाव ला सकता है।

साधु वासवानी मिशन में मनाया गया चेटीचंड, सिंधी नववर्ष

पुणे, 20 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। साधु वासवानी मिशन, पुणे में चेटीचंड, सिंधी नववर्ष, बड़े ही श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। सिंधी समुदाय के सदस्य और शुभचिंतक बड़ी संख्या में एक ऐसे कार्यक्रम के लिए एकत्रित हुए, जो जितना उत्सवपूर्ण था, उतना ही आध्यात्मिक भी।

कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक स्वागत से हुई, जिसमें अतिथियों का गुलाब जल से अभिनंदन किया गया और उन्हें सिंधी टोपियां भेंट की गईं, जिससे एक सांस्कृतिक माहौल निर्मित हुआ। परिसर को लाल और सफेद रंगों से सजाया गया था, जो उत्सव और शांति दोनों का प्रतीक था। प्रवेश द्वार पर सुंदर मंदिरनुमा सजावट के बीच स्थापित सिंधी देवता भगवान झूलेलाल की सुसज्जित प्रतिमा आकर्षण का केंद्र रही, जहां श्रद्धालुओं ने दर्शन कर प्रार्थना की। कार्यक्रम में प्रसिद्ध सिंधी गायिका काजल चंदीरामानी द्वारा प्रस्तुत भावपूर्ण सिंधी लोकगीतों ने भक्ति का वातावरण निर्मित किया। इसके साथ ही साधु वासवानी मिशन की वैश्विक प्रमुख दीदी कृष्णा कुमारीजी का लाइव प्रवचन कार्यक्रम में गहराई और चिंतन लेकर आया। अपने संदेश में दीदी कृष्णा कुमारीजी ने भाईचारे का आह्वान किया और विश्व शांति के लिए प्रार्थना करते हुए सभी से प्रेम और सद्भाव फैलाने तथा अपने जीवन में 'प्यार के दूत' बनने का आग्रह किया। कार्यक्रम में शामिल एक प्रतिभागी, श्रुस्ती, जो पुणे की निवासी नहीं थीं और पहली बार इस उत्सव में शामिल हुईं, ने कहा, यह एक अत्यंत जीवंत और आनंदमय उत्सव है, जिसमें संगीत, भक्ति और जीवन में अपनाने योग्य अनेक सार्थक संदेश हैं। यह अवसर गुड़ी पड़वा के साथ भी संयोगवश एक ही दिन आया, जो महाराष्ट्र का नववर्ष है। दोनों पर्वों का एक साथ मनाया जाना पुणे की सांस्कृतिक समरसता को दर्शाता है, जहां विविध परंपराएं एक साथ फलती-फूलती हैं।

चेटी चंड का यह उत्सव केवल एक पर्व नहीं, बल्कि आनंद, आत्मचिंतन और एकता का साझा अनुभव बनकर उभरा, जिसने सभी उपस्थित लोगों के मन को प्रसन्नता और अपनत्व की भावना से भर दिया।

वीरांगना रानी अवंती बाई लोध का 168वां बलिदान दिवस लोध क्षत्रिय समाज द्वारा रानी अवन्ती बाई लोध चौक जुमेरात बाजार धूलपेट में आयोजित किया गया। इस अवसर पर पार्षद लाल सिंह, भाजपा गोलकोण्डा जिला अध्यक्ष टी. ऊमा महेंद्र, एन. रमेश सिंह, बी. कमल सिंह, शंकर सिंह, नरेंद्र सिंह, पुष्पराज, रविंदर सिंह, संदीप राज सिंह, अमर दीप सिंह एवं अन्य उपस्थित थे।

लोधा में समाज सेवी नीता के जन्मदिन पर उपस्थित भाजपा नेता सपना गुप्ता, मधु, अंजु, सुनीता, रेखा, बीना, तेतु, सोनिया व अन्य।

ज्ञानबाग कॉलोनी प्रभात फेरी मंडल का 11वां वार्षिक उत्सव आयोजित

उगादी से प्रारंभ हुई प्रभात फेरी की परंपरा, 300 से अधिक श्रद्धालुओं ने लिया भाग

हैदराबाद, 20 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। ज्ञानबाग कॉलोनी प्रभात फेरी मंडल द्वारा पिछले दस वर्षों से नियमित रूप से प्रतिदिन प्रभात फेरी निकाली जा रही है। इसी क्रम में उगादी के अवसर पर प्रारंभ हुई इस धार्मिक परंपरा का 11वां वार्षिक उत्सव आज प्रातः श्रद्धा और उत्साह के साथ आयोजित किया गया।

प्रातः 7 बजकर 1 मिनट पर गायत्री पूजन-अर्चना के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर गौभक्त जगदीश प्रसाद उपाध्याय बिकावत गौमाता के साथ उपस्थित रहे। मंडल के कन्हैयालाल ओझा एवं उनके साथियों द्वारा विधिवत गौपूजा की गई, जिसके पश्चात प्रभात फेरी प्रारंभ हुई।

प्रभात फेरी मंडल के प्रमुख धर्मपुरुष श्री गोकुलचंद उपाध्याय के सान्निध्य में निकली विराट प्रभात फेरी कॉलोनी के विभिन्न मार्गों से होती हुई लगभग डेढ़ घंटे बाद पुनः माधव निवास पहुंची। वहां उपस्थित भक्तों के लिए पेय पदार्थ एवं फल की व्यवस्था की गई थी। इस अवसर पर पुराना पुल मंदिर स्थित उदासीन मठ के महंत ने प्रभात फेरी की परंपरा और उसके धार्मिक महत्व पर विस्तृत जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम में 300 से अधिक महिला एवं पुरुष श्रद्धालु उपस्थित रहे।सिखवाल समाज के रामदेव नागाला ने हर्ष व्यक्त करते हुए सभी को नववर्ष संवत 2083 की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने मंडल के प्रमुख गोकुलचंद उपाध्याय, कन्हैयालाल ओझा एवं मंडल से जुड़े सभी सदस्यों की सराहना करते हुए ऐसे धार्मिक कार्यों को निरंतर बढ़ावा देने के लिए बधाई दी।

दाहिमा समाज द्वारा चैत्र नवरात्रि महोत्सव प्रारम्भ

हैदराबाद, 20 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। दाहिमा समाज (रजि.) के द्वारा दाहिमा युवा मंच एवं दाहिमा महिला मण्डल के संयुक्त तत्वावधान में 'चैत्र नवरात्रि महोत्सव 2026' का आयोजन गुरुवार 19 मार्च से गुरुवार 26 मार्च तक चूडी बाजार स्थित दाहिमा मन्दिर में किया जायेगा। उक्त जानकारी यहाँ जारी एक प्रेस विज्ञप्ति मंत्री सत्यप्रकाश डोबा द्वारा दी गई ।

संवत् 2083 चैत्र प्रतिपदा उगादी पर्व के अवसर पर मध्याह्न 11:15 बजे चूडी बाजार स्थित दाहिमा मंदिर में अध्यक्ष सुरेश गाँधी दम्पत्ति एवं कार्यक्रम मुख्य यजमान गोपाल मुकेश सूँठवाल परिवार द्वारा घट स्थापना की गई तत्पश्चात दुर्गा सप्तसति पाठ किया गया । सम्पूर्ण कार्यक्रम आचार्य लोकेश दाधिच करेशिया के आचार्यत्व मे सम्पन्न हुए । नवरात्रि महोत्सव के प्रथम दिवस दाहिमा महिला मण्डल द्वारा सायं 5:01 बजे ज्ञानबाग कॉलोनी स्थित शंकरलाल सुरेन्द्र आचार्य डोबा के निवास स्थान से गणगौर शोभा यात्रा बाजे-गाजे के साथ प्रारम्भ होकर चूडी बाजार स्थित दाहिमा मंदिर पहुँची । तत्पश्चात महिलाओं द्वारा ईसरजी, गौराजी की पूजा-अर्चना की गई । रात्रि 7:31 बजे से राजेश शर्मा (तिवारी) द्वारा भजन संध्या का कार्यक्रम प्रस्तुत किया । दाहिमा समाज द्वारा राजस्थानी परम्परानुसार मुख्य भजन गायक राजेश शर्मा (तिवारी) का साफा एवं पुष्पहार द्वारा सम्मान किया गया । नवरात्रि महोत्सव अन्तर्गत नित्य प्रातः 9:01 बजे दुग्धाभिषेक, मध्याह्न 1:31 बजे दुर्गा सप्तशती पाठ, सायं 6:31 बजे कुंकुम अर्चना, रात्रि 8:31 बजे भजन-संकीर्तन एवं रात्रि 10:31 शयन आरती की जायेगी ।अवसर पर अध्यक्ष सुरेश गाँधी, उपाध्यक्ष रमेश गाँधी खेमचंद करेशिया, मुख्य यजमान गोपाल मुकेश सूँठवाल परिवार, मंत्री सत्यप्रकाश डोबा, सुरेश खटोड़, नन्दकिशोर काकड़ा, गिरीराज मिश्र, श्यामसुन्दर तिवारी (एलआईसी), पवन जोपट, मधुसूदन गोटेचा, बाबुलाल खटोड़, राधेश्याम गोठड़ीवाल, महेश व्यास, मुरलीमनोहर तिवारी, संजयकुमार तिवारी, सागर जोपट, नवनीत खटोड़, संदीप जोपट, राजेन्द्र बोरायडा, श्यामसुन्दर तिवाड़ी, बाबुलाल खटोड़, भंवरलाल रिणवा, राजगोपाल व्यास, दूलीचन्द तिवारी, कैलाश रिणवा, दामोदर तिवारी, शरद खटोड़, राधेश्याम डोबा, सागर गाँधी, मनीष गाँधी, गोपाल काकडा, अनिल रतावा, अभिलाष गाँधी, लक्ष्मीनिवास भेडा, गोपाल डोबा 'पाल', गोपाल खटोड, पूनम सूँठवाल, हरीश काकडा, किरण डोबा, सारिका तिवारी, श्रीकान्ता जोपट व्यास, अर्चना गाँधी, नीतू डोबा, ममता नामावाल, संतोष व्यास, ज्योति नामावाल, जयश्री कंठतिवाड़ी, बबीता चीपड़ा, मीनाक्षि व्यास, चँदा काकडा, जयश्री बोरायडा, रिद्धि गाँधी, प्रियंका गाँधी, प्रेमलता तिवारी, अंकिता तिवारी, कलावती काकडा, दुर्गा तिवारी, मीना तिवारी, स्नेहा तिवारी, राधा डोबा, सुनयना तिवारी, सुमन तिवारी, अनिता शर्मा, वंदना शर्मा, तनुजा व्यास, रूप दाहिमा, वैष्णवी दाहिमा के अतिरिक्त दाहिमा युवा मंच एवं दाहिमा महिला मण्डल के सदस्य एवं अन्य उपस्थित थे ।

नवरात्रि महोत्सव के संयोजक रमेश गाँधी, श्यामसुन्दर तिवारी, पवन जोपट एवं रमेश तिवारी ने सभी समाज बन्धुओं से नवरात्रि महोत्सव अन्तर्गत आयोजित समस्त कार्यक्रमों में सपरिवार पधारकर धर्म लाभ प्राप्त करने का आग्रह किया है ।

जीडिमेट्ला स्थित सीरवी समाज मंदिर (बडेर) में आयोजित चैत्र नवरात्रि महोत्सव में हवन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बडेर उपाध्यक्ष सोहनलाल परिहार, सचिव प्रेम पंवार,अर्जुनलाल बर्फा, देवाराम बर्फा, मोहनलाल काग, सुरेश मुलेवा, सुनिल बर्फा, महिला मंडल की गंगा बाई बर्फा, शांति देवी काग,सुनीता बर्फा, ममता मुलेवा व अन्य उपस्थित थे।

शमशाबाद स्थित श्री आई माता मंदिर (बडेर) में चैत्र नवरात्रि के प्रथम दिन आयोजित हवन व पूजा कार्यक्रम में उपस्थित अध्यक्ष आशाराम गेहलोत, सचिव भोलाराम पंवार, कोषाध्यक्ष राजुराम परिहार, भुराराम परिहार, मोहनलाल बर्फा , पंडित निलेश महाराज ,महिला मंडल तीजादेवी गेहलोत , संतोष देवी परिहार, लक्ष्मी बर्फा व अन्य।

अग्रवाल समाज मलकपेट शाखा का मासिक अन्नाप्रसाद कार्यक्रम सम्पन्न

हैदराबाद, 20 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज मलकपेट शाखा के तत्वावधान में प्रतिमाह आयोजित होने वाला मासिक अन्नाप्रसाद कार्यक्रम इस माह भी गंज स्थित अग्रसेन हॉल के पास अत्यंत सुव्यवस्थित एवं सेवा भाव के साथ संपन्न हुआ। इस पावन सेवा कार्य में लगभग 650 लोगों ने अन्नप्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ प्राप्त किया।कार्यक्रम के दौरान शाखा के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने सक्रिय रूप से भाग लेते हुए भोजन वितरण की व्यवस्था को सुचारु रूप से संचालित किया और उपस्थित लोगों की सेवा की।इस सेवा आयोजन में शाखा उपाध्यक्ष अशोक अग्रवाल, सचिव प्रदीप बंसल, सह मंत्री शैलेश अग्रवाल, कोषाध्यक्ष सत्यनारायण मोदी, केंद्रीय समिति सदस्य सुरेश पटवारी, परामर्शदाता महावीर प्रसाद अग्रवाल, लाजपत राय गुप्ता, हरिश्चंद्र बजाज, सतीश बंसल, सुरेश गोयल, गोपाल मोदी तथा जितेंद्र गोयल ने सक्रिय सहभागिता निभाई और सेवा कार्य में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया।अग्रवाल समाज मलकपेट शाखा द्वारा नियमित रूप से किए जा रहे इस प्रकार के सेवा कार्यों की समाज में सराहना की जा रही है तथा इसे सामाजिक एकता एवं सेवा भावना का प्रेरणादायक उदाहरण माना जा रहा है।

कोरेमुला स्थित श्री आई माता मंदिर (बडेर) में चैत्र नवरात्रि के प्रथम दिन आयोजित हवन व पूजा कार्यक्रम में अध्यक्ष कालुराम काग, सुरेश लचेटा, पंडित बाबूलाल शर्मा, संपत शर्मा, पुजारी पोकरराम काग, नगाराम काग, महिला मंडल कंचन देवी काग, कविता देवी लचेटा, सुनिता काग व अन्य भाग लिया।

रामकोट स्थित कच्छी भवन में क.वि.ओ समाज के कोषाध्यक्ष हरेश देढ़िया एवं स्मिता देढ़िया की सुपुत्री चि. उर्वी संग चि.अक्षय के सत्कार समारोह में उपस्थित अचलगच्छ जैन संघ के चेयरमैन रमणिकलाल नागड़ा, कच्छी मित्र मंडल के सचिव पंकज सावला, गुजराती प्रगति समाज के दिनेश गोसर, लव फॉर काउ फाइंडेशन के रिद्धिश जागीरदार, नियापो मासिक के संपादक निलेश छेड़ा, इन्दिरा गोसर और अन्य।

दिलसुखनगर में कविता ज्वेलर्स एंड पर्ल्स के नए भव्य शोरूम का उद्घाटन

हैदराबाद, 20 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। शहर के प्रमुख व्यापारिक क्षेत्र दिलसुखनगर में शुक्रवार को आभूषण और उपहार प्रेमियों के लिए एक नया गंतव्य जुड़ गया है। कविता ज्वेलर्स एंड पर्ल्स ने अपने नए शोरूम हाउस ऑफ जर्मन सिल्वर एंड गिफ्ट आर्टिकल्स का भव्य शुभारंभ किया। इस नए केंद्र में कलात्मकता और आधुनिकता का अनूठा संगम देखने को मिल रहा है।

शोरूम का औपचारिक उद्घाटन शुक्रवार दि. 20 मार्च 2026 को मुख्य अतिथि प्रमोद कुमार जी केडिया (अधिवक्ता) द्वारा किया गया। उद्घाटन समारोह में शहर की कई गणमान्य हस्तियां उपस्थित रहीं। बता दें कि श्री केडिया अग्रसेन बैंक के चेयरमैन होने के साथ-साथ अग्रवाल शिक्षा समिति के अध्यक्ष के रूप में भी समाज में प्रतिष्ठित हैं। उनके हाथों शोरूम का शुभारंभ होने से संचालकों में भारी उत्साह देखा गया।

नया शोरूम विशेष रूप से जर्मन सिल्वर के प्रीमियम कलेक्शन के लिए डिजाइन किया गया है। ग्राहकों के लिए यहाँ - प्रीमियम जर्मन सिल्वर वस्तुएं: पूजा और सजावट के लिए उत्कृष्ट वस्तुएं, हर अवसर के लिए खास और यूनिक गिफ्ट आइटम्स। आधुनिक और पारंपरिक डिजाइनों का सुंदर मेल और उच्च गुणवत्ता वाले पर्ल्स और बीड्स का विशाल संग्रह।

कार्यक्रम के अंत मेंराजेंद्र शर्मा एवं श्रीमती कविता शर्मा, ललित कुमार शर्मा और मनीष कुमार शर्मा ने आए हुए सभी अतिथियों का स्वागत किया और उनके प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि ग्राहकों के विश्वास ने ही उन्हें इस नए शोरूम के विस्तार की प्रेरणा दी है और वे आगे भी अपनी गुणवत्ता और सेवा बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

निस्वार्थ सेवा से मानवता को नई दिशा: सुभाष अग्रवाल

हैदराबाद, 20 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप, हैदराबाद के तत्वावधान में शुक्रवार को इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के सामने स्थित केबीआर पार्क पर सेवा और समर्पण के भाव से अन्नदान कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस पुनीत कार्य के माध्यम से जरूरतमंद और असहाय लोगों को भोजन वितरित कर मानवता का सच्चा संदेश दिया गया।

कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में लोगों ने भोजन ग्रहण किया और राधे-राधे ग्रुप के इस प्रयास की सराहना की। इस अवसर पर मनीष अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल एवं हिंदुजा परिवार सहित अन्य गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ सेवा कार्य में भाग लिया।

इस मौके पर सुभाष अग्रवाल ने कहा कि सेवा का भाव ही जीवन का सबसे बड़ा उद्देश्य होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि जब हम किसी जरूरतमंद की सहायता करते हैं, तो वह केवल एक कार्य नहीं बल्कि एक पुण्य का कार्य होता है, जो समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाता है। उन्होंने सभी से अपील की कि वे आगे बढ़कर ऐसे सेवा कार्यों में भाग लें और समाज के कमजोर वर्ग की मदद करें।

राधे-राधे ग्रुप के सदस्यों ने बताया कि उनका यह अन्नदान कार्यक्रम नियमित रूप से जारी रहेगा और भविष्य में भी वे इसी प्रकार समाज सेवा के कार्यों के माध्यम से लोगों के जीवन में खुशियां लाने का प्रयास करते रहेंगे। इस आयोजन ने एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया कि सच्ची सेवा ही मानवता की सबसे बड़ी पहचान है।

पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल का 163वां नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आज

हैदराबाद, 20 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल द्वारा मां वैष्णो देवी जागरण मंडल के सहयोग से 163वां निशुल्क मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर शनिवार, 21 मार्च को शाम 6 बजे से नामपल्ली स्थित एग्जीबिशन ग्राउंड में आयोजित किया जाएगा।

अग्रवाल सेवा दल के अजीत गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, शिविर में मेडिकवर अस्पताल, हाईटेक सिटी द्वारा हड्डी, हृदय, ईसीजी, 2डी इको, बीएमडी, आरबीएस, रक्तचाप एवं सामान्य चिकित्सा संबंधी सेवाएं प्रदान की जाएंगी।

नेत्र जांच की व्यवस्था एल-सीएच साधुराम आई हॉस्पिटल, दोमलगुडा द्वारा की जाएगी। जांच के पश्चात योग्य मरीजों को निशुल्क चश्मों का वितरण तथा मोतियाबिंद ऑपरेशन की व्यवस्था भी की जाएगी।

विभिन्न रोगों के लिए अलग-अलग विशेषज्ञों की सेवाएं

जनरल फिजिशियन की सेवाएं डॉ. अखिल्स क्लिनिक (पुरणदास रणछोडदास) के डॉ. अखिल सुगंधी एवं डॉ. मीनल खैरिया सुगंधी द्वारा दी जाएंगी।

फिजियोथैरेपी सेवाएं बजाज फिजियो की डॉ. मीता बजाज द्वारा तथा दांतों की जांच एसए-नआर डेंटल के डॉ. एस. तेजस्वी नवनीत द्वारा की जाएगी।

शिशु रोग जांच डॉ. पीयूष पीडियाट्रिक क्लिनिक के डॉ. पीयूष अग्रवाल द्वारा की जाएगी।अवसर पर श्री भगवान विकलांग सहायता समिति, हैदराबाद द्वारा योग्य मरीजों को निशुल्क एड्स एवं एप्लायंसेज, कृत्रिम अंग, हेड किट्स, कैलिपर्स तथा अन्य सहायक उपकरण प्रदान किए जाएंगे। शिविर में आवश्यक मरीजों के लिए निशुल्क डायलिसिस की भी व्यवस्था रहेगी।

शिविर में आने वाले मरीजों से अनुरोध किया गया है कि वे अपने पूर्व चिकित्सा रिकॉर्ड साथ लेकर आएं, ताकि उन्हें उचित परामर्श दिया जा सके। नाम पंजीकरण शिविर स्थल पर शाम 6 बजे से रात्रि 8 बजे तक किया जाएगा, जबकि स्वास्थ्य शिविर रात्रि 11 बजे तक जारी रहेगा।

अधिक जानकारी के लिए शिविर के संयोजक प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, सुरेन्द्र गोयल, आशीष दोचानिया, अचल गुप्ता एवं नवीन अग्रवाल से संपर्क किया जा सकता है।

IN THE COURT OF THE HONBLE XX JUNIOR CIVIL JUDGE, CITY CIVIL COURT, AT : HYDERABAD

O.S. NO. 764 OF 2026

BETWEEN:
Smt. Uma Agarwal and 2 others ...Plaintiffs

AND

The Tahsildar, Doodhbowli Mandal and another ...Defendants

To,
WHOMSOEVER IT MAY CONCERN

NOTICE

Please take notice that the above named Plaintiffs has filed the Suit for Declaration to declare the Plaintiffs as the only Legal Heirs of the deceases Late Sanjay Kumar Agarwal, S/o. Jai Ram Agarwal, who expired on 07-07-2025 and the above case is posted on 16-04-2026 at 10:30 am in the above court, as such anybody having any right, claim or objection whatsoever, shall appear before the above Hon'ble Court either in person or through advocate on the said date and time, else the matter will be decided exparte as per law.

Sd/-
RUCHIKA JAIN
Advocate
H.No.4-8-778,
Gowliguda Chaman,
Hyderabad - 500012
Ph No.: +919573640912

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayindia पर फॉलो करें। द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

पीयूबी/2155

ई-नीलामी सूचना सं. वाई/ सी.ई-नीलामी/ एचवाईबी/ 2025-26, दिनांक : 18-03-2026

कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से, **सीनि. डिवीज़नल कमर्शियल मैनेजर, हैदराबाद डिवीज़न, दक्षिण मध्य रेलवे** द्वारा हैदराबाद डिवीज़न में मोबाइल एसेट्स और विविध स्टेटिक सेवा ठेके, क्लॉक रूम, पार्किंग, पे एण्ड यूज टॉयलेट्स, पार्सल्स एवं आउट ऑफ होम श्रेणी के वाणिज्यिक प्रचार ठेका प्रदान करने के लिए आईआरईपीएस वेबसाइट **www.ireps.gov.in** के ई-नीलामी लीजिंग मॉडल के माध्यम से ई-नीलामी आमंत्रित है।

क्रम सं. : 1. श्रेणी : पार्किंग. **कैटलॉग सं. :** एचवाईबी-पार्किंग-054, **विवरण :** डबीरपुरा रेलवे स्टेशन लोकेशन पर दो पहिया, तीन पहिया एवं टैक्सी के लिए पार्किंग लॉट। **नीलामी की तिथि :** 25-03-2026, **नीलामी प्रारंभ समय :** 11.30 बजे, **नीलामी बंद होने का समय :** 12.00 बजे.

क्रम सं. : 2. श्रेणी : पार्किंग. **कैटलॉग सं. :** एचवाईबी-पार्किंग-055, **विवरण :** धर्माबाद रेलवे स्टेशन पर दो पहिया एवं 4 पहिया के लिए पार्किंग लॉट का परिचालन एवं रखरखाव। **नीलामी की तिथि :** 31-03-2026, **नीलामी प्रारंभ समय :** 11.00 बजे, **नीलामी बंद होने का समय :** 11.30 बजे.

क्रम सं. : 3. श्रेणी : पे एण्ड यूज टायलेट्स **कैटलॉग सं. :** एचवाईबी-पीएनयू-डीएबी, **विवरण :** धर्माबाद रेलवे स्टेशन पर पे एण्ड यूज टॉयलेट्स का परिचालन एवं रखरखाव। **नीलामी की तिथि :** 31-03-2026, **नीलामी प्रारंभ समय :** 11.00 बजे, **नीलामी बंद होने का समय :** 11.30 बजे.

क्रम सं. : 4. श्रेणी : पार्सल, **कैटलॉग सं. :** एचवाईबी-पार्सल्स-एसएलआर, **विवरण :** ट्रेन नं. (1) 17023-एसएलआर-एफ1-केसीजी-केआरएनटी-25-1, (2) 17653-एसएलआर-एफ1-केसीजी-पीडीवाई-26-1, (3) 12794 -एसएलआर-एफ1-एनजेडबी-टीपीटीवाई-25-1, (4) 17605-एसएलआर - एफ-1-केसीजी-बीजीएलटी-26-1, (5) 17652-एसएलआर-एफ-1-केसीजी-सीजीएल-26-1, **नीलामी की तिथि :** 31-03-2026, **नीलामी प्रारंभ समय :** 15.00 बजे, **नीलामी बंद होने का समय :** 16.10 बजे.

क्रम सं. : 5. श्रेणी : एडीवीटी-इंटि-202068-2-25-1 (विज्ञापन ट्रेन आंतरिक- फुल फेस) **कैटलॉग सं. :** एचवाईबी-मिक्स्ड-एनएफआर, **विवरण :** ट्रेन नं. 12789/12790 काचीगुड़ा - मुद्रेश्वर - काचीगुड़ा और 22715/22716 काचीगुड़ा - मदुराई - काचीगुड़ा एक्सप्रेस का बाह्य, **नीलामी की तिथि :** 01-04-2026, **नीलामी प्रारंभ समय :** 11.30 बजे, **नीलामी बंद होने का समय :** 12.00 बजे.

क्रम सं. : 6. श्रेणी : एडीवीटी-एचवाईबी-एसएफएक्स-ओएच-124-25-1 (विज्ञापन आउट ऑफ होम) **कैटलॉग सं. :** एचवाईबी-मिक्स्ड-एनएफआर, **विवरण :** सफीलगुड़ा, दयानंद नगर, रामकिष्टापुरम रेलवे स्टेशन पर आउट ऑफ होम कैटेगरी के अंतर्गत विज्ञापन अधिकार। **नीलामी की तिथि :** 01-04-2026, **नीलामी प्रारंभ समय :** 11.30 बजे, **नीलामी बंद होने का समय :** 12.10 बजे.

क्रम सं. : 7. श्रेणी : पीएनयू- एचवाईबी-केसीजी-डब्ल्यूआरएल-22-25-1 (पे एण्ड यूज - लाजेस/ वेटिंग/ रिटायरिंग/क्लॉक रूम्स), **कैटलॉग सं. :** एचवाईबी-क्लॉक रूम-केसीजी, **विवरण :** केसीजी रेलवे स्टेशन पर पीएफ नं. 1 पर क्लॉक रूम फेसिलिटी का प्रावधान एवं परिचालन, **नीलामी की तिथि :** 01-04-2026, **नीलामी प्रारंभ समय :** 11.30 बजे, **नीलामी बंद होने का समय :** 12.20 बजे.

क्रम सं. : 8. श्रेणी : एमएसएस- एचवाईबी-डीवाईई-बीएस-95-25-1 (विविध- स्टेटिक- सर्विसेस-बैटरी स्वैपिंग स्टेशन्स)।, **कैटलॉग सं. :** एचवाईबी-मिक्स्ड-एनएफआर, **विवरण :** दयानंदनगर रेलवे स्टेशन में बैटरी स्वैपिंग स्टेशन, **नीलामी की तिथि :** 01-04-2026, **नीलामी प्रारंभ समय :** 11.30 बजे, **नीलामी बंद होने का समय :** 12.30 बजे.

क्रम सं. : 9. श्रेणी : एमएसएस- एचवाईबी-एमएक्सटी-पीएस-120-26-1 (विविध- स्टेटिक- सर्विसेस- प्रीमियम स्टोर्स), **कैटलॉग सं. :** एचवाईबी-मिक्स्ड-एनएफआर, **विवरण :** मलकपेट रेलवे स्टेशन पर प्रीमियम आउटलेट, **नीलामी की तिथि :** 01-04-2026, **नीलामी प्रारंभ समय :** 11.30 बजे, **नीलामी बंद होने का समय :** 12.40 बजे.

A 2728 सीनि. डिवीजनल कमर्शियल मैनेजर, हैदराबाद

सिख समुदाय का शक्तिशाली प्रतिनिधित्व

अत्तापुर गुरुद्वारा भूमि विवाद पर एन. रामचंद्र राव से मिला उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल

हैदराबाद, 20 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष जगमोहन सिंह के नेतृत्व में एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने आज तेलंगाना भाजपा के माननीय प्रदेश अध्यक्ष श्री एन. रामचंद्र राव से मुलाकात की। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य अट्टापुर स्थित गुरुद्वारा भूमि के संवेदनशील मुद्दे को मजबूती से उठाना और सिख समुदाय की चिंताओं से अवगत कराना था।

प्रतिनिधिमंडल ने सिख समुदाय की भावनाओं और गंभीर चिंताओं को पुरजोर तरीके से प्रस्तुत किया। बैठक के दौरान इस बात पर विशेष बल दिया गया कि धार्मिक भूमि और विरासत की रक्षा करना अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रतिनिधिमंडल ने स्पष्ट किया कि अट्टापुर की इस पवित्र भूमि के साथ पूरे समुदाय की गहरी आस्था जुड़ी हुई है, इसलिए इस मामले में न्याय सुनिश्चित करना अनिवार्य है।

इस महत्वपूर्ण बैठक में केवल चुनिंदा नेता ही नहीं, बल्कि हैदराबाद और सिकंदराबाद के विभिन्न गुरुद्वारों के अध्यक्ष और सदस्य भी बड़ी संख्या में शामिल हुए। सभी ने एकजुट होकर श्री रामचंद्र राव जी के समक्ष अपनी बात रखी। विस्तार से हुई इस चर्चा का केंद्र बिंदु धार्मिक संस्थान की सुरक्षा करना और यह सुनिश्चित करना था कि समुदाय के अधिकारों का हनन न हो। एन. रामचंद्र राव ने प्रतिनिधिमंडल की सभी बातों को बहुत ही धैर्यपूर्वक सुना। एक निर्णायक और आश्वस्त करने वाली प्रतिक्रिया देते हुए, उन्होंने सिख समुदाय को अपना पूर्ण समर्थन और सहयोग देने का वादा किया। उन्होंने दोहराया कि वे व्यक्तिगत रूप से इस मामले में हस्तक्षेप करेंगे और समुदाय के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं। रामचंद्र राव जी ने आश्वासन दिया कि इस मुद्दे के जल्द से जल्द समाधान के लिए हर आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। उनके इस भरोसे ने सिख समुदाय के सदस्यों के बीच विश्वास और पुनर्मिलन की भावना जगाई है।

राज्यपाल ने मुस्लिम समुदाय को दी ईद-उल-फितर की बधाई

हैदराबाद, 20 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने ईद-उल-फितर के अवसर पर मुस्लिम समुदाय को हार्दिक शुभकामनाएं दीं।एक संदेश में राज्यपाल ने कहा कि जैसे ही रमजान का पवित्र महीना समाप्त होता है, ईद-उल-फितर का त्योहार खुशी, सद्भाव और आध्यात्मिक पूर्णता लेकर आता है। उन्होंने दुनिया भर में शांति, समृद्धि और कल्याण की प्रार्थना करते हुए सभी को अपनी शुभकामनाएं दीं।पवित्र कुरान की शिक्षाओं के प्रति गहरी श्रद्धा व्यक्त करते हुए उन्होंने समाज पर उनके गहरे प्रभाव और करुणा तथा धार्मिकता के स्थायी संदेश का उल्लेख किया।राज्यपाल ने कहा कि रमजान आत्म-अनुशासन और आध्यात्मिक चिंतन का समय है, जो लोगों को गरिमा, जीवन की पवित्रता और धार्मिक मूल्यों के पालन के सिद्धांतों को बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित करता है।

ईद-उल-फितर को आशीर्वाद और एकजुटता के उत्सव के रूप में वर्णित करते हुए उन्होंने कहा कि यह त्योहार प्यार फैलाने और उज्ज्वल भविष्य के निर्माण का एक अवसर है। उन्होंने सभी के लिए आनंदमयी और शांतिपूर्ण ईद की कामना की।

उगादि पचड़ी जैसा बजट

भाकपा ने तेलंगाना बजट को बताया मिश्रित, कर्ज और आवंटन पर जताई चिंता

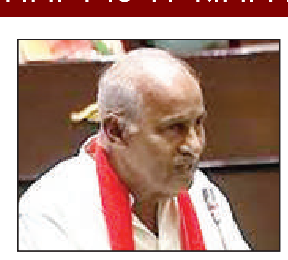

हैदराबाद, 20 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) के विधायी दल के नेता कुनमनेनी सांबशिव राव ने शुक्रवार को तेलंगाना के वर्ष 2026-27 के बजट को 'मिश्रित' करार दिया है।

विधानसभा मीडिया पॉइंट पर पत्रकारों से श्री राव ने बजट की तुलना यहां के मशहूर व्यंजन 'उगादि पचड़ी' से की, जिसमें खट्टा और मीठा, दोनों तरह के स्वाद होते हैं।

श्री राव ने राज्य पर बढ़ते कर्ज के बोझ पर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि तेलंगाना कई लाख करोड़ रुपये की देनदारियों से दबा हुआ है और बजट में कई लंबित बकायों का पूरा विवरण नहीं दिया गया है। उन्होंने सरकार की स्थिति को दोधारी तलवार पर चलने जैसा बताया और कहा कि इतने बड़े संसाधन जुटाना एक बड़ी चुनौती होगी। उन्होंने कुछ सकारात्मक कदमों का स्वागत भी किया, जिनमें पांच लाख रुपये के कवर वाली 'पारिवारिक जीवन बीमा योजना', इंटरमीडिएट छात्रों के लिए मध्याह्न भोजन योजना का विस्तार और सरकारी कर्मचारियों के लिए कैशलेस उपचार हेतु हेल्थ कार्ड की शुरुआत शामिल है। उन्होंने कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए बीमा लाभ की भी सराहना की।

उन्होंने प्रमुख क्षेत्रों के लिए आवंटन की आलोचना की। उन्होंने कहा कि शिक्षा क्षेत्र के लिए आवंटन मात्र 8 प्रतिशत के आसपास है, जो अनुशंसित 20 प्रतिशत से बहुत कम है। उन्होंने शिक्षकों की कमी और आउटसोर्स कर्मचारियों पर अत्यधिक निर्भरता का मुद्दा उठाते हुए कहा कि इससे शिक्षा के स्तर पर बुरा असर पड़ रहा है।स्वास्थ्य क्षेत्र पर उन्होंने कहा कि 4 प्रतिशत का आवंटन अपर्याप्त है और इसे कम से कम 10 प्रतिशत किया जाना चाहिए।भाकपा नेता ने 'इन्दिराम्मा आवास योजना' के बजट में कटौती की भी निंदा की और कहा कि आउटसोर्स कर्मचारियों, अनुबंध श्रमिकों, पत्रकारों और सिंगरेनी श्रमिकों जैसे कई वर्गों का बजट में कोई उल्लेख नहीं है। उन्होंने चेतावनी दी कि मजबूत वित्तीय योजना के बिना राज्य आर्थिक दबाव का सामना करना जारी रख सकता है।

IN THE COURT OF THE HON'BLE III JUNIOR CIVIL JUDGE, CITY CIVIL COURT, AT: HYDERABAD.
O.S. NO. :. 750 OF 2026.

BETWEEN:-

1. MRS. MANJU SANKLA, W/o. Late Mr. Jagadish Chand, Age: 63 Years, Occ: Housewife, R/o. H.No: 4-7-997, Esamiya Bazar, Hyderabad, Telangana State - 500027.
2. MRS. KIRTHI DEVDA, W/o. Mr. Vikas Devda, D/o. Late Mr. Jagadish Chand, Age: 38 Years, Occ: Housewife, R/o. 192, Vindhyachal Nagar, Airport Road, Indore, Madhya Pradesh - 452005.
3. MRS. JYOTHI SANKLA, W/o. Mr. Rajesh Gehlot, D/o. Late Mr. Jagadish Chand Age: 36 Years, Occ: Housewife, R/o. H.No: 4-7-849 to 851, Esamiya Bazar, Hyderabad, Telangana State - 500027.
4. MR. GOVIND SANKLA, S/o. Late Mr. Jagadish Chand, Age: 32 Years, Occ: Business, R/o. H.No: 4-7-997, Esamiya Bazar, Hyderabad, Telangana State - 500027.

... PLAINTIFFS.

AND

1. THE TAHSILDAR, (MANDAL REVENUE OFFICER), NAMPALLY MANDAL, HYDERABAD DISTRICT.
2. ALL CONCERNED.

DEFENDANTS.

PUBLIC NOTICE

Please take notice that, the Plaintiffs have filed a suit for Declaration, declaring the Plaintiffs as Legal Heirs of LATE MR. JAGADISH CHAND against the defendants and the same is posted to 16.04.2026 for appearance of the Defendant No. 2. The Defendant No. 2 should be present either by themselves or through their counsel on the above said date, failing which the Defendant No.2 will be Set Ex-parte and appropriate orders may be passed by the Hon'ble court.

BY ORDER OF THE COURT

ABHIJAY JHAWAR
P. SURYA PRAKASH
A. SAI KIRAN
OFFICE AT: 3-6-313, BASHEERBAGH, HYDERABAD-29. Ph No: 9000497571.

DAILY शुभ लाभ खबरें जो सोच बदल दे Classifieds

CHANGE OF NAME
I, SANDHIYA N is Spouse of Service No-15728674M, Rank- NK, Name- NAVEEN KUMAR K, of Unit- UNIT 729, Residing at Vill & PO- D P Palayam, Teh-Gudiyatham, Dist- Vellore, T.N. I have to change my Name From SANDHIYA N to J SANDHIYA for all purpose vide affidavit dated:18/03/2026.

CHANGE OF NAME
I, KOSANA APPLA KONDA Mother of Service No-17005332M, Rank- NK, Name- KOSANA YELLAYYA, R/o at H.No-3-95, Vill-Gudivada, Po-Chittivalasa, Teh-Bhogapuram, Dist- Vizianagaram, A.P. I have to change my Name from KOSANA APPLA KONDA to KOSANA APPALA KONDA for all purpose vide affidavit dated:18/03/2026.

CHANGE OF NAME
I, Army No. 6948602M Nk SHGD RANDHIR YADAV of Adm Bn, AOC Centre, Secunderabad, Telangana, India, hereby State that My Father Name is changed from MAN SINGH to MANSINGH.

CHANGE OF NAME & DOB
I, V HYAMAVATHI Spouse of Service No 14572889L Ex.Hav V GOVINDA RAO, R/o.PO: Gajarayana Valasa, Teh:Badangi, Dist:Vizianagaram, Andhra Pradesh-535522 have changed my name and DOB from V HYAMAVATHI, DOB:12-11-1968 to VADDI HYMAVATHI, DOB:29-11-1968 vide affidavit dt:18-3-2026 before C.Samuel, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, Service No 15815449N L/Nk Karam Raj of Adm Bn, AOC Centre, Secunderabad, Telangana, hereby state that my mother's name is changed from YASHODA DEVI to YASHODHA DEVI.

CHANGE OF NAME
I, SC No.15814244-M, Rank L/NK. Name: NAGARAJUKUMARA P R/o.H. No. 7-1-2/8A, Phool Bagh Colony, Ferozguda, Tirumalagiri. Hyderabad, Telangana- 500011, and I have changed my name from NAGARAJUKUMARA P to PANDU GAYALA NAGARAJU KUMAR. in my service records.

CHANGE OF NAME
I, Army No. 6948573H Nk UMESH PRADHAN of Adm Bn, AOC Centre, C/o.56 APO Secunderabad that my son name is changed from UTTKERSH PRADHAN to UTKARSH PRADHAN.

CHANGE OF NAME & DOB
I, DHANIRAM SAIKIA Father of Service No.JC 313558M Sub DEBAJIT SAIKIA, Residing at Mohanapur, Vill and PO:Potiagaon, Teh:Majuli, Dist:Majuli, Assam-785106 have changed my name and DOB from DHARMESWAR SAIKIA, DOB:01-07-1956 to DHANIRAM SAIKIA, DOB:01-01-1958 vide Affidavit dt:19-03-2026 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME & DOB
I, NIRA KUMARI, wife of No. 4288848P, Rank NK/CHFE, Name KAUSHAL KUMAR presently posted with 20 BIHAR C/o 56 APO, resident of Village-Tarapur, Post- Siranawa, The- Hilesh, Dist- Nalanda, State- Bihar, Pin- 803110, do hereby state that my Name & Date of Birth have been wrongly entered/recorded as "NIRA DEVI & 20 JAN 1992" in my husband's service documents by mistake. My correct Name & Date of Birth are "NIRA KUMARI & 01 JAN 1992" for all future record purposes vide Affidavit No. AC891521 dated 19 Mar 2026.

CHANGE OF NAME
I, SHAMSHER SINGH, S/o.SHRI SWARN SINGH, Army Soldier, resident of pallan wala, Akhnoor, Jammu, Jammu and Kashmir - 181204, India, do hereby State that I am a citizen of India and presently serving in the Indian Army that I am legally married, and my wife's correct and actual name is Smt. NEELAM DEVI. That due to inadvertence and clerical error, my wife's name has been wrongly recorded as "NEELAM KUMARI.

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.

श्री बालाजी परिवार - हैदराबाद द्वारा मेहंदीपुर बालाजी (हनुमानजी) का विशाल मेला

आज शनिवार 21 March-26 8:31 Pm

श्री बालाजी परिवार हैदराबाद

श्री मेहंदीपुर बालाजी का मेला

RAJ PAREEK | PARVINDER PALAK | NIHAL THAKRAN | RAJU MURARI DAHIMA | SAGAR VYAS | PANKAJ OJHA | ANURAG BHUTDA | CHETAN DHAIMA | NAREESH POONIA MUSICAL GROUP

JK Photography | LIVE CLICK MAGIK

VENUE :

S S CONVENTION - SHAMSHABAD

सांवरिया GRAPHICS 7602873753

विशेष आकर्षण : बाबा का स्वर्ण वरक से श्रृंगार एवं राजस्थान के प्रमुख मंदिरों के दर्शन करने अवश्य पधारें।

सदस्यगण : रोहित अग्रवाल - 92900 05487, पवन अग्रवाल - 63029 26437, अभिषेक जालान - 98490 64411, जयपाल चौधरी - 96403 90473, रामानन्द अग्रवाल - 93910 72326, रवि अग्रवाल - 98492 44858

RKP RK POLYMERS | Madhu Sudhan Shastri Shivrampally, Hyd. | JALAN STEEL TUBES Shivrampally, Hyd. | RK MARKETING BIRLA TMT / AMPLE AAC BLOCKS Attapur | JALAN ROOFING SHEETS Kothur - T.S. | PACWAY POLY PLAST Jalpally, Hyderabad | LEELA GOLD Somajiguda, Hyderabad | Balaji Caterers

S. RAJENDER KUMAR URDUGALI, HYD. | GULAB PHARMACY BADICHOWDI, HYD. KAPI GOLD & DIAMONDS | JAIPAL CHOWDHARY UDDAH MANDI RAJASTHAN | SRI MAHAVEER PRASAD BAJRANGLAL DADARIWALE | ANNAPURRNAA CEMENT & BRICK | HANUMANDAS RAMAVTAR TULSIYAN SRI BALAJI TRADING AGAPURA, HYDERABAD | KESHAVPRASHAD OMPRAKASH TAYAL TAYAL JEWELLERS GHANSI BAZAR, HYD. | SRI VENKATESHWARA OIL AGENCIES AFZAL GUNJ, HYD.

भाग्यनगर की सभी संस्थाएँ सादर आमंत्रित हैं। | ASTHLAXMI DOOR MANGALHAT | SANTLAL BAJRANGLAL JEWELLERS GHANSI BAZAR, HYD. | SRI RAM MEDICAL CITY COLLEGE, HYD. | NEW POORNIMA MEDICAL BAHADURPURA, HYD. | सस्नेह निमंत्रण

FUSION STONE | OM STEEL Kishanganj MAYUR STEEL Kattedan | SK GOLD SRIJI GOLD | Govind Agarwal SRI BALAJI JEWELLERS & EXPORTERS | LABDHI WATCHES & PREMIUM | SRI DELHI AGRA CHAT BHANDAR | SRI VIJAYKUMAR SHANKERLAL JEWELLERS

SRI DEENANATHJI AGARWAL | SCOOPS | PRABHATILALJI MUSSADILALJI KOTWALE | ITALIAN EXPRESS | SHREE BALAJI BAJRANG | PAVAN AGARWAL BHAWANI TRADERS | LALCHANDJI SAVITRIBAI JALAN | R.B.H. GOLD WORKSHOP (RAJA BHAI) KALI KAMAN

NIRANJANLALJI SUBHASH KUMAR SILVER TOUCH | VASU BHAI SOUTH INDIAN BANGLORE | JWALA PRASAD GULAB CHAND AGARWAL | SRI SHYAM MOULDERS DEEPAK KUMAR JI PACHERIA | MAHAVEER PRASAD JI BRIJMOHAN JI AGARWAL | OMPRAKASH SUBHASHCHAND SUNIL AGARWAL JI | SRI BALAJI HARDWARE HINDI NAGAR | VINOD AGARWAL SRI SAI PLASTICS BEGUM BAZAR

VEDPRAKASH AGARWAL MANOKAMNA GOLD, ABIDS DEEPAK AGARWAL MANOKAMNA JEWELS, Banjara Hills | BABA CHAURANGINATH CHIT FUND PVT. LTD. | KRISHAANGI NEEDLE ART | BAJRANGLAL VISHNU KUMAR KEDIA GOSHAMAHAL | SANGHI IMPEX | MITTAL REMEDIES | NARAYANI POLY FABRICS | BREZZ MADE SCIENCE | SHUBHAM JEWELLERS | MANOHARLAL JI RAKESH KUMAR JI | SRI BALAJI PHARMA | SWASTIK STEEL

SRI BALAJI SILKS | SRI CHIRANJI LAL JI DILIP AGARWAL PATANWALE | RITESH JI | RAMESHWAR DAYAL JI VEDPRAKASH JI AGARWAL | SHIV NARAYAN JEWELLERS PVT. LTD. | PUSHKARMAL JI VIJAY KUMAR JI | SUNIL KUMAR SURYA (BABU BHAI) | RAMESH CHAND SURESH CHAND BILASKA | SAHIL SUPPLYING COMPANY | PURSHOTTAM JI SHARMA | SUDARSHAN JI DADU DADU'S | TRUPTI FOODS

VIJAY PANIPURI | GANESH CATERING | MOCKTAIL ZONE | SRI M.L. GOEL JEWELLERS | JITENDER PATEL (ROSHAN PATEL) | KISHAN LAL JI SANJAY KUMAR JI | JITTU BHAI DHANLAXMI STEELS | RAJENDER PRASAD JI GOEL (MAHESH MASKING) | SURFAÉ BY PODDAR ROCKS | KEDARMAL JI GURU DAYAL JI (MAHENDER BHAI) | KIRAN INDUSTRIES | JOLLY BHAI

BALAJI FRUIT | ASHWINI BHAI | MOHAMMED OMER & SONS | HANUMANDAS NAND KISHORE JI | ABHISHEK RE-ROLLING MILLS PVT. LTD. KOTHUR | NAGAR MEDICAL HALL KACHIGUDA | JAGDAMBA MOTORS ABIDS | SRI JAGDAMBA MOTORS SEC'BAD | SRI NOORAMAL JEWELLERS GULZAR HOUSE | SOHAM ENTERPRISE MUMBAI | KRUNAL ISPAT PVT. LTD. MUMBAI | MR ROOFING GAGANPAHAD | BS GUPTA PATEL MARKET

VSK INDUSTRIES PALGHAR | ALLIANCE FREIGHT PVT LTD. ATTAPUR | AMBICA ISPAT PVT. LTD. / ANKIT ATTAPUR | HARI NARAYAN NAKUL VYAS NEHA BUILD PRO PVT LTD BANJARA HILLS | AAC BLOCKS SRI VEERANJENYA ECO BRICKS PVT. LTD. KODAD | TULSIRAMJI ASHISH SHARMAJI | SHREE KRISHNA STEELS BOLARAM | SRI AMBICA ISPAT NARSINGI | VEEJAY POLY PLAST LTD. KOTTUR | LAXMINARAYAN & CO. MAHARAJGUNJ | JEETMAL TULJARAM CHAPPAL BAZAR | SHREE BAGORI POLYCHEM PVT. LD. KOMPALLY

RENUKA GOLD OLD CITY | ROHIT EXTRACTIONS PVT. LTD. | KEDIA SOLVENTS OIL INDUSTRIES | NITESH TEXTILES | SAVARIA PLYLAM SRINAGAR COLONY | ABDUL BHAI ADONI | KHALID BHAI TK ROADWAYS MUMBAI | SRI RAM HARDWARE BANJARA HILLS | SHREE GANAPATI GRANITE INDUSTRIES NACHARAM | M.P.L. STEEL PIPES | SAI HARDWARE COLLECTIONS | SATYAPRAKASH SIYARAM AGARWAL

NISHA TRADING COMPANY BEGUM BAZAR | SRI BAJRANG JEWELLERS ABIDS | PURSHOTTAMDAS MANOJ KUMAR KEDIA BEGUMPET | GUGGILA KRISHNA BASHEERBAGH | RAMA PIPE & FITTINGS RANIGUNJ | MURARILALJI SINGHANIA | SRI GANESH INDUSTRIES KATTEDAN | RAMMULALJI DEENDAYALJI MODI CHARKAMAN | HINDWARE CLARION MERCHANT PVT. LTD. SUCHITRA | PRADEEP FURNITURE | BALAJI KIRANA MOOSAPET | SANTOSH SELECTION MOTI NAGAR

KATICHAND JI RAMAVTAR JI NARNAULI | SWASTIK EMPORIUM | SUBHASHCHAND JI AGARWAL | LOKESH BHAI SRINATH JI | ANKIT AGARWAL JI | RITESH ASAWA | CHANDRAKALA AGARWAL | MADANLALJI PATWARI PLYWOOD | PREMCHANDJI PODDAR VIKAS BHAI | RISHIT JEWELLERS RAVI AGARWAL | OM PRAKASH SINGHANIA | RAGHUNATH DAS JI BAJRANG LAL JI BHALWALE

SOHANLAL JI | MAKKHANLALJI | RAJENDER KUMAR JI MODI (ASHISH BHAI) | GYANCHAND JI JAIN | SHAGUN MITHAI VATIKA | DESI EVENTS | DURGA JEWELLERS ABIDS | KISHANSHAY KAMAL KUMAR JI | PUSHPA DEVI ATLAS (RINKU BHAI) | DEVIKANAND JI RAMESHWARCHAND JI KADEL | SHRI DEEPCHAND AGARWAL | JADE SILVER LUXE ATTAPUR | HBR TRANSPORT RAIPUR

Laltu Dada Darbar Decorator | S S Convention Shamshabad, Hyd | Meenakshi Publicity Abids, Hyderabad | J.K.Video & Stills Hyderabad | Kishan Sound Hyd. | Shree Vision PRO AUDIO - VISUALS | Mohmed Omer & Sons | Balaji Fruits Hyderabad. | Click Magic Rahul Jain

FREE ENTRY | श्री कम्पनी Sri Company | **श्री Company, Begum Bazar, Hyderabad** | FREE ENTRY

M.Bajranglal Son's Jewellers Abids | Gunfoundry | Punjagutta

बाबा के चरणों में : **नथमल सुरेश कुमार,** महेंद्रा हिल्स, सिकंदराबाद